



MEDISHRI HEALTHCARE

All Promotional Material Available

WANTED PHARMA FRANCHISEE CUM PCD

More Than 500 Products

NEURO | GASTRO | CARDIAC | DIABETIC | UROLOGY | GYNAE | GENERAL PRODUCTS

INNOVATIVE & LATEST PRODUCTS

BILASCAN-20 Bilastin 20mg Tab.	CEFSCAN-AZ LB Cefixime 200mg & Azithromycin 250mg with LB Tab.	RITECORT Triamcinolone Acetonide Oral Paste
BILASCAN-M Bilastin 20mg & Montelukast 10mg Tab.	DUALSCAN TH INJ Diclofenac Sodium 75mg & Thiocolchicoside 4mg / 2ml Inj	RITEHIST LC+ Levodropropizine 30mg & Chlorpheniramine Maleate 2mg Symp.
BRAINCOOL Ergotamine Tartrate 1mg, Caffeine 100mg, Paracetamol 250mg & Prochlorperazine Maleate 2.5mg Tab.	FLUNAXIT Flupentixol 0.5mg & Mefenamic Acid 50mg Tab.	SETSPAS-FAST Diclofenac Potassium 50mg & Dicyclanide Hydrochloride 20mg Tab.
BUSCOSCAN-M Hyoscinebutylbromide 10mg & Mefenamic Acid 250mg Tab.	HELPAE-PT Acetaminophen 100mg, Paracetamol 325mg & Tramadol Hydrochloride 37.5mg Tab.	SETSPAS-FAST INJ Diclofenac Sodium 50mg & Dicyclanide 20mg / 1ml Inj
CEFSCAN -OZ LB Cefixime 200mg, Ornidazole 500mg & Lactic Acid Bacillus 60 million Tab.	MONTLIFE-3D Montelukast 10mg, Fexofenadine 120mg & Acetaminophen 200mg SR Tab.	SETSPAS-R Rabeprazole 10mg, Cidrim Bromide 2.5mg, Dicyclanide Hydrochloride 10mg & Chlorzoxazone 5mg Cap.

Also contact for Third Party Manufacturing

MEDISHRI HEALTHCARE PVT. LTD.
(An ISO 9001 : 2015 Certified Company)
Regd. Office : 149, Ground Floor, Block G, Pocket-2, Sector-16, Rohini, New Delhi-110 085
Works : Kharsa No.-27, Mandawar, Bhagwanpur, Roorkee, Distt. Haridwar (U.K.)
E-mail : medishrihealthcare@gmail.com, visit us: www.medishri.com

Call or SMS
+91 70153 47369
+91 82220 55953

तेलंगाना के सभी निजी अस्पताल 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का करेंगे टीकाकरण

हैदराबाद : तेलंगाना सरकार ने मंगलवार को राज्य के सभी नामित निजी अस्पतालों को 19 साल से अधिक उम्र के लोगों को कोविड-18 के टीके लगाने की अनुमति दे दी. राज्य में नामित निजी कोविड टीकाकरण केंद्र (पीसीवीसी) अब 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को कोविड के टीके लगाना शुरू कर सकते हैं। जन स्वास्थ्य निदेशक डॉ जी श्रीनिवास राव ने मंगलवार को नामित पीसीवीसी को टीकाकरण प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए। वे कार्यस्थल पर या संस्थानों, कंपनियों या गेटेड समुदायों के अनुरोध पर टीकाकरण भी प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, पात्र लोगों को वॉक्सेन पोर्टल पर खुद को पंजीकृत कराने की आवश्यकता है। पीसीवीसी को कोविड टीकाकरण मानदंडों का पालन करने की आवश्यकता है। 18 मई को 44-1 वर्ष की आयु के लोगों के लिए टीकाकरण शुरू किया गया था। लेकिन, टीके की अनुपलब्धता के कारण तेलंगाना सरकार ने इस टीकाकरण प्रक्रिया को रोक दिया। चूंकि राज्य को केंद्र से कोई ताजा स्टॉक नहीं मिला, इसलिए 45 वर्ष से अधिक उम्र के

लोगों के लिए दूसरी खुराक का टीकाकरण जारी रहा। टीकों की अनुपलब्धता ने अधिकारियों को दूसरी खुराक भी देना बंद करने के लिए प्रेरित किया। 10 दिनों के अंतराल के बाद मंगलवार को टीकाकरण प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पिछले महीने राज्य के सभी पात्र निवासियों के लिए मुफ्त कोविड टीके लगाने का आदेश दिया था। टीकाकरण की लागत 2,500 करोड़ रुपये बताई गई है। उन्होंने कहा कि राज्य की आबादी लगभग 4 करोड़ है और इसमें वे लोग भी शामिल हैं जो नौकरी के अवसरों के लिए विभिन्न राज्यों से आए हैं। राज्य ने 56 लाख से अधिक लोगों को टीकाकरण प्रदान किया है। राज्य में 1.72-18 वर्ष के आयु वर्ग के 44 करोड़ लोग शामिल हैं। इस आयु वर्ग के पूर्ण टीकाकरण के लिए राज्य को 3.6 करोड़ खुराक की आवश्यकता है। अधिकारियों की राय है कि राज्य प्रतिदिन 10 लाख लोगों का टीकाकरण कर सकता है। लेकिन टीकों की अपर्याप्तता प्रक्रिया के लिए खतरा पैदा कर रही है।

तीव्रता और आक्रामकता को कम करती है। उन्होंने आगे कहा, 'गोवा में जिन लोगों को पूरी तरह से टीका लगाया गया है, उनमें कोविड की मौत बहुत गण्य है।' बुवाजी ने कहा, 'हमें अपनी आबादी के कम से कम 60-70% लोगों को झुंड प्रतिरक्षा स्थापित करने के लिए टीकाकरण करना होगा। हमें अगले दो महीनों के भीतर इसे अगले लहर के लिए तैयार करने के लिए पूरा करना चाहिए। हम पहले ही इस लहर को चपेट में आ चुके हैं।' चूंकि टीकाकरण का बहुत कम प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, इसलिए उन्होंने सलाह दी कि टीकाकरण प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए घर-घर जाकर टीकाकरण शुरू किया जाना चाहिए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष ने निष्कर्ष निकाला, "यह ऑफलाइन किया जाना चाहिए क्योंकि पोर्टल पर पंजीकरण और खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी पर अनावश्यक समय बर्बाद होता है। दिन के अंत में डेटा को पोर्टल पर लोड किया जा सकता है। एक टीम के हाथ में एक तैयार सूची होनी चाहिए और वार्ड सदस्यों के साथ टीकाकरण के लिए घर-घर जाना चाहिए।

कुछ सुझाव

मनीष जी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार रिटेलर इस व्यापार की महत्वपूर्ण कड़ी है। अक्सर वह अपने आप को उपेक्षित महसूस करता है। कुछ वर्ष पूर्व थोक दवा विक्रेता बहुत कम थे। कंपनियों डिपो से डायरेक्ट सप्लाई कर देती थीं। परन्तु आज स्थिति बदल चुकी है। हमारी भारतीय संस्था ने कुछ नियम तय कर दिये हैं, उनका पालन करना दवा कंपनियों को आवश्यक है। उन्होंने बताया कि मेरे पास काफी रिटेलर की शिकायतें आती हैं। जैसे कुछ लोग घर से दवाओं की सप्लाई करते हैं। न तो उनका कोई स्टॉकिस्ट है न Price List उपलब्ध कराते हैं। कई बार ट्रेड मार्जिन भी पूरा नहीं देते हैं आदि आदि ... आपकी सुविधा के लिए कुछ सुझाव दिये जा रहे हैं आपके सहयोग से आपको ही लाभ होगा। 1. हर कंपनी का स्टॉकिस्ट होना चाहिए, कंपनी रिटेलर को डायरेक्ट सप्लाई नहीं कर सकती. 2. प्रत्येक कंपनी मार्केटिंग वार्ड को फार्म 5 पर DPCO के अनुसार Price List उपलब्ध करानी चाहिए. 3. Shedule आइटम पर 20% मार्जिन देना चाहिए. 4. दवा बिल पर ही सप्लाई होनी चाहिए. मेरी जानकारी में आया है कि कुछ लोग बिल देने में हिचकिचाते हैं. रिटेलर बंधु कोई भी असुविधा होने पर अपनी संस्था से अवश्य संपर्क करें. आपकी लड़ाई हम लड़ेंगे.

- विजय कुमार श्रीवास्तव,
मो. 9259022662
मनीष प्रजापति मो. 7535934332.

हर इंसान अपनी जुबान के पीछे छुपा हुआ है अगर उसे समझना है तो उसे बोलने दो.

45 वर्ष से अधिक आयु के अधिकतम मृतक लोगों का पूर्ण टीकाकरण नहीं किया गया था

पिछले सप्ताह के दौरान कोविड-200 के कारण मरने वाले 19 लोगों में से 45 वर्ष से अधिक आयु के थे और एक व्यक्ति को छोड़कर, इसे प्राप्त करने की गुंजाइश होने के बावजूद, अपनी टीकाकरण प्रक्रिया पूरी नहीं की थी। लगभग 157 लोगों (87%) को टीका उपलब्ध होने के बावजूद उनकी पहली खुराक नहीं मिली। केवल 25 लोगों (13%) को पहली खुराक मिली। कोविड रोगियों के इलाज में शामिल एक वरिष्ठ डॉक्टर ने कहा, "गोवा की 60+ आबादी के एक बड़े हिस्से को टीका लगाया गया है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि जिन लोगों की मौत हुई है, उन्होंने टीका नहीं लिया है। टीके की पहली खुराक के बाद बहुत कम लोगों ने दम तोड़ा है। पिछले सप्ताह में, सरकार ने गोवा में बॉम्बे के उच्च न्यायालय को बताया कि 2 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए उनके पास 45 लाख से अधिक खुराक हैं, लेकिन लोग खुद को टीका लगाने के लिए तैयार नहीं हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, गोवा के अध्यक्ष डॉ विनायक बुवाजी की राय है कि टीकाकरण की दोनों खुराक वायरस की

ARE YOU LOOKING FOR ASTHMA RANGE OF PRODUCTS?

Respules Redivent-Duo Levalbutal 1.25 mg Respules 2ml	Inspicare Inha Caps (BPI Capsules) Formoterol Fumarate 6 mcg + Budesonide 400 mcg
BudeBest Respules 2ml BudeBest-Duo Respules 2ml	TIOLABA Inha Caps Tiotropium Bromide 18 mcg
Forahale 0.5 Formoterol Fumarate 0.5 mg + Budesonide 0.5 mg	Redivent-Duo Levalbutal 100 mcg + ipratropium Bromide 40 mcg
BBVENT Metered Dose Nasal Sprays	Flutimor-S Fluticasone Propionate 250 mcg + Salbutamol 50 mcg
Mist-M Mometasone Furoate 0.03% w/v Metered Dose Nasal Sprays	Inspiral Metered Dose Inhalers
Mist-F Fluticasone Furoate 0.025% w/v Metered Dose Nasal Sprays	Forahale-200 Formoterol Fumarate 200 mcg + Budesonide 400 mcg
Mist-AZ Fluticasone Furoate 0.025% w/v + Azelastine 0.14% w/v Metered Dose Nasal Sprays	Forahale-400 Formoterol Fumarate 400 mcg + Budesonide 400 mcg

For trade enquiries please contact

Best
BEST BIOTECH
75-13, 13/14 & 15, Keshavnagar, Bulandshahr, U.P. 201131
Ph: +91 886 2972086, +91 886 2972087

+91 9491889086 +91 9441831448
+91 7075558086 +91 9959018086

अब हर दवा की कीमत सरकार तय करेगी

अब तक डीपीसीओ के माध्यम से कुछ दवाइयों की कीमत सरकार तय करती थी लेकिन जानकारी मिली है कि नीति आयोग एक ऐसा फार्मूला तैयार कर रहा है जिसमें ट्रेड मार्जिन के आधार पर दवाइयों के दाम कंट्रोल किए जा सकेंगे। जानकारी मिली है कि अब सभी तरह की दवाइयों के दाम सरकार तय करेगी. इससे अनियंत्रित मुनाफाखोरी को रोकने के प्रयास में यह एक नया कदम है. कंपनियां इस प्रकार फायदा उठाती हैं कि कंपनियां एक ही साल्ट को अलग अलग ब्रांड नेम से अलग प्रॉफिट मार्जिन पर अस्पतालों और रिटेलर्स को बेचती हैं जो ब्रांड ज्यादा मुनाफा देता है, क्योंकि वह रिटेलर तथा अस्पतालों से अधिक कमीशन लेते हैं इससे उसकी बिक्री बढ़ जाती है और इस कंट्रीशन में मरीजों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है. हमारे देश में दवाओं का घरेलू उद्योग करीब एक लाख करोड़ का है, जिसका सिर्फ 17 फीसदी ही कीमत नियंत्रण के दायरे में है. -**दुर्गेश कुमार, मो. 9412288844.**

असफलता का मतलब है

असफलता बताती है कि आपने अपनी कोशिश पूरे मन से नहीं की • कि कहीं न कहीं आप अपने मार्ग से भटक रहे हैं • आपका मन एकाग्र होकर काम नहीं कर रहा है • कि आप अर्जुन की तरह लक्ष्य साधें सफलता जरूर मिलेगी • कि आप अपने अन्दर धैर्य, साहस व हिम्मत नहीं रख पा रहे हैं • कि आपने कार्य सिर्फ दिखावटी किया है सच्चे मन से नहीं.

Call For PCD Franchise: +91 98724-44554, 98789-77174, 73411-11858,

Complete Ortho., Cardio-Diabetic, Gynae, Paed., General, Gastro, Derma Range available

Create Your Own Destiny

A Professionally Managed Pharma Company offers Monopoly Rights to market its products on Franchisee/PCD basis on State/District level all over INDIA

WHO GMP/GLP/AS-ANZ Certified Manufacturing

Assured Quality Efficacy & Stability

OVER 1000 molecules

DCGI Approved Molecules

100% Excise Free Manufacturing Till 2020

THIRD PARTY MANUFACTURING PROPOSALS INVITED

Trade Enquiries are welcome For monopoly rights in Unrepresented areas Only financially sound parties/Pharma Professionals may contact

We offer:
Monopoly Rights, Visual Aids, Samples, Gift Articles

Wide Range Of:
Tablets, Capsules, Softgels, Injectables, Neutraceuticals, Syrup, Dry Syrup, Drops, Nasal Drops, Ointments, Hormones, All Derma Range

LIFEVISION HEALTHCARE

Plot No 11-12, Dainik Bhaskar Building, Sector 25 D, Chandigarh (160014)

E-mail: lifevisionmarketing3@gmail.com, bluewater.chd@gmail.com

Web: www.lifevisionhealthcare.co.in, www.bluewaterresearch.co.in

Pharmaceuticals (P) Ltd.
(An ISO 9001:2015 Certified Company)

A wide range of products available for Third Party & PCD marketing

Tablets & Capsules	Neutraceuticals & Protein Powders
Oral Liquids & Dry Syrup	Dietary Supplements
Injectables	Herbal Preparations
Eye Drops, Ear Drops & Nasal Drops	Wide range of Skin Care Cosmetics
Creams, Lotions, Gels & Ointments	Veterinary Drugs
Shampoo & Soaps	Vaccines & Pre Filled Syringes

Aerosols & Form Fill Seat (FFS)

Tablets	Capsules	Dry Syrup	Liquid Orals	Eye/Ear Drops	Soap	Shampoo/ Lotion	Ointment	Sachets	Veterinary Medicines
---------	----------	-----------	--------------	---------------	------	-----------------	----------	---------	----------------------

Our Speciality Divisions

More than 1000 products
All new molecules available
Third party manufacturing also done

More than 1000 products
Third Party Manufacturing also done
All new Molecules available

Forgo Pharmaceuticals (P) Ltd.	The Green's Ayurveda	Consistent Remedies (P) Ltd.	Elegance	Yashwan
Syngene Lifesciences	KARDIC	FORGO CARES	SPARK	FOREVER FORMULATIONS

Corporate Office: Plot No. 92, Ind. Area Phase-I, Panchkula Haryana 134113
Mfg. Unit Forgo Pharmaceuticals (GMP/GLP/WHO Certified Unit) (AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)
27, DIC IND AREA, Barotiwala, Teh: Baddi, Distt. Solan (HP)
Email : helpdeskforgo@yahoo.com / forgopharmaceutical@yahoo.co.in
Contact Detail : 0172-2569292 / 2568292 / 9814924737 / 7696099905 / 9877640753 / 9569569292

Experience you can Trust

OUR PLANTS

MASKON LIFE SCIENCES PVT. LTD.

MASKON HEALTHCARE

Also Available
Nutraceutical Products

We Offer for PCD,
Franchise &
Third Party M.E.G.

Ready Dispatch with in
20-30 days for
Third Party
Manufacturing

WIDE RANGE WITH

Tablets	Lotion & Roll-ON
Capsules	Protein Powder & Sachet
Ointment & Nasal	Dusting Powder
Feed & Food	Creams
Oral Liquid & Drops	Veterinary Products & Inj.
Ointment	Herbal Products

WHY CHOOSE US

- Timely delivery of goods
- Attractive packing
- Best quality guaranteed
- Competitive rates
- One stop solution for all your Third Party Manufacturing need
- More than 1000 approvals
- Specialist veterinary product
- Fully automatic plant

All Marketing Supports Like

- Visual aid folder
- Leave behind cards
- Reminder cards
- Catch cover
- Visiting card
- M.R. Bags
- Order books
- Gifts etc.

MASKON
(An ISO 9001:2015 Certified Co.)

☎ KHASRA NO : 69 & 70, KHATAKHERI, BHAGWANPUR,
ROORKEE-247667, DISTT : HARIDWAR, UTTARAKHAND INDIA

✉ maskon143@gmail.com

☎ +91-706 002 4243, +91-954 859 8628, +91-863 081 8798

AICOD also request Govt of India to Ban Export to meet out the deand of our country because of this critical situation. Thanks to Govt. of india department of Pharma Shri Sadanand Gouda Ji cabinet Minister and Shri Mansukh Mandavia Ji STATE Minister, - Ms S. Arpana Ji and all other for this wonderful decision.

Science for a better life caring and curing....

WHO APPROVED

ANGIA RX
LIFESCIENCE/DRUG FORMULATION/NUTRACEUTICALS
(AGMP & ISO 9001:2015 CERTIFIED CO.)

For Contract Manufacturing

Our Speciality

- Own Manufacturing Unit
- New DCGI Molecules
- Stock Available Round the Clock
- Wide range of Reminder Cards, Leave Behinds & Other Promotional Material
- Different Change Parts & Attractive Packing
- Cardiac & Diabetic Special Rang
- Contract Manufacturing Delivery within 30 days

TABLETS
CAPSULES
INJECTABLES
CLAVULANIC
LIQUID SYRUP
DRY SYRUP
OINTMENT / LOTION
FOOD SUPPLEMENT

Director Mohit Singhal +91-7310650091

GMP Certified & ISO 9001:2015 Accredited Co.
Third Party / Marketed By / Franchisee / PCD

For Third Party Manufacturing Contact +91-9219492490

Angia Rx Life Sciences Pvt. Ltd.
(AN ISO 9001:2015 & GMP CERTIFIED CO.)
Ph. No. : 09756939696, 9568599436, 7310650092/93/94/95
Factory : D-1, Ram Nagar Industrial Estate
Roorkee-247 667 Distt-Haridwar (U.K.) For PCD Enquiries Contact:-7310650096
Email : angia.rx.pharma@gmail.com, info@angia.rx.in, Visit us at : www.angia.rx.in
© Registration Trade Mark

INVITES FRANCHISEE, PCD

3rd Party Manufacturing with new Combination IN ALL OVER INDIA

for any queries to contact us

SCF 247, IInd Floor, Motor Market, Manimajra Chandigarh (U.T.)-160101
E-mail:- astopiclifesciences@gmail.com
website : www.astopiclifesciences.com
M: +91 90234-50664, Ph: 0172-4676750
Regional Officer : 120 H/NO. 949, Nagrik Gruh Nirman Sahakari Sanstha Sonba Nagar, Khadgaon Road, City Khadgaon, Taluka Nagpur (Maharashtra)- 440023
Mobile +91-7774007053

Astopic LifeSciences

कोविड-19 फेफड़ों को प्रभावित कर सकता है

वैज्ञानिकों के अनुसार, कोविड-19 के मरीज फेफड़ों की क्षति से पीड़ित हो सकते हैं, तीन महीने बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। कुछ रोगियों के मामले में भी समय अंतराल अधिक लंबा हो सकता है। यूके में शेफील्ड और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं के अनुसार, सीटी स्कैन और अन्य नैदानिक परीक्षण क्षति का पता नहीं लगा सकते हैं, और रोगियों को लग सकता है कि उनके फेफड़ें उचित स्थिति में हैं। रेडियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित शोध स्पष्ट रूप से बताता है कि सकारात्मक रोगी जो होम आइसोलेशन में थे लेकिन लंबे समय तक सांस की तकलीफ का अनुभव करते थे, उन्हें समान क्षति का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन, शोधकर्ताओं ने अभी तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया है क्योंकि बहुत गहन अध्ययन की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि हाइप, रपोलराइज्ड क्सीनन एमआरआई (एक्सईएमआरआई) स्कैन ने अन्य नैदानिक परीक्षणों के सामान्य होने के बावजूद अस्पताल से उनकी रिहाई के तीन महीने या नौ महीने के बाद भी कोविड सकारात्मक रोगियों में फेफड़ों के कामकाज में कुछ समस्याओं का पता लगाया है। शेफील्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जिम वाइल्ड ने कहा, 'अध्ययन के निष्कर्ष बहुत दिलचस्प हैं।' 129Xe MRI फेफड़ों के उन हिस्सों की ओर इशारा करता है जहां फेफड़ों पर कोरोनावायरस के लंबे समय तक प्रभाव के कारण ऑक्सीजन लेने की क्रियाविधि बाधित होती है, भले ही वे

CT स्कैन पर बिल्कुल ठीक लगें। ऑक्सफोर्ड के अध्ययन के प्रमुख अन्वेषक प्रोफेसर फर्गस ग्लिसन ने कहा, 'कई कोविड -19 रोगियों को अस्पताल से छुट्टी मिलने के कई महीनों बाद भी सांस लेने में तकलीफ हो रही है, बावजूद इसके कि उनके सीटी स्कैन से संकेत मिलता है कि उनके लिंग सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।' ग्लिसन ने आगे कहा, 'हाइपरपोलराइज्ड क्सीनन एमआरआई का उपयोग करते हुए हमारे फॉलो-अप स्कैन में पाया गया है कि नियमित स्कैन पर सामान्य रूप से दिखाई नहीं देने वाली असामान्यताएं वास्तव में मौजूद हैं, और ये असामान्यताएं ऑक्सीजन को रक्तप्रवाह में जाने से रोक रही हैं जैसा कि फेफड़ों के सभी हिस्सों में होना चाहिए।' अध्ययन उन लोगों को प्रशासित कर रहा है जो कोविड क्लीनिक जा रहे थे लेकिन अस्पताल में भर्ती नहीं थे। ग्लिसन ने कहा, 'हालांकि हम वर्तमान में केवल शुरुआती निष्कर्षों के बारे में बात कर रहे हैं, गैर-अस्पताल में भर्ती मरीजों के एक्सईएमआरआई स्कैन जो सांसहीन हैं- और लॉन्ग कोविड वाले हमारे स्थानीय रोगियों में से 70 प्रतिशत का सांस फूलने का अनुभव करते हैं - उनके फेफड़ों में समान असामान्यताएं हो सकती हैं।' उन्होंने निष्कर्ष निकाला, 'हमें यह पहचानने के लिए एक बड़ी कहानी की आवश्यकता है कि यह कितना सामान्य है और इसे बेहतर होने में कितना समय लेगा।'

कोविड रोगियों से निपटने के लिए यूपी के प्रत्येक अस्पताल में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा

Lucknow: As a precautionary measure in the increase in the number of positive cases; Yogi Adityanath the chief minister, on Sunday ordered the state health department for the appointment of a nodal officer for each hospital roped in for Covid cases- In the last 24 hours, UP reported 4,164 new cases.

सीएम ने अधिकारियों को हर ग्राम पंचायत और नगरपालिका वार्ड में निगरानी समिति बनाने के भी निर्देश दिए हैं। ऐसी बात के लिए, युवा मंगल दल के सदस्यों, चौकीदारों, नागरिक सुरक्षा और गैर सरकारी संगठनों को ध्यान में रखा जाएगा। अधिकारियों को लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गाजियाबाद और जीबी नगर पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम को राय है कि एसजीपीजीआई, केजीएमयू और राम मनोहर लोहिया कोविड के इलाज के लिए बेड की संख्या बढ़ानी चाहिए। किसी भी लाप, रवाही के मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि सरकारी और निजी दोनों अस्पतालों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। यह सुनिश्चित करना अधिकारियों की एकमात्र जिम्मेदारी है कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार मिले और अस्पतालों में पर्याप्त व्यवस्था हो। उन्होंने आगे कहा, 'अधिकारी इन अस्पतालों में भर्ती लोगों को शिकायतों, यदि कोई हो, को भी संबोधित करेंगे।' 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर, प्रसाद ने घोषणा की कि राज्य सरकार हर जिले

में चार से आठ लोगों को उपहार देगी जो टीका के दोनों खुराक प्राप्त कर चुके हैं। चयन उन लोगों के टीकाकरण कार्ड के सीरियल नंबर की मदद से किया जाएगा जो टीकाकरण प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा, 'यह वैक्सीन की दूसरी खुराक पाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए किया जा रहा है।' प्रसाद ने आगे कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया जाए जिसमें नियंत्रण क्षेत्र शामिल है। एक ही मामले में, नियंत्रण क्षेत्र 25 मीटर के दायरे को कवर करेगा, जबकि एक से अधिक मामलों में, नियंत्रण क्षेत्र 50 मीटर के दायरे का होगा। यूपी में पिछले 19 घंटों में 24 से अधिक मामले दर्ज किए गए, पिछले एक दिन में, यूपी में कुल 19,738 मामले दर्ज हैं। इनमें से, 10,665 घर संगरोध में हैं जबकि बाकी अस्पताल में भर्ती हैं। राज्य में 6,01,640 मरीज बरामद होने की सूचना है। प्रसाद ने कहा कि सरकार ने 1,77,695 लोगों के नमूनों का परीक्षण किया है। उन्होंने कहा, 'यह विचार संक्रमित लोगों को जल्द से जल्द पहचानने और अलग करने के लिए है।' शनिवार को 1,6,110 परीक्षण किए गए हैं। अब तक, राज्य में 3,54,13,966 परीक्षण किए गए हैं। एसीएस ने कहा कि सक्रिय मामलों की संख्या में वृद्धि के कारण निगरानी की दर में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि 3,17,06,947 करोड़ से अधिक निवासियों को कवर करने के लिए 15 घरों की पहचान की गई है।

“अगर आप सोचते हैं कि ज्ञान पाना महंगा है, तो अज्ञानी बनकर देखो”
“क्या आपको ज्ञान है कि प्रेम का देह से कोई सम्बन्ध नहीं?”

SKIN CARE

e-derma
A fastest growing Pharma Company with a wide range of products..

More Than 190 Products

Franchisee For SKIN SPECIALIST Products

e-derma
PHARMA INDIA PVT. LTD.
An ISO 9001:2015 Certified Company

9034435000, 9034635000
edermapharma@hotmail.com
www.edermapharma.com

Pro-Gastina
Pachak Ras
Sugar Free
200 ml.

प्रो-गैस्टीना
पाचक रस

Required PCD Based Franchisee
VIBHA HEALTH CARE
MARHERA ETAN, U.P.
Mob: 9719378191, vibhahealthcare@gmail.com

एक-चौथाई से अधिक वयस्क मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं

कोचि:- एर्नाकुलम में, अपने लिंग के बावजूद, एक-चौथाई से अधिक नागरिक रक्त शर्करा और उच्च रक्तचाप (एचबीपी) या उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। इस तरह के एक समूह कोविड -19 के लिए बहुत कमजोर है। ये दो जटिलताएं कोविड रोगियों में सबसे आम सह-रुग्ताएं हैं जो कभी-कभी सबसे खराब नैदानिक परिणामों के पीछे का कारण बन सकती हैं। लगभग 26% लोग बहुत उच्च रक्त शर्करा के स्तर से पीड़ित हैं और इलाज कर रहे हैं जबकि 30% लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। ये निष्कर्ष वर्ष 2019-20 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के जिला स्वास्थ्य तथ्य-पत्र पर आधारित हैं। इसमें मुख्य रूप से 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का ध्यान रखा गया। केरल के डायबेटोलॉजिस्ट डॉ. जोधदेव केसवदेव ने कहा, 'दक्षिण एशियाई जातीयता में जन्मे, हम अनुवर्षिक रूप से पूर्वगामी हैं और कोरोनरी हृदय रोग और मधुमेह के विकास के उच्च जोखिम में दो या तीन बार। इससे लड़ने का एकमात्र तरीका जीवनशैली में बदलाव ला रहा है जो दिन में सात से आठ घंटे सोता है और व्यायाम करता है'। राज्य के अध्ययन इस तथ्य पर संकेत देते हैं कि हर पाँच में से एक व्यक्ति मधुमेह से पीड़ित है और तीन में से एक व्यक्ति रक्तचाप से पीड़ित है। नियंत्रण की खराब दर और रखरखाव के लिए उच्च व्यय ने केरल को देश में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) का मुख्य केंद्र बना दिया है। अस्वस्थ आहार और शारीरिक व्यायाम की कमी के बावजूद उनकी उम्र और आर्थिक कद ने इस तरह की बीमारियों के बढ़ने में योगदान दिया है। 52 से 30 आयु वर्ग में 70% मौतें इन गैर-संचारी रोगों के कारण हुई हैं। कोचि के एक चिकित्सक डॉ. शीतल बीनू ने कहा, 'उच्चतर शहरीकरण वाले राज्यों में उच्च रक्तचाप और मधुमेह का प्रसार अधिक पाया गया है। यह अस्वास्थ्यकर जीवन शैली से संबंधित हो सकता है- भोजन की आदतें, व्यायाम की कमी, धूम्रपान और शराब का सेवन'। शहरीकरण और आधुनिकीकरण के बड़े पैमाने पर फैलाव ने राज्य के जमीनी स्तर पर घुसपैठ की है, चाहे जो भी क्षेत्र और आर्थिक स्तर हो, एनसीडी के प्रसार का एकमात्र कारण रहा है। वर्तमान परिदृश्य में, एनसीडी रुग्णता, मृत्यु दर और आर्थिक बोझ के संबंध में पूरे बहुत से लोगों के लिए एक वास्तविक खतरा है। डॉक्टर ज्यादातर इस तथ्य पर चिंतित हैं कि जो लोग एनसीडी से पीड़ित हैं वे न तो नियमित जाँच के तहत हैं और न ही निर्धारित उपचार के तहत। अर्नाकुलम जनरल अस्पताल के एक चिकित्सक, डॉ. टीपी विजयन की राय है, 'लगभग 50% रोगियों को यह नहीं है कि जब तक उन्हें जटिलताएँ नहीं होती हैं तब तक उन्हें उच्च रक्तचाप या मधुमेह नहीं होता है और जिन लोगों को एनसीडी होने की पुष्टि होती है वे कई दवाएँ नहीं लेते हैं। उन्हें निर्धारित किया। यह बाद में जटिलताओं की ओर जाता है'।



A Name Synonym With...
Topmost Quality & Time Bound Deliveries

WHO-GMP & ISO 9001 CERTIFIED COMPANY

THIRD PARTY MANUFACTURING FACILITIES AVAILABLE WITH SPARE CAPACITY

TABLETS

CAPSULES

ORAL LIQUIDS

PREMIUM BRANDS

BETALACTAM & NON-BETALACTAM

DRY SYRUP

INVITES FRANCHISEE / DISTRIBUTORS / SALES PROMOTERS FOR UNREPRESENTED AREA

More than 100 Brands

Attractive Packing In Blister / Alu - Alu / Strip

Full promotional Support

FERROGOLD
Ferrous Bis-Glycinate, Zinc Bis-Glycinate, Folic Acid and B₁₂ Tab.

APSONIM-SP
Acetaminophen, Paracetamol & Simvastatin

PSYCOPIR
Piracetam

PEPZIT
Penicillin & Fungal Disease

RABIK DSR
Rabiprazol + Domperidone

Aspride-M1
Omeprazole & Metformin HCl

BICY-5
Bicuprolol Fumarate

APSTEL
Telmisartan

HEPTILIN
Ticlopidine & Cyclophosphamide HCl

APSOVIN
Phenylephrine HCl & Bromhexine HCl

CLAFY-O
Cefame & Ofloxacin

LV-FLEX
Levofloxacin

Visual-Aids Catch-Cover




Plot No. 21, Raipur, Bhagwanpur, Roorkee- 247661 (Uttarakhand)

Mob.: 06395947077, 09719311088, 09719411089

E-mail: apsbiootech@rediffmail.com, apsroorkee@yahoo.com

Website: www.apsbiotech.in

APS BIOTECH PVT LTD

PLEASE CONTACT :

गर्मी में डाइट प्लान

समर में सबसे बड़ी चुनौती है, खुद को हीट से बचाए रखना। लेकिन घबराए नहीं, थोड़ा सा खुद पर ध्यान रखकर और अपने डाइट प्लान में हल्का सा चेंज लाकर हम गर्मियों में भी कूल और फिट रहे सकते हैं। गर्मियों में सबसे ज्यादा जरूरी होती है खुद को कूल और हाइड्रेट रखना। हैल्थ एक्सपर्ट और डायटीशियन सुझा रहे हैं, कि इस वैदर में हमें क्या और कैसा खाना-पीना चाहिए **जमकर पीएं लिक्विड:-** **पानी :** रोजाना 10-15 गिलास पानी आपको स्वस्थ रखने के लिये जरूरी है। कोशिश करें कि ज्यादा ठंडा पानी न पीएं। **नींबू पानी :** चाहे तो चीनी डालें या नमक या फिर दोनों, हर तरफ से फायदेमंद हैं। **नारियल पानी:-** मां के दूध के बाद सबसे बेहतरीन पेय। प्रोटीन और पोटेसियम का अच्छा सोर्स है। एसिडिटी, अल्सर में कारगर। **छाछ:-** काला नमक और पिसा-भुना हुआ जीरा डली छाछ से प्रोटीन खूब मिलेगा। **आम पना:-** गर्मियों का खास ड्रिंक। विटामिन-सी का अच्छा सोर्स। **वेजिटेबल जूस:-** घीया, खीरा, आंवला, टमाटर आदि का जूस मिलाकर पी सकते हैं। **फ्रूट जूस:-** मौसमी, संतरा, माल्टा आदि मौसमी फलों के जूस लें। **बेल शरबत:-** शरीर को ठंडक के साथ एसिडिटी, कब्ज से भी छुटकारा दिलाता है। **चंदन/खस का शरबत:-** शरीर को ठंडा रखने में सहायक। **सूत का शरबत:-** मीठा शरबत हैल्दी होने के साथ - साथ टेस्टी भी होता है। **ऑयल फ्री भोजन:-** ब्रेकफास्ट- गर्मियों में परांटे आदि से परहेज करें। उसकी जगह पोहा, ढोकला, इडली, उपमा, ओट्स, कॉर्न फ्लेक्स, वेज सैंडविच भी एक अच्छा ऑप्शन है। **लंच और डिनर-** लंच में मौसमी सब्जियों के साथ मूंग की दाल और चपाती ली जा सकती है। साथ ही प्लेट भर कर सलाद और दही को अपनी थाली में जरूर शामिल करें। घीया, पत्ता गोभी, तोरी, सीताफल खूब खाएं। अगर पुदीने की चटनी साथ हो तो क्या बात। **स्नैक्स-** समोसा, कचोड़ी जैसी तली भुनी चीजों से जितना दूर रहोगे, उतना अच्छा। बाजार में चिबड़ा, पोहा समेत बहुत से ऑयल फ्री ऑप्शन उपलब्ध हैं, इन्हें प्रयोग में लाया जा सकता है। **इनको करें दूर से सलाम- घी और तेल :** चिलचिलाती गर्मियों में जितना कम तेल का इस्तेमाल करेंगे, उतना अच्छा है। देसी घी, वनस्पति घी, रिफाईंड ऑयल, सरसों का तेल, आलीव ऑयल गर्म होते हैं। हां, नारियल, सोयाबीन और कनोला आदि तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। **जंक फूड :** बर्गर, पिज्जा, तंदूरी चिकन जैसे जंक फूड्स को गर्मियों में बाय कहना ही अच्छा है। आइसक्रीम का सेवन भी सीमित मात्रा में ही करें। **शराब और बीयर-** कुछ लोगों का तर्क होता है कि ठंडी बीयर गर्मी को कम करने में मदद करती है, जबकि ऐसा नहीं है। बीयर से शरीर में डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ता है। इसलिए बीयर की बजाए हैल्दी ड्रिंक ही पीएं। **फ्रूट और चांटे-** यह स्वाद के लिहाज से तो अच्छी है, लेकिन सेहत के लिहाज से बिल्कुल नहीं। वजह साफ है कि सभी फलों को पचने में अलग-अलग समय लगता है। इसलिए इन्हें एक साथ खाना ठीक नहीं है। **चाय कॉफी-** चाय-कॉफी कम पीएं। इनसे बॉडी डी-हाइड्रेटेड होती है। ग्रीन-टी पीना बेहतर है। **डाइफ्रूट्स-** गर्मियों में 5-10 बादाम रोजाना खा सकते हैं। वह भी रात भर के भीगे हुए। **शहद-** शहद गर्म होता है, इसलिए संभलकर खाएं। **बासी खाना-** बासी खाने से बचें। इसमें बैक्टीरिया पनपने की आशंका काफी ज्यादा होती है।


धूप के संपर्क में आने से कोविड-19 के कारण मृत्यु दर में कमी आ सकती है

शोधकर्ताओं ने कहा कि कोविड -19 के कारण होने वाली मृत्यु के मामलों की दर को नियंत्रित करने के लिए सूर्य की किरणों, विशेष रूप से यूवीए के संपर्क में आने की मात्रा में वृद्धि एक सरल उपाय हो सकती है। उनका विचार है कि सूर्य के प्रकाश की अधिकतम मात्रा प्राप्त करने वाले स्थान इस घातक संक्रमण से कम मृत्यु दर से जुड़े हैं। सूरज की यूवी लाइट का 95% हिस्सा अल्ट्रावायलेट यूवीए किरणों से बना है और त्वचा में गहराई से घुसने की क्षमता रखता है। ब्रिटिश जर्नल में सामने आए एक अध्ययन के अनुसार, जिन क्षेत्रों में यूवीए किरणों अपने न्यूनतम स्तर तक पहुंचती हैं, उन लोगों की तुलना में इस वायरस के कारण होने वाली मौतों में यूवीए किरणों की अधिकतम मात्रा प्राप्त करने वाले लोगों की मृत्यु कम होती है। त्वचा विज्ञान। इस तरह का विश्लेषण इंग्लैंड और इटली में भी किया गया था और इसने वही परिणाम दिए हैं। स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा कि मौत के जोखिम और विटामिन डी के उच्च स्तर के बीच कोई संबंध नहीं है। शोधकर्ताओं ने कुछ प्रयोगशाला अध्ययनों में पाया कि सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने के कारण त्वचा द्वारा जारी नाइट्रिक ऑक्साइड एक कारण हो सकता है क्योंकि यह सीओआरडी -19 के प्रजनन के लिए जिम्मेदार वायरस एसएआरएस सीआ. 2 की क्षमता में कमी का कारण बन सकता है। पहले के अध्ययनों में, कम रक्तचाप और कम दिल के दौरों के साथ सूर्य के प्रकाश में वृद्धि और हृदय स्वास्थ्य में सुधार के बीच एक कड़ी थी। कोविड-19 से होने वाली मौतों के लिए हृदय रोग को एक प्रमुख कारक माना जाता है। टीम ने जनवरी से अप्रैल 2020 तक अमे. रिका में इस घातक वायरस के कारण दर्ज सभी मौतों की तुलना यूवी स्तर के साथ एक विशिष्ट समय अवधि के लिए 2,474 तक पहुंच गई। अध्ययन की अवलोकन प्रकृति ने कारण और प्रभाव को स्थापित करना असंभव बना दिया। इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि यह उन हस्तक्षेपों को जन्म दे सकता है जिन्हें संभावित उपचार के रूप में परीक्षण किया जा सकता है।

अब आप घर पर ही अपना कोविड-19 टेस्ट करा सकते हैं

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने घोषणा की कि वह किट जो घर पर कोविड-19 परीक्षण करने में सहायता करती है, अगले कुछ दिनों में सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध होनी चाहिए। आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ बलराम भार्गव ने दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक मोबाइल एप्लिकेशन को घर पर कोविड-19 परीक्षण के परिणाम को संसाधित और वितरित करना चाहिए। भार्गव ने टिप्पणी की, “**चरण 1-** यह है कि आप एक रसायनज्ञ से परीक्षण किट खरीदते हैं, **चरण 2-** मोबाइल ऐप डाउनलोड करें। **चरण 3-** घर पर परीक्षा आयोजित करें। **चरण 4-** मोबाइल इमेज पर क्लिक करें और अपलोड करें। परीक्षा परिणाम दिया जाएगा।” उन्होंने आगे कहा, “यह रोगी की गोपनीयता सुनिश्चित करता है, डेटा एक सुरक्षित सर्वर में संग्रहीत होता है और यह आईसीएमआर डेटाबेस से जुड़ा होता है। यह तीन से चार दिनों के भीतर बाजार में उपलब्ध हो जाना चाहिए। एक कंपनी को होम टेस्टिंग किट के लिए मंजूरी मिल गई है, तीन और पाइपलाइन में हैं। उन्होंने कहा, “फरवरी के मध्य से मार्च की शुरुआत तक, हम प्रति दिन लगभग 8 लाख परीक्षण कर रहे थे और इसे बढ़ाकर 20 लाख कर दिया है। फिर भी हमारा सकारात्मकता प्रतिशत 13 प्रतिशत से गिरकर 28 प्रतिशत हो गया है। हमें इसे घटकर 5 फीसदी करना होगा।” “अधिक रैपिड एंटीजन टेस्ट किए जाने चाहिए क्योंकि आप तेजी से परिणाम प्राप्त कर सकते हैं और फिर रोगी को जल्दी से अलग कर सकते हैं।” भार्गव ने कहा कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा निर्मित 2-डीजी दवा कोई नई दवा नहीं है और इसका पुनः उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा, “डीआरडीओ को 2-डीजी दवा एक नई दवा नहीं बल्कि एक नई दवा है। पहले इसका इस्तेमाल कैंसर के इलाज के लिए किया जाता था। इसके ट्रायल के नतीजे डीसीजीआई को दे दिए गए हैं। देश में कोविड परिदृश्य के संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि आठ राज्यों में 1 लाख से अधिक सकारात्मक मामले हैं, नौ राज्यों में 50,000-1 लाख सकारात्मक मामले हैं और 19 राज्यों में 50,000 से कम सकारात्मक मामले हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के गुरुवार के आंकड़ों के अनुसार, भारत में पिछले 2,76,070 घंटों में 3,874 नए सक्रिय मामले सामने आए हैं और 24 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटों में, 3,69,077 मरीजों को छुट्टी दी गई, यह संख्या दैनिक मामलों की तुलना में बहुत अधिक है। कुल मामलों की संख्या 2,57,72,400 है, जिनमें से 2,23,55,440 रिकवरी, 31,29,878 सकारात्मक मामले और 2,87,122 मृत्यु दर हैं।

Now the good health FOR EVERYONE



Invites Pharma People/Distributors from all over India on Monopoly Basis

The Fastest Growing pharma company with exclusive range of

Softgel Capsules, Tablets, Capsules, Injections, Syrups/Dry Syrups, Oil

Latest DCGI approved molecules manufactured under schedule M with WHO GMP norms

CALIROX
Bare-Shell (Oral Suspension)

ISMA-10
Isosorbide Dinitrate 10 mg

MILIDERM-5
Clotrimazole, Neomycin Sulfate, Toluene Sulfonamide, Hydrocortisone & Betamethasone Cream

LSQ
Lactulose 333 mg (Oral Solution)

MEDUX CV
Cefuroxime 250 mg & Clavulanic Acid 125 mg Tab.

MILIFIX AZ
Cefixime 200 mg & Azithromycin with Lactulose Oral Suspension

MICLAV-625
Amoxicillin 500 mg & Clavulanic Acid 125 mg Tablets

MILICET-PLUS
Nifedipine, Cefuroxime, Clotrimazole, Phenylephrine HCl & Clonidine Tablets

RYAM CT
Cefixime 200 mg with Paracetamol 400 mg

SYLSITA
Sildenafil with Valsartan 80 mg

Milimax® Health Care Pvt. Ltd.

AN ISO 9001:2008 Certified Company

Head Office : 203, 1st Floor, Pharma Plaza, Film Colony, Nehru Bazar, Jaipur (R.J.)

S.P.O. : #4113, Sobha Dattoli Apartment, Sector-2 HSR Layout, Bangalore 560102 KA, India

Phone : +91 98289 54400, 98291 59005, 77910 10975, 0141-4010980

Email : milimaxhealth@gmail.com, info@milimaxhealthcare.com

Visit us at: www.milimaxhealthcare.com

महंगी दवाओं में हो रहा खेल

बाजार में महंगी दवाओं में खेल हो रहा है, महंगे सॉल्ट वाली दवाओं की बाजार में काफी डुप्लीकेसी चल रही है महंगी और ज्यादा बिकने वाली दवाओं में मोनोपोली दवाईयाँ बनाने का खेल चल रहा है, बाजार में विशेषज्ञ की माने तो एंटीबायोटिक बीपी और दिल के मर्ज और कैंसर की दवाओं की बाजार में डुप्लीकेसी चल रही है आगरा महानगर कैमिस्ट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट आशीष शर्मा बताते हैं कि बाजार में कई महंगी दवाओं के सॉल्ट वाली दवाओं की बाजार में छोटी कंपनी आ गई हैं वे मार्केट में बड़ी कंपनियों की अपेक्षा कम दाम में दवाई उपलब्ध कराते हैं यह कंपनियां संदिग्ध हो सकती हैं राजौरा ब्रदर्स की कंपनी भी ऐसी ही थी, उन्होंने बताया कि बड़ी कंपनियों के सॉल्ट पेटेंट होते हैं इस कारण उनकी दवाई महंगी होती हैं, लेकिन इसी साल्ट की छोटी कंपनी सस्ते में दवाई उपलब्ध कराती हैं

- आशीष शर्मा, मो- 9837279162.

रिश्ता

कभी-कभी मानवीय रिश्ते समझ में नहीं आते। मानव हक्का-बक्का रह जाता है जब वह इन रिश्तों को पहचान पाता है। कुछ रिश्ते तो संभव हैं, पर असंभव लगते हैं। इन रिश्तों को प्रारम्भ में समझना असंभव हो जाता है। उस दिन ऑफिस में कुछ ऐसा ही हुआ जब सब हक्के-बक्के रह गये। कुछ देर तक तो सन्नाटा ही छा गया। ऑफिस में बड़ी हलचल थी। नव नियुक्त अफसर पधारने वाले थे। उनको अपना पद ग्रहण करना था। दफ्तर का हर कर्मचारी प्रयास में लगा था कि उनका इस अफसर के ऊपर अच्छा प्रभाव पड़े। दफ्तर नई दुल्हन की तरह सजा दिया गया। सब चुपचाप बॉस के आने का इन्तजार कर रहे थे। नव नियुक्त अफसर ने सही समय पर प्रवेश किया। नमस्ते का दौर चल पड़ा। सबको जवाब देते-देते वे अपने ऑफिस की तरफ बढ़े। दरवाजे पर चपरासी खड़ा हो गया। सब को आश्चर्य तब हुआ जब अफसर ने चपरासी को पांव छुये। पूरा दफ्तर में एक सन्नाटा छा गया। साहब के लिपिक ने उनसे कहा- “यह आपका चपरासी है。” साहब ने कहा-“भले ही यह मेरे चपरासी हों पर इनका आशीर्वाद लिये बिना मैं काम प्रारम्भ नहीं कर सकता। वास्तविक जीवन में ये मेरे पिता हैं。”

- नरेन्द्र नाथ लाहा, ग्वालियर (म.प्र.), मो- 9753694240.

A Fastest Growing Pharma Company with a wide range of Products.....

Many More Products

Finest Quality

With all Promotional Inputs!

Latest Attractive Packing!

DERMAFARM
(A Derma Care Division)

GOLDEN BUSINESS OPPORTUNITY
(Super Stockist, Stockist, Distributors, Experienced Professional)

3rd Party Manufacturing in WHO Plant

A very wide range of latest molecules:

- 🌸 Itraconazole 100mg / 200mg Capsules
- 🌸 Luliconazole 1% Cream
- 🌸 Sertaconazole 2% Cream
- 🌸 Hydroquinone, Tretinoin, Mometasone Cream
- 🌸 Hydroxyzine 10mg / 25 mg Tablets
- 🌸 Fusidic Acid 2% Cream
- 🌸 Minoxidil 2% / 5% / 10% Lotion
- 🌸 Permethrin 5% Lotion / Cream
- 🌸 Clotrimazole Dusting Powder
- 🌸 Ketoconazole Shampoo



Our Successfully Running Divisions:

Farma Hub | **Capriana** | **ZankinsOrganics**

For queries please contact :
Ph: +91-8171011413, 9837187230
Email.: info@farmahub.in | farmahub@gmail.com

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस (5 जून) को वृक्षारोपण करते हुये.



आपकी बीमारियाँ भी बन सकती हैं, सिरदर्द का कारण, जानें लक्षण और समाधान

आज की बिजी लाइफ में सिरदर्द की समस्या बेहद आम हो गई हैं। ऐसे लोग बेहद कम ही होंगे, जो सिरदर्द की समस्या को गंभीरता से लेते हों। अमूमन लोग खुद से दवाई का सेवन कर लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बार-बार एक ही जगह होने वाला सिरदर्द एक संकेत है कि आपको अन्य भी कुछ गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं। तो चलिए जानते हैं **सिरदर्द देता है संकेत:-** सरोज सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के एचआर व सीनियर कंसल्टेंट डॉ. जयदीप बंसल कहते हैं कि बार-बार होने वाला सिरदर्द कई तरह के संकेत देता है। अगर इस पर समय रहते गंभीरता से ध्यान दिया जाए तो मनुष्य अन्य कई गंभीर बीमारियों से आसानी से बच सकता है। विशेष तौर पर, सिर के एक हिस्से पर या विशेष भाग में सिरदर्द होने का कारण अन्य बीमारी भी हो सकती है और अगर उस बीमारी को पचचानकर उसका इलाज कर दिया जाए तो सिरदर्द की समस्या खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है। **आँखों की समस्या:-** अगर किसी व्यक्ति को सीरियस हेडेक सेंटल हेडेड या आँखों के ठीक उपर दर्द होता है या फिर किसी व्यक्ति को विजन में भी प्रॉब्लम होती है तो हो सकता है कि उस व्यक्ति को नेत्र संबंधी बीमारी जैसे ग्लूकोमा आदि हो। इसके अतिरिक्त जिन लोगों को चश्मा लगा होता है, उसका नंबर चेंज होने पर या आर्थराइटिस की समस्या होने पर भी व्यक्ति को सिरदर्द की शिकायत होती है। **हो सकता है साइनेसिस:-** अगर किसी को सिरदर्द के साथ-साथ माथे, आँख या गालों में दर्द का अनुभव हो तो यह साइनेसिस के कारण हो सकता है। इस तरह की समस्या होने पर सिरदर्द की शिकायत होना आम है। इसके अतिरिक्त कुछ इन्फेक्शन भी कभी-कभी सिरदर्द की वजह बन जाते हैं। **महिलाएँ रखें ध्यान:-** अक्सर महिलाओं को तेज सिरदर्द या अक्सर लेकिन नियमित क्रम में सिरदर्द की समस्या होती है, जिसे वह नजरअंदाज करती हैं। डॉ. बंसल कहते हैं कि महिलाओं में सिरदर्द कई कारणों से हो सकता है। मसलन, अगर कोई महिला कान्ट्रासेप्टिव पिल्स या हार्मोनल पिल्स का सेवन कर रही है या फिर किसी महिला की डिलीवरी या अगशायन हुआ हो और उसे सिरदर्द की शिकायत हो तो उसे कोरॉटिकल वीनस थ्रोम्बोसिस हो सकता है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें सेरेब्रल नस में ब्लड क्लॉट्स बनने शुरू हो जाते हैं। यह नस मुख्य रूप से दिमाग से रक्त को वापिस लाने का कार्य करती है। इस तरह के सिरदर्द को बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर इसे जल्दी डाइग्नोसिस नहीं किया जाता तो सिरदर्द के साथ-साथ दौरे आना, व्यक्ति का कोमा में

जाना या फिर व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। वहीं पुरुषों की बात हो तो उन्हें भी कोरटिकल वीनस थ्रोम्बोसिस या सेरेब्रल वीनस थ्रोम्बोसिस हो सकता है, हालांकि उन्हें अपेक्षाकृत यह समस्या कम होती है। पुरुषों में सीवीटी अर्थात कोरटिकल वीनस थ्रोम्बोसिस का मुख्य कारण निर्जलीकरण व विभिन्न प्रकार के प्रोटीन की कमी होता है।

कहीं लिंबाईल हाइपरटेंशन तो नहीं:- कुछ लोगों को भले ही ब्लड प्रेशर की शिकायत न हो लेकिन अगर फिर भी कभी-कभी अगर ब्लड प्रेशर एकदम से बहुत ज्यादा हो जाए तो व्यक्ति को तेज सिरदर्द का अनुभव होता है। इसे आमतौर पर, लिंबाईल हाइपरटेंशन के नाम से जाना जाता है। इसलिए अगर व्यक्ति को बार-बार सिरदर्द हो तो बीच-बीच में व बारंबार ब्लड प्रेशर मॉनिटर करते रहना चाहिए और अगर ब्लड प्रेशर उच्च हो तो डॉक्टर की सलाह पर दवाई का सेवन किया जा सकता है। लिंबाईल हाइपरटेंशन की पहचान करना आसान नहीं होता क्योंकि इसमें एक बार ब्लड प्रेशर के बहुत अधिक बढ़ जाने के बाद वापिस लौट आता है। ऐसे में ब्लड प्रेशर की मॉनिटरिंग ही इसकी पहचान का एकमात्र तरीका है। आमतौर पर लिंबाईल हाइपरटेंशन का मुख्य कारण तनाव व चिंता होता है और दवाईयों के अतिरिक्त, धूम्रपान छोड़कर, कैफीन, नमक व अल्कोहल का सेवन सीमित करके इससे बचा जा सकता है।

अगर हो मधुमेह:- अगर किसी व्यक्ति को पहले से ही मधुमेह है और उसने लगातार सिरदर्द की समस्या व आई प्रॉब्लम हो रही है तो यह संकेत है कि उसके रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ गया है। इसलिए ऐसे व्यक्ति को हेडके होने पर ब्लड शुगर की जाँच अवश्य करवानी चाहिए।

ब्रेन ट्यूमर का संकेत:- आपको शायद पता न हो लेकिन बार-बार ओ

तेजी से होने वाला सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर का प्रमुख लक्षण है। सुबह-सुबह होने वाला सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर का संकेत देता है। दरअसल, इंटराक्रैनियल प्रेशर; आईआईसीपीद्ध के लगातार बढ़ने से मस्तिष्क पर दबाव की मात्रा काफी बढ़ जाती है और इससे अत्यधिक तरल पैदा होता है। मस्तिष्क में सूजन आती है या एक गाँठ बन जाती है। जो ब्रेन ट्यूमर का कारण हो सकता है। ब्रेन ट्यूमर होने पर सिरदर्द के साथ चक्कर आना व आँखों के सामने धुंधला भी दिखाई देता है।

गिरने को न करें नजरअंदाज:- डॉ॰ बंसल के



**Third Party Manufacturing
Monopoly Business Right**

For **PCD**
Franchisee

TABLETS
 CAPSULES
 INJECTABLES
 CREAM
 SYRUP
 LOTION

7409985320, 8532032000

Soenen Healthcare

C.O:- 107-108 Ganjwala Plaza, 1st floor, Bharetpur Gate Mathura
 A.O:- Kinjal Apartment, 4th floor, 41 Sivalji Nagar, Mumbai (W)
 info.soenen777@gmail.com | www.soenenhealthcare.com

अनुसार, अगर कोई वृद्ध व्यक्ति कहीं गिर जाता है या चोंटिल हो जाता है और उसे सिरदर्द होता है तो उसे गंभीरता से लिया जाना बेहद आवश्यक है। दरअसल, इस स्थिति में उसे सबड्यूरल हिमेटोमा नाम ब्रेन इंजरी होने की संभावना बढ़ जाती है। कभी-कभी ऐसा होता है कि व्यक्ति चोट लगने के बाद सीटी स्कैन कराता है और उसमें सब कुछ सामान्य आता है लेकिन कुछ दिन बाद सिरदर्द शुरू हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि चोट लगने के पश्चात मस्तिष्क में से ब्लड का रिसाव शुरू हो जाता है, जो धीरे-धीरे इकट्ठा होता है। सबड्यूरल हिमेटोमा में, रक्त मस्तिष्क के चारों ओर उतकों के परतों के बीच एकत्र होता है। यह स्थान खोपड़ी के नीचे और मस्तिष्क के बाहर होता है। जैसे ही रक्त जमा होता है, मस्तिष्क पर दबाव बढ़ने लगता है। जिससे व्यक्ति को सिरदर्द का अहसास होता है। इसलिए अगर चोट लगने के बाद सिरदर्द लगातार बना रहे तो एकबार सीटी स्कैन अवश्य करवा लेना चाहिए। इसे नजरअंदाज करने पर व्यक्ति को पैरालिसिस, दौरे पड़ने, बेहोशी या मृत्यु भी हो सकती है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं, विनियमों और समन्वय पर पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के विशेष सहायक सुल्तान ने कहा, 'एनआईएच पाक टीम और उसके नेतृत्व को कैन्सिनो की

Work More, Always Smile



हमारा इरादा, स्वस्थ हो भारत सागर – संसु

संसु हेल्थ केयर की विशाल आयुर्वेदिक श्रृंखला

- आयुर्वेदिक रस
- आयुर्वेदिक तेल
- चूर्ण
- मुरब्बा



SANSU HEALTH CARE

Plot No. 70, Nangla, Firoj Mohanpur, Near- Raj Nagar, Extension Ghaziabad (U.P.)-201003

Email : sansuhealthcare@gmail.com

Website : www.sansuhealthcare.com

Customer Care

7827172824

9015345660

9312908396

Available on :

amazon.com

flipkart.com

वितरक रचित क्षेत्रों में वितरक की आवश्यकता है

पेट की समस्याओं से परेशान ?

गैस / एसिडिटी / जलन / बदहजमी

जैसी पेट की समस्याओं से दिलाए राहत




मुलतानी पचमीना
तॉनिक

Regd. Off.: T-10, Okhla Ind. Area, Phase-II, New Delhi-110020
Enq.: 011-41513323 | Web.: www.multani.org

चीन निर्मित कोरोनावायरस वैक्सीन लॉन्च करेगा पाकिस्तान



पाकिस्तान का सरकारी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) अब चीन स्थित सिंगल डोज कोरा. नावायरस वैक्सीन, कैनसिनो के पहले बैच का उत्पादन करने में सफल रहा है। आर्य न्यूज के मुताबिक, इस स्थानीय चीनी वैक्सीन को पाकवैक कहा जाता है और प्रशासन को इस महीने तक वैक्सीन की पहली खुराक मिल जाएगी। एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी, फैसल सुल्तान ने कहा कि उत्पाद का जोरदार आंतरिक परीक्षण हुआ है और यह पाकिस्तान में एक वैक्सीन आपूर्ति लाइन के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारी ने इस तरह के प्रयास के लिए पाकिस्तान के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं, विनियमों और समन्वय पर पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के विशेष सहायक सुल्तान ने कहा, 'एनआईएच पाक टीम और उसके नेतृत्व को कैंसिनो की

**uring
Right'**

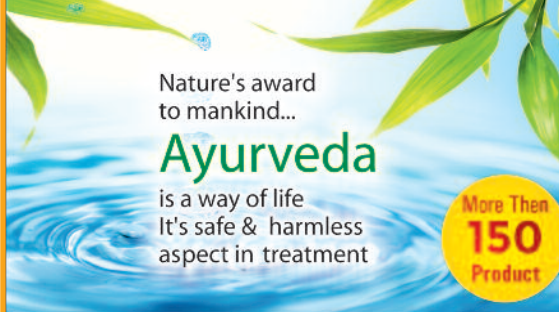
isee

2032000

hcare

ptur Gate Mathura
agar, Mumbai (W)
ealthcare.com

मदद से कैन्सिनो वैक्सीन के सफल फिल/फिनिश (ध्यान से) के लिए बढ़ाई। बायो इंक, चीन उत्पाद ने कठोर आंतरिक क्यूए परीक्षण पारित किया है। हमारे टीके की आपूर्ति में मदद करने के लिए एक छोटा सा कदम।” १२४,००० कैन्सिनो जैब्स जो जल्द ही उपलब्ध होने की उम्मीद है। थोड़े समय के भीतर, पाकिस्तान की नियामक और स्वास्थ्य प्राधिकरण संस्था वैक्सीन की जांच करेगी और उसे हरी झंडी दे देगी। उसके बाद एनएचआई हर महीने 6 लाख जैब्स फिकसित करने की अनुमति दे सकता है। जैसा कि पाकिस्तान में कोविड -19 टीकों की कमी है, प्रसिद्ध आलोचकों का मत है कि देश केवल समाज के समृद्ध वर्ग के लिए टीकों का उत्पादन कर रहा है। स्तुनिक वी की एक पूरी खुराक की कीमत 80 अमेरिकी डॉलर है, जबकि पाकिस्तान में एक आम व्यक्ति की मासिक आय लगभग 110 अमेरिकी डॉलर है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि आपूर्ति की अपर्याप्तता ने टीकों की बिक्री के लिए खतरा पैदा कर दिया है, इस प्रकार उन्हें पाकिस्तान में लोगों के विशेष समूह के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। वाशिंगटन में एक सलाहकार समूह, पब्लिक सिटिजन में मेडिसिन एक्सेस के विशेषज्ञ जैन रिजवी ने कहा, “पाकिस्तान का उदाहरण वैश्विक प्रतिक्रिया के साथ क्या गलत हुआ है, इसका एक सूक्ष्म जगत है- जहां केवल धन ही मुख्य रूप से आकार लेता है जिसे पहुंच प्राप्त होती है। महामारी को समाप्त करने के लिए वैश्विक समुदाय को इससे कहीं अधिक करने की आवश्यकता होगी। ” अब तक, चीन और कोवैक्स पहले ने पाकिस्तान को 13 मिलियन टीके उपलब्ध कराए हैं। सरकारात्मक मामलों की कुल संख्या 900,000 से अधिक पहुंच गई.




Nature's award
to mankind...

Ayurveda

is a way of life
It's safe & harmless
aspect in treatment

More Than
150
Product



humble contribution towards alleviating human
miseries & service to mankind by presenting pure ayurvedic
range from GMP certified manufacturing unit for
complete herbal range for

HAIR GROWTH	BLOOD PURIFIER	LIVER DISEASES
DENTAL RANGE	OSTEO ARTHRITIS	COUGH SYRUP
UTERINE TONIC	MEMORY BOOSTER	ADJUSTER
STONE	OBESITY	CLASSICAL PAINKILLER
DIGESTIVE ENZYME	ANTIACID	HERBAL COSMETICS - GEL

DOSAGE FORM : TABLETS, CAPSULES, POWDER, SYRUPS, OILS

We provide

■ Product Card
■ Visual Aid
■ Physician's Sample
■ Gift Articals
■ Monopoly right Area wise

Trade enquiries welcome for monopoly basis
franchise / PCD base distribution contact



Ground Floor, 286 Industrial Area
Phase - 1 Panchkula (Haryana) Pincode - 134109
Tel. : 0172-5025095, 5025097, 9216295095
Email : infonuticacare@gmail.com
Website : www.nuticaherbocare.com

© Nutica Herbocare 1995-2012

Experience you can Trust

OUR PLANTS

MASKON LIFE SCIENCES PVT. LTD.

MASKON HEALTHCARE Also Available **Nutraceutical Products**

We Offer for PCD, Franchise & Third Party M.E.G.

Goods Dispatch with in 20-30 days for Third Party Manufacturing

WIDE RANGE WITH

Tablets	Lotion & Roll-ON
Capsules	Protein Powder & Sachet
Ointment & Nasal	Dusting Powder
Feed & Food	Creams
Oral Liquid & Drops	Veterinary
Ointment	Herbal Products

WHY CHOOSE US

- Timely delivery of goods
- Attractive packing
- Best quality guaranteed
- Competitive rates
- One stop solution for all your Third Party Manufacturing need
- More than 1000 approvals
- Specialist veterinary product
- Fully automatic plant

All Marketing Supports Like

- Visual aid folder
- Leave behind cards
- Reminder cards
- Catch cover
- Visiting card
- M.R. Bags
- Order books
- Gifts etc.

MASKON
(An ISO 9001:2015 Certified Co.)

PHASRA NO : 69 & 70, KHATAKHERI, BHAGWANPUR, ROORKEE-247667, DISTT : HARIDWAR, UTTARAKHAND INDIA

maskon143@gmail.com

+91-706 902 4243, +91-954 859 8628, +91-863 081 8798

ब्लड शुगर कम होने के इन 6 संकेतों को न करें नजरअंदाज होते हैं कई खतरे

ब्लड शुगर कम होने का खतरा सिर्फ डायबिटीज के मरीजों को नहीं बल्कि स्वस्थ व्यक्ति को भी होता है। शुगर या ग्लूकोज हमारे शरीर में एनर्जी का मुख्य स्रोत है। ये शुगर ब्लड के सहारे हमारे शरीर के अंगों तक पहुँचता है यानी ब्लड शुगर हमारे शरीर की बुनियादी जरूरत है। शरीर में ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ जाना भी खतरनाक है और इसका कम होना भी खतरनाक है। ब्लड शुगर के कम होने की स्थिति को हाइपोग्लाइसेमिया कहते हैं। लो ब्लड शुगर के संकेत: तेज भूख लगना:- अगर खाना खाने के बाद भी आपको ऐसा लगता है कि आपका पेट खाली है या आपको अचानक तेज भूख लग जाए, तो ये इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को और ज्यादा ग्लूकोज की जरूरत है।

शरीर में झटके लगना:- अगर शरीर में ग्लूकोज का लेवल बहुत कम हो जाए, तो शरीर के सेंट्रल नर्वस सिस्टम में परेशानी आने लगती है। शरीर में ग्लूकोज की कमी को पूरा करने के लिए आपका शरीर कैटेकोलामाइनस रिलीज करने लगता है, जिसके कारण कई बार आपको अचानक शरीर में झटका या झनझनाहट महसूस हो सकती है।

अचानक मूड बदल जाना:- अचानक मूड बदल जाना यानी मूड स्विंग भी शरीर में लो शुगर लेवल का संकेत हो सकता है।

पसीना आना:- हमारे शरीर में पसीने को ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम कंट्रोल करता है। ये सेंट्रल नर्वस सिस्टम का ही हिस्सा होता है। अगर आपको बिना किसी कारण पसीना आने लगे, तो ये इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर में ग्लूकोज की कमी हो गई है।

10 Natural Remedies to Prevent Hair Fall!

How to Reduce Hair Fall Through Natural Ways?

Isn't it shattering to face the fear of baldness at an early age? Don't you feel it is irritating to lose your hair every day constantly? But the solution to this trivial problem is available to you itself. Finding the hair thinning and hair fall issues early and solving them on time is imperative to prevent serious harm.

Common reasons for Hair Fall: Pollution, Genetics, Stress, Hormonal Imbalances, Nutritional Deficiency, Pregnancy, Menopause, Thyroid, Diseases like Cancer. So, let's find out the ways to solve these problems with the natural ways to get healthy hair. **10 Natural Ways to Avoid Hair Fall!** Although many chemical treatments are available in the market, no one is sure about their harmful side effects that you might have to face for long times. Bring a full stop to the tedious hair fall issues by trying the natural remedies suggested below. **1- Egg Mask** can do wonders for hair fall- Preventing early loss of hair could ensure that you are in good health and there is no further ruining of your hair. Apart from the unpleasant egg odour, there is no reason not to incorporate this in your hair care regime. It is full of zinc, phosphorous, protein, eggs and sulphur, which effectively fight hair loss issues. Using an

problem, coconut spa is undoubtedly the first thing she would suggest to you. It is a fantastic home remedy for healthy hair and serves as an unbeatable solution due to no side effects. Besides, it also contains some oil-based fatty acids that could strengthen the hair roots from deep inside. You can warm 2-3 teaspoon of coconut oil and then apply evenly on your scalp. Massage it gently and allow it to rest overnight. Rinse thoroughly with a mild shampoo. Repeat it twice a week for best results. **3- Apply Amla Juice Hair Pack-** Also known as Gooseberry, the benefits of this natural ingredient are phenomenal. Even the best shampoo and hair oil companies incorporate it into their products for satisfactory customer results. This juice hair pack can effectively ensure the prevention of premature greying. Full of Vitamin C and Amla, this is a great option to amp up healthy hair growth. Add 1 spoon of Gooseberry powder and few drops of lemon juice to prepare a thick paste. Now gently massage it on your scalp for 40 minutes. Rinse with a mild cleanser. Repeat this twice a week for best outcomes. **4- Fenu Greek Hair Mask for Hair Growth-** While planning your healthy hair regime, this is also an essential element to not miss out on. Fenu Greek is a very effective home remedy that aids in repairing the dam-

to come up with the best results. **5- Green Tea H a i r Cleanser-** Do you drink Green Tea every morning to calm the nerves after a work-out session? Apart from reducing body fat, Green Tea is also an excellent remedy to control and manage hair fall issues. It is also beneficial in the growth of natural hair and also completely free from side effects. For this, you need to keep 3 tea bags in hot water and cover it. After 5 minutes, use that mixture to massage your scalp gently and rinse off later. **6- Aloe Vera Hair Mask-** If you are tired of hair fall and want to stop it before you go bald, give it some Aloe Vera magic. It is another natural remedy that is packed with properties to treat hair loss and dandruff problems. With regular use, you can manage the hair fall, and it also soothes the scalp from inside. Aloe Vera mask is also a medicated ingredient that heals your hair follicles by increasing the oil secretion. Ready to use Aloe Vera gel is also available in the stores! **7- Onion Juice for hair growth-** Healthy hair is something everyone wants to enhance their personality and overall appearance. Onion juice is an incredible remedy to boost your hair growth, but you must be

SKIN CARE

e-derma

A fastest growing Pharma Company with a wide range of products.

Latest Attractive Packing With All Promotional Inputs Finest Quality

More Than 190 Products

Franchisee For SKIN SPECIALIST Products

e-derma

PHARMA INDIA PVT. LTD.
An ISO 9001:2015 Certified Company

9034435000, 9034635000
edermapharma@hotmail.com
www.edermapharma.com

locks! **8- Nourishing Diet-** Along with all the natural therapies and treatments, you also need to include a rich diet in your meals. Hence, focus on selecting the right foods in your diet as it can also have a significant impact on hair fall control. Adding green leafy vegetables, lentils, dry fruits, yoghurt, and Vitamin C rich fruits can do wonders for your hair health. **9- Regular Hair Care Regime-** Hair requires regular care and proper maintenance. You need to trim them regularly and avoid split ends to stop the hair fall. Avoiding hair wash with cold water as it leads to breakages. Use lukewarm water to pamper your hair and massage with oil before every wash. **10- Meditation and Yoga-** A healthy mind is always a key to healthy hair, skin and body. It is vital to keep away from all the stressful thoughts and anxiety as it triggers hair loss badly. Keep calm and invite positive vibes around you with an hour of daily meditation. **Wrapping Up** Nature has blessed us with many things that could control hair loss and thinning immediately. Even before you identify the bald patches in your hair, get ready for the onset of this devastating problem by trying some natural things for the healthy hair mentioned above! If you have any other natural way to prevent hair loss that is not part of this post, share your valuable thoughts in the comments below. Shine in style!

Get Your Visual-Aids Printed Thru OEMR Technology

World class image outputs
Perfect colour gloss impressions
No problems of colour shifts or colour changes
Out put quality 100 times better than offset printing
Economy at part with Offset printing
No restrictions of minimum no. of copies

1 Visual Aid if you want.

Medical Writers & Illustrators
Consultants - Health Care Products, Medical Communications, Medico-marketing Support Services

WZ-91 B, Tatarpur, Tagore Garden, New Delhi-110027.
25-Shubh Niletan, A-4 paschim Vihar, New delhi-110063
Ph. 011-25458331, 25264374. Mob. 09871 6969 65, 09971 6969 65
e-mails : medicalwriters01@gmail.com, medicalwriters.illustrators@gmail.com

egg mask once a week could prevent split ends and promote even hair growth. Try it once, and be ready to flaunt those interesting luscious locks! **2- Coconut Spa-** If you go to your Grandmother with a hair fall

age to hair follicles and boosts hair growth. Fenu Greek consists of high proteins that prevent dandruff and helps in adding volume to the hair. You can prepare a mask with Fenu Greek powder and lemon juice

ready to bear its strong smell though. It helps in increasing the blood supply for the hair follicles and nourishes the scalp from within. Using the onion juice regularly can result in long, lustrous and thick hair

महत्वपूर्ण तथ्य जो आपको Pfizer COVID वैक्सीन के बारे में पता होना चाहिए

फिजर खूबखार के लिए फाइजर वैक्सीन की घोषणा के तुरंत बाद एक बड़ी चर्चा हुई COVID -19 रोग! अधिकांश नई रिपोर्टों में इस वैक्सीन के बारे में आवश्यक आंकड़े और तथ्य सामने आए क्योंकि लोगों को इस महामारी के अंत की प्रतीक्षा है। हालांकि, टीकाकरण के संबंध में पूर्ण डेटा अभी भी बाहर नहीं है, विशेषज्ञों द्वारा कई अनुमान लगाए गए हैं। इसी तरह, यहां तक कि वैज्ञानिक, चिकित्सक, और चिकित्सा क्षेत्र के स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर दुनिया भर में इसके वितरण की संभावनाओं का अनुमान लगा रहे हैं। **फाइजर COVID वैक्सीन में चुपके चुपके!** चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों के अनुसार, Pfizer में mRNA के रूप में जाना जाने वाला एक आनुवंशिक पदार्थ शामिल होता है जिसमें छोटे कण होते हैं जो मानव कोशिकाओं में विसर्जित होते हैं और एंटीबॉडी बनाता है जो इस खतरनाक वायरस के खिलाफ पूर्ण सुरक्षा का आश्वासन देता है। यह महत्वपूर्ण घटक इस वायरस के नतीजों से जुड़ा रहे लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित हो सकता है। उम्मीद है, विभिन्न देशों में इस फाइजर वैक्सीन के प्रभावी और समय पर वितरण के साथ COVID-19 भय समाप्त हो सकता है। जबकि पूरी दुनिया लॉकडाउन और संक्रामक COVID के प्रसार का सामना कर रही है, यह खबर उन्हें इस परिदृश्य में नई उम्मीद

और रहत की बड़ी सौगात दे सकती है। किसी भी टीकाकरण की सफलता और प्रभावकारिता चिकित्सा अनुसंधान पत्रों की गहन समीक्षा और इसके अध्ययन और डिजाइन पर पूरी जांच के बाद ही स्पष्ट होती है। फाइजर वैक्सीन के सभी पहलुओं से गुजरने के बाद ही; हाल ही में महामारी से लड़ने के लिए कोई भी अपनी क्षमता निर्धारित कर सकता है। **आइए इसके बारे में अधिक जानने के लिए कुछ तथ्यों पर विचार करें:-** 1. टीकाकरण कब तक लोगों को सुरक्षा दे सकता है? 2. फाइजर के निर्माताओं की रिपोर्ट के अनुसार, परीक्षण के दौर से गुजरने वाले 40,000 लोगों में से; COVID बीमारी के साथ केवल 94 पंजीकृत हुए। यह COVID रोगियों से निपटने में इसकी 90% प्रभावकारिता निर्धारित करता है। इस घोषणा में वे लोग शामिल हैं, जिन्हें जुलाई और अक्टूबर के बीच टीकाकरण के शॉट्स मिले। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि लोगों को बूस्टर खुराक की आवश्यकता कब होगी। यह एक बड़ा जुआ हो सकता है क्योंकि यह लगभग 3 से 6 महीने तक मरीजों की सुरक्षा करता है जबकि एक सफल टीका आमतौर पर एक साल से अधिक समय तक एक कवच देता है। 3. क्या फाइजर वैक्सीन के कोई प्रमुख दुष्प्रभाव हैं? 4. सुरक्षा मानदंडों और दिशानिर्देशों के लिए कंपनी द्वारा कोई आधिकारिक बाहर नहीं है।

इसके अलावा, उन लोगों में गंभीर दुष्प्रभावों का कोई रिकॉर्ड नहीं है, जिन्हें इसकी खुराक के छह सप्ताह के भीतर टीकाकरण मिला था। हालांकि, वैज्ञानिक अभी भी दुर्लभ दुष्प्रभावों पर नजर गड़ाए हुए हैं, जो कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले कुछ लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। डॉ. वॉल्ट ओरेनस्टीन, एमोरी विश्वविद्यालय के एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर, ने भी टीके के दुष्प्रभावों के बारे में चिंता जताई। 5. क्या कमजोर सीओवीआईडी स्ट्रेज पर फाइजर सुरक्षा प्रदान कर सकता है? 6. फाइजर क्रिएटर्स ने इस वैक्सीन को लेने वाले स्वयंसेवकों के बीच मृत्यु दर या महत्वपूर्ण अस्पताल में भर्ती दर का खुलासा नहीं किया। अटकलें हैं कि 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोग मोटापे या मधुमेह जैसे गंभीर चिकित्सा इतिहास से प्रभावित हैं। 7. फाइजर वैक्सीन के रोलिंग के बारे में क्या? 8. फाइजर टीकाकरण के लिए शून्य से नीचे 100 डिग्री पर एक सुपरकोल वातावरण या सूखी बर्फ की आवश्यकता होती है। मरीजों को इंजेक्शन लगाने से पहले इसे सही तापमान पर रखना बहुत महत्वपूर्ण है। **COVID-19 के लिए फाइजर वैक्सीन पर त्वरित तथ्य:-** 1. कई चिकित्सा विशेषज्ञ इसे समयपूर्व घोषणा मानते हैं जो इस प्रक्रिया में अन्य टीकों की क्षमता को चोट पहुंचा सकते हैं। 2. सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी अभी भी फाइजर में

खामियों की जांच कर रहे हैं जो वांछनीय परिणामों को प्रकट नहीं कर सकते हैं। 3. BioNTech- फाइजर वैक्सीन से अधिक खुलासे के बाद, वैश्विक दवा निर्माता थोक आदेशों के लिए आपातकालीन प्राधिकरण की योजना बना रहे हैं। 4. BioNTech के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उगुर साहिन के बयान के अनुसार, इस वर्ष के क्रिसमस के आसपास के बाजारों में टीके लगने वाले हैं। **समेटना:-** आगामी COVID वैक्सीन जर्मन साझेदार BioNTech के सहयोग से अमेरिका की प्रसिद्ध फार्मास्यूटिकल कंपनी, Pfizer Inc द्वारा निकाली गई है। फाइजर के सभी पेचीदगियों का अध्ययन करने के बाद ही, यह दुनिया के विभिन्न हिस्सों में टीके को बढ़ावा और वितरित कर सकता है। विश्व और भारत को अभी भी इस टीके के अधिक तथ्यों और सुरक्षा अध्ययन की प्रतीक्षा है। नवीनतम अनुमानों के अनुसार, फाइजर 50 तक 2020 मिलियन टीकाकरण की खुराक और 1.3 के अंत तक 2021 बिलियन का उत्पादन कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शुरुआती खुराक उच्च जोखिम वाले समूहों के लिए है, जिनमें स्वास्थ्य कर्मचारी और श्रमिक शामिल हैं। उम्मीद है, यह COVID-19 महामारी का अंत शुरू हो सकता है।

दुःखद

श्री ओम प्रकाश गुप्ता जी

मे दुःखद किशन पर अश्रुपूर्विका भागपूर्ण शब्दोंनिश मया भिना भगवाला से प्रार्थना करने हैं कि उनकी आत्मा परे आपने भोगियों मे स्थान मे व परिवारजनो को हरी शराह-निय दुःख को उठान करने की शक्ति प्रदान करें

25 April, 2021

सोमनाथ
संकेत: गुप्ता प्रकाश

आपका परिवार



STONE SAFA
HERBAL TABLET

AN AYURVEDIC PROPRIETARY MEDICINE

अब पथरी के दर्द से पायें छुटकारा मात्र 15 दिनों में

पथरी की समस्या आजकल तेजी से पनपने लगी है। एक हजार 1000 में 50 व्यक्ति औसतन पथरी की समस्या है। पथरी 20 से 50 वर्ष की आयु के मध्य हो जाती है और जो कि तेजी से बढ़ रही है। महिलाएं की अपेक्षा पुरुषों में पथरी की समस्या ज्यादा पाई जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए आयुष्मान हेल्थकेयर लाये हैं स्टोन सफा हर्बल वटी जिसके सेवन से किडनी की पथरी को पेशाब के रास्ते बाहर निकालने में सहायता प्रदान करता है और दर्द में आराम दिलाता है।

जबकि जोषा, नई उम्र के संग आओ हम सब मिलकर लवें पथरी (STONE) के खिलाफ जंग पथरी मुक्त, दर्द मुक्त जीवन में आपका स्वागत है।

सम्पर्क करें- 9811437733

Web: www.ayushmanhc.com
Email: ayushmanhealth@gmail.com
Helpline: +91-7217245242

सिप्ला को ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन के IMITREX® (सुमाट्रिप्टन नेजल स्प्रे, 20 मिलीग्राम) के सामान्य संस्करण के लिए अंतिम स्वीकृति मिली

मुंबई, भारत, : सिप्ला लिमिटेड ने आज घोषणा की इसे अपने संक्षिप्त न्यू ड्रग एप्लिकेशन (ANDA) के लिए अंतिम मंजूरी मिल गई है सुमाट्रिप्टन नासल स्प्रे, 20 मिलीग्राम यूनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएस एफडीए) से। सिप्ला के सुमाट्रिप्टन नेजल स्प्रे यूएसपी, 20 मिलीग्राम एक एबी-रेड्ड जेनेरिक चिकित्सीय है जो ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन के इमिट्रेक्स® नाक स्प्रे का एक समान संस्करण है। Imitrexi® Nasal Spray एक सेरोटोनिन (5-HT1B / 1D) रिसेप्टर एगोनिस्ट (ट्रिप्टन) है, जो वयस्कों में माइग्रेन के तीव्र उपचार के लिए या उसके बिना संकेत देता है। IQVIA (IMS Health) के अनुसार, Imitrexi® Nasal Spray 20mg और इसके जेनेरिक समकक्षों की दिसंबर 53.3 को समाप्त 12 महीने की अवधि के लिए लगभग 2020M अमेरिकी डॉलर की बिक्री हुई थी। **सिप्ला के बारे में:** 1935 में स्थापित, सिप्ला भारत, दक्षिण अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका और प्रमुख विनियमित और उभरते बाजारों के हमारे घरेलू बाजारों में फुर्तीली और स्थायी विकास, जटिल जेनेरिक और गहन पोर्टफोलियो पर केंद्रित एक वैश्विक दवा कंपनी है। श्वसन, एंटी-रेट्रोवायरल, यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, एंटी-इनफेक्टिव और सीएनएस सेगमेंट में हमारी ताकत अच्छी तरह से जानी जाती है। दुनिया भर में हमारी 46 विनिर्माण साइटें हमारे 50+ बाजारों को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों का उपयोग करके 1,500+ खुराक रूपों और 80+ उत्पादों का उत्पादन करती हैं। सिप्ला को भारत में फार्मा

में तीसरा सबसे बड़ा (IQVIA MAT दिसंबर 3), दक्षिण अफ्रीका में फार्मा निजी बाजार में 20तक सबसे बड़ा (IQVIA MAT दिसंबर 3) में स्थान दिया गया है, और अमेरिका में आठ दशकों से सबसे अधिक विवादित जेनेरिक खिलाड़ियों में से एक है। मरीजों पर फर्क डालने से सिप्ला के काम के हर पहलू को प्रेरणा मिली है। 20 में अफ्रीका में एक दिन से भी कम समय में एचआईवी / एड्स में ट्रिपल एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी के हमारे प्रतिमान-बदलते प्रस्ताव को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है, क्योंकि एचआईवी आंदोलन के केंद्र में समावेशिता, पहुंच और सामर्थ्य लाने में योगदान दिया गया है। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक, सिप्ला के मानवतावादी दृष्टिकोण श्केयरिंग फॉर लाइफर के उद्देश्य के लिए स्वास्थ्य सेवा के दृष्टिकोण और गहरे-निहित समुदाय लिंक जहां भी यह मौजूद है, यह वैश्विक स्वास्थ्य निकायों, साधियों और सभी हितधारकों की पसंद का भागीदार बनाता है।

घुटनों के दर्द की दवा

घुटनों के दर्द की समस्या आजकल आम होती जा रही है कई बार ऐसा भी होता है कि किसी कारणवश चोट लग जाने से या बढ़ती हुई उम्र के कारण या फिर ब्रह्मवास्था में हड्डियों के कमजोर हो जाने से अक्सर घुटनों में दर्द होने लगता है। घुटनों के लिए दर्द निवारक दवा बनाने के लिए आप नीचे दिए गए कुछ नुस्खे आजमाएँ किसी चोट का दर्द हो या घुटने का दर्द आप इस दर्द निवारक हल्दी के पेस्ट को बनाकर अपनी चोट के स्थान पर या घुटनों के दर्द के स्थान पर लगाइए इससे बहुत जल्दी आराम मिलता है। दर्द निवारक हल्दी का पेस्ट कैसे बनाएँ इसके लिए आप सबसे पहले एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर लें और एक चम्मच पिसी हुई चीनी और इसमें आप बूरा या शहद मिला लें,

और एक चुटकी चूना मिला दें और थोड़ा सा पानी डाल कर इसका पेस्ट जैसा बना लें। इस लेप को बनाने के बाद आप उस स्थान पर जो घुटना दर्द करता हो लेप को लगा लें और ऊपर से बैंडेज या कोई पुराना सूती कपड़ा बांध दें और इसको रातभर लगा रहने दें और सुबह सादा पानी से इसको धो लें इस तरह से लगभग 1 सप्ताह से लेकर 2 सप्ताह तक ऐसा करने से आपके घुटने की सूजन माँसपेशियों में खिंचाव अंदरूनी चोट से होने वाले दर्द में बहुत जल्दी आराम मिलता है।



K.B.S INDUSTRIES

Kh. No. 995, Ground Floor Extn. Lal Doora Lal Dora
Village Rithala, Delhi-110085
Ph.: 91 9212756254, 7982923830, 7678315789

Dropper

Plastic Cap

Measuring Cap

Aluminium Cap

Pieter Proof Cap

All Size Cosmetic Cap

All Size Pharmaceuticals Cap

Manufacturers of

Aluminium PP Caps, RO Caps & Seals

Aluminium flip off seal 13 mm, 20mm

भारत में फार्मास्यूटिकल उद्योग के लिए संभावनाएँ

क्या आप भारत के वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी जानते हैं औषधीय उद्योग? भारत में फार्मा कारोबार के लिए संभावित भविष्य क्या हो सकता है? वेसे, गहराई से अध्ययन और अनुसंधान के आँकड़े भारत के फार्मा व्यवसाय की शानदार वृद्धि को उजागर करते हैं। **अवलोकन:-** वैश्विक बाजारों में जेनेरिक दवा आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत शीर्ष स्थान पर है। दवाइयों की फैक्ट्री भारत वैश्विक स्तर पर टीकाकरण की मांग का 50% आपूर्ति करता है। इसके अलावा, ब्रिटेन की दवा की मांग का 25% और अमेरिका में जेनेरिक दवा की 40% मांग भारत द्वारा पूरी की जाती है। यह वैश्विक स्तर पर भारतीय फार्मा क्षेत्र के खड़े होने का संकेत देता है। भारत के प्रतिभाशाली वैज्ञानिक और इंजीनियर फार्मा उद्योग के लिए नए क्षितिज हासिल कर रहे हैं, जिससे नए मोल के पत्थर तक पहुंचने में मदद मिल रही है। एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत एड्स (एक्वायर्ड इम्यून डेफिसिएंसी सिंड्रोम) से लड़ने के लिए दुनिया भर में 80% एंटीरेट्रोवायरल दवा की आपूर्ति करता है। **भारत के फार्मा क्षेत्र के बाजार का आकार:-** भारत के फार्मा कारोबार का भविष्य अपने मौजूदा बाजार आकार और विस्तारित अर्थव्यवस्था से प्रचलित है। भविष्यवाणियों में कहा गया है कि दवा बाजार में यूएस + 100 बिलियन की वृद्धि हो सकती है, और चिकित्सा उपकरण बाजार 25 तक यूएस + 2025 बिलियन तक बढ़ सकता

है। एपीआई के साथ भारत से फार्मा ड्रग्स का निर्यात पहले से ही यूएस + 20.70 तक पहुंच रहा है। अन्य फार्मा एक्सपोर्ट्स में दवा फॉर्मूलेशन, बल्क ड्रग्स, इंटरमीडिएट और सर्जिकल उपकरण शामिल हैं। यहां तक कि भारत का जैव प्रौद्योगिकी उद्योग प्रत्येक वर्ष 30% की दर से बढ़ रहा है, इस प्रकार पूरे क्षेत्र को नई गतिशीलता दे रहा है। **भारतीय फार्मा उद्योग में संभावनाएं और विकास:-** भारत में फार्मास्यूटिकल उद्योग का कुल बाजार कारोबार रुपये तक पहुंच जाता है। 1.4 लाख करोड़ और 2021 के अंत तक एक बड़ी छलांग की उम्मीद है। भारत में फार्मास्यूटिकल उद्योग के भविष्य के विकास को लक्षित करने वाले अन्य हालिया घटनाक्रम:- 1. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस क्षेत्र की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति के लिए हरी झंडी दिखाई है। नतीजतन, चिकित्सा उपकरण और सर्जिकल उपकरणों का निर्माण निकट समय में शूट होगा। 2. फार्मा सेक्टर ने अप्रैल 16.50 से मार्च 2000 तक लगभग US \$ 2020 बिलियन का संचयी एफडीआई प्रवाह प्राप्त किया। और यह उद्योग और आंतरिक व्यापार DPIIT के प्रचार के लिए विभाग द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों में स्पष्ट है। 3. प्रधानमंत्री भारतीय जनधन योजना (पीएमबीजेपी) के अनुसार, सस्ती दवाओं का कारोबार रु। केवल अप्रैल 52 में 7.38 करोड़ (US \$ 2020 मिलियन). 4. H1-1 में 27 आकर्षक सौदों को बंद करने के

बाद भारत के फार्मास्यूटिकल क्षेत्र ने 12020 बिलियन अमेरिकी डॉलर की निजी इक्विटी प्राप्त की। **भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग का स्वीट विश्लेषण:-** 1. शक्ति- कम संचालन, विनिर्माण, मानव संसाधन और खोज लागत। 2. कमजोरी- कठोर मूल्य विनियम, असंरचित बाजार के खिलाड़ियों का बेतुका अस्तित्व। 3. अवसर- स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र के लिए नए रास्ते, प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी। 4. धमकी- चीन जैसे कम लागत वाले प्रतिद्वंद्वियों को भारतीय फार्मा उद्योग से आउटसोर्सिंग चौनलों को अलग करना। **दृष्टि क्या है?:-** भारत में फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री को आने वाले 912 वर्षों में 5% के विशेषज्ञों द्वारा वृद्धि का अनुमान है। यहां तक कि वर्ष 2020 भारत के फार्मा कारोबार के लिए एक ऐतिहासिक विकास युग रहा है क्योंकि इस क्षेत्र ने नए अवसरों और संभावनाओं को प्राप्त किया है। भारत पहले से ही शीर्ष 10 देशों में शुमार है जो चिकित्सा व्यय में उच्च हैं। एंटी-डिप्रेसेंट, एंटी-कैंसर या एंटी-डायबिटीज जैसी थेरेपी बाहर लाने के लिए एडवांस रिसर्च पहले से ही मौजूद है। सरकार फार्मा सेक्टर के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि आम लोगों को स्वास्थ्य सेवा सस्ती और उपलब्ध हो सके। ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रमों, टीकों और जीवन रक्षक दवाओं पर डुबकी लगाने से भारत में फार्मा कंपनियों की सफलता की भविष्यवाणी होती है।

दाँत निकलते वक्त शिशु को कभी न दें, प्लास्टिक के खिलौने, आतें हो सकती हैं खराब

बच्चों में दाँत निकलने की प्रक्रिया बहुत दर्दभरी होती है। बच्चे के जब पहली बार दाँत निकल रहे होते हैं तो मसूड़ों के अंदर से निकलते हैं जो बहुत मुलायम होते हैं। जिसके कारण बच्चा ज्यादा रोता है। इस समय बच्चों को बुखार आना आम बात है। दाँतों के निकलने के दौरान बच्चे को दवाई की जरूरत होती है। जब दाँत निकल रहे होते हैं तो बच्चे को खिलौने या टाइट बिस्कुट देने चाहिए, जो बच्चा दाँतों में रगड़ता है जिससे दाँत मजबूत निकलते हैं। दाँत निकलते समय बच्चे को दस्त या अन्य कई छोटी-मोटी परेशानियाँ होती हैं। ऐसे में उसका पूरा ध्यान रखा जाना जरूरी है। **शिशु के दाँत निकलने के लक्षण:-** दाँत निकलने वक्त बच्चा दस्त से ज्यादा पीड़ित रहता है। कुछ बच्चे पेट दर्द से और कुछ कब्ज से परेशान रहते हैं। ● दाँत निकलते वक्त बच्चों के मसूड़ों में खुजली, सूजन और दर्द रहता है। गंदी बोतलों से दुध पीने या मिट्टी खाने वाले बच्चे दाँत निकलते समय ज्यादा बीमार पड़ते हैं। ● बच्चों में दाँत निकलते समय उनका सिर गर्म रहने लगता है, आँखें दुखने लगती हैं और बार-बार दस्त आते हैं। ● बच्चों के मसूड़े सख्त हो जाते हैं, उनमें सूजन भी आ जाती है। ● इस दौरान बच्चा चिड़चिड़ा हो जाता है, अकसर रोता भी रहता है। ● बच्चों के मसूड़े के माँस को चीर कर दाँत बाहर निकलते हैं, इसलिए उनमें दर्द और खुजली होती है। इस तकलीफ से

राहत पाने के लिए वह इधर-उधर की चीजें उठाकर उन्हें चबाने की कोशिश करता है। **लक्षण दिखने के बाद करें ये काम:-** जैसे ही बच्चे में दाँत निकलने के लक्षण दिखने लगें बेहतर होगा कि उसके मसूड़ों की मसाज शुरू कर दें। मसूड़ों की मसाज करने के लिए आपको किसी बाहरी उपकरण की जरूरत नहीं पड़ेगी। सिर्फ करना यह है कि अपनी अंगुलियों से उसके मसूड़ों को हल्के-हल्के दबाएँ। इससे बच्चे को बहुत आराम मिलता है। **इन बातों का रखें ध्यान:-** बच्चों के दाँत निकलते वक्त उनको केला, उबला हुआ सेब, संतर का जूस, दाल, खिचड़ी और सूजी की खीर जैसी चीजें खिलाएँ। ● दाँत निकलने के दौरान बच्चे को ऐसी चीजें दें, जिनमें कैल्शियम, प्रोटीन, आयरन, विटामिन और मिनरल्स पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हों। ● बच्चों को धूप में लिटाना भी फायदेमंद होता है। धूप बच्चों के दाँतों और हड्डियों को मजबूत बनाता है। क्योंकि धूप में प्राकृतिक विटामिन डी होता है। ● इस दौरान बच्चों को चबाने के लिए प्लास्टिक के खिलौने देते हुए, इस बात का ध्यान रखें कि खिलौने गरम पानी से धुले हों ताकि उनमें किसी तरह के कीटाणु न हों। ● इसके अलावा आप बच्चों के हाथ में खाने की कोई ऐसी सख्त चीज, जैसे- गाजर, बिस्किट आदि पकड़ा दिया करें, जिससे उसे मसूड़े की खुजली से भी राहत मिलेगी और उसकी सेहत को भी कोई नुकसान नहीं होगा।

लॉकडाउन में मेरी दिनचर्या

लॉकडाउन में पहले-पहल जब स्कूल की छुट्टी हुई, स्कूल बंद हुए। सचमुच हम सब बच्चों को अच्छा लगा। परन्तु लॉकडाउन में घर से बाहर न निकलना, खेलने के लिए दोस्तों के साथ न जाना, इससे काफी बोरियत होने लगी। लेकिन हमने जैसे-वैसे अपने को एडजस्ट किया। मैं अपनी बात कहूँ मैंने पुस्तकें पढ़ना नहीं छोड़ा। सुबह जल्दी उठकर मैं दो घंटे तक पुस्तकें पढ़ता और अपने स्कूल के सवाल हल करता। हमेशा की तरह मैं घर के कामों में माता-पिता की मदद की। हमें घर के कामों में भी मदद करनी चाहिए, आखिर हमारी माँ बेचारी भी तो थक जाती है न। हमारे स्कूल में ऑनलाइन पढ़ाई चल रही है। प्रतिदिन लगभग 4 घंटे ऑनलाइन पढ़ाई अलग-अलग विषयों की हो रही है। मैं तो कहता हूँ हमें पढ़ाई को बोझ की तरह नहीं समझना चाहिए। हम में सीखने की ललक होगी तो हमें कोई भी काम भारी नहीं लगेगा। लॉकडाउन की अवधि में हमारे क्षेत्र के विधायक श्री पूरनसिंह फर्ग्यूल जी ने गरीबों को राशन भी बांटा। लॉकडाउन में हम बच्चों का तो खेलना लगभग बंद ही हो गया। लेकिन कोरोना से बचने के लिए ये जरूरी भी था। हम सारे बच्चों ने भी लॉकडाउन के नियमों का पालन किया। मुझे ये अच्छा नहीं लगा कि कुछ लोग बाजारों में ऐसे ही बगैर काम के घूमते रहे। पुलिस के आदेश को बावजूद लोग बगैर मास्क पहने बाजारों में घूमे। पढ़े-लिखे लोगों ने भी मनमानी की। मुझे ये अच्छा नहीं लगा। - **हिमांशु जोशी, कक्षा-9 राजकीय इंटर कॉलेज चौड़ाकोट, चंपावत।**

Protein, Multivitamin, Multimineral, Methylcobalamin, DHA

PROTO BLAST Mom

Protein Powder

Flavour Kesar

Manufactured & Marketed by :-
Triglobal Lifesciences OPC Pvt. Ltd.
1227/13-15 Modern Complex, Sai Road, Badli Distt. Solan (H.P.)
Contact: +91 9816388339, +91 9872205214

NET WT: 310 gm

सहत के लिए साइकिल चलाने के 10 फायदे, जो आपको रोजाना साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं !!

साइकिल चलाने के फायदे:- यदि आप फिट और स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक रूप से सक्रिय हैं तो यह मदद करेगा। दैनिक शारीरिक व्यायाम आपको मोटापे, हृदय रोग, एड्स, मानसिक विकार जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद कर सकता है, मधुमेह, और गठिया; साइकिल चलाने के लाभ कई हैं और यह गतिहीन जीवन शैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को संभावना को कम करने के सबसे आसान तरीकों में से एक है। साइकिल चलाना एक सुरक्षित, कम प्रभाव वाली गतिविधि है जो छोटे बच्चों से लेकर बड़ी आबादी तक सभी उम्र के लोग सराहना कर सकते हैं। यह सुविधाजनक, सस्ती और पर्यावरण की दृष्टि से भी टिकाऊ है। **साइकिल चलाने के कुछ अन्य लाभ नीचे दिए गए हैं:-** **मोटापा और वजन नियंत्रण:-** साइकिल चलाना एक है स्वस्थ वजन को विनियमित करने या बढ़ाने का तरीका, क्योंकि यह हृदय गति में सुधार करता है, मांसपेशियों का निर्माण करता है, और शरीर में वसा को कम करता है। यदि आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो आपको संतुलित खाने के कार्यक्रम के साथ व्यायाम करने की आवश्यकता है। साइकिलिंग एक सौम्य प्रकार का कार्य है, इसलिए अवधि ताकत गति को समायोजित किया जा सके और धीरे-धीरे बनाया जा सके और आपको लाभान्वित किया जा सके। **यह हृदय रोग और साइकिलिंग में सुधार करता है:-** हृदय संबंधी विकारों में स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप और दिल का दौरा शामिल हैं। नियमित रूप से साइकिल चलाने से नाड़ी, फेफड़े और श्वास मजबूत होते हैं और हृदय संबंधी रोग होने की संभावना कम हो जाती है। साइकिल चलाने से आपके दिल की मांसपेशियां बढ़ती हैं, आराम करने वाले कंपन को कम करता है और वसा के स्तर को कम करता है। **यह कैंसर से पीड़ित लोगों की मदद कर सकता है:-** साइकिल चलाना आपके उपचार कार्यक्रम का एक आदर्श पूरक है, चाहे आपको कोई बीमारी हो या उससे उपचार हो। साइकिल चलाने से आप दुबले और स्वस्थ रहेंगे और स्तन कैंसर सहित कुछ कैंसर रूपों के जोखिम को कम करेंगे। 2019 के अध्ययनों के अनुसार, स्तन कैंसर होने पर सक्रिय रहने से आपको कैंसर की चिकित्सा के दुष्प्रभावों को कम करने में मदद मिलेगी, जिसमें मतली भी शामिल है और जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ावा मिलता है। **यह पर्यावरण के अनुकूल है:-** जहां भी संभव हो, अपनी बाइक की सवारी करके अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करें। यातायात में बैठने की लंबी अवधि वाले परिवहन विकल्पों के लिए साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट प्रतिस्थापन है। जब आप उन स्थानों पर जाते हैं जो चलने में थोड़ा बहुत दूर होते हैं, तो यह विशेष रूप से सहायक होता है, लेकिन आप कार नहीं लेना चाहते हैं। पार्किंग रूम के लिए व्यस्त सड़कों के माध्यम से प्रतिस्पर्धा करने का लाभ नहीं है। **संतुलन, मुद्रा और समन्वय में सुधार करता है:-** जब आप अपने शरीर को स्थिर रखते हैं और बाइक को सीधा रखते हैं, तो आप अपनी सामान्य शक्ति, लचीलापन और रुख को बढ़ावा देंगे। स्वास्थ्य उम्र और निष्क्रियता के साथ कमजोर हो रहा है, इसलिए इसके शीर्ष पर रहना आवश्यक है। स्लिप और ब्रेक से बचने के लिए बेहतर समन्वय उपयोगी है, जो

आपको व्यायाम से ठीक करने के लिए समय देने पर जमीन पर रख सकता है। **चिकित्सा शर्तों को रोकता है और उनका प्रबंधन करता है:-** दैनिक गतिविधि महत्वपूर्ण है कि क्या आप स्वास्थ्य समस्याओं से बचने या पुरानी बीमारियों के इलाज में मदद करने के लिए चुनते हैं। एक गतिहीन जीवन शैली और इसके साथ स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से बचने का एक तरीका नियमित रूप से साइकिल चलाना है। यह स्ट्रोक, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी हृदय संबंधी समस्याओं को रोकने में मदद कर सकता है। साइकिल चलाने से टाइप 2 मधुमेह से बचने और निपटने में भी मदद मिलेगी। **महत्वपूर्ण तैयारी:-** मूल मांसपेशियां, जैसे पीठ और एंडोमिनल, दौड़ते समय भी कार्य करती हैं। यह शरीर को चक्र में रखने के लिए शरीर को सीधा रखने के लिए काफी मात्रा में कोर ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पीठ में टोस एंडोमिनल और मांसपेशियां गर्दन की रक्षा करती हैं, लचीलापन बढ़ाती हैं और साइकिल चलाते समय विश्राम को बढ़ाती हैं। **मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है:-** साइकिल चलाने से दर्द, अवसाद या चिंता दूर हो सकती है। सवारी पर ध्यान केंद्रित करते समय सवारी मौजूदा क्षणिक ध्यान और धारणा को बेहतर बनाने में मदद करती है। वे दिन के मानसिक बकवास से आपके दिमाग को कम करने में मदद करेंगे। व्यायाम से एंडोर्फिन निकलता है, जो बदले में आपको तनाव के स्तर को कम करते हुए बेहतर महसूस करने में सक्षम बनाता है। **पैर की ताकत बढ़ाता है:-** साइकिल चलाना आपके निचले शरीर की सामान्य गतिविधि को बेहतर बनाता है और उन्हें दबाए बिना आपके पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह आपके क्वाड्स, आपके ग्लूट्स, आपके हैमस्ट्रिंग और आपके बछड़ों पर हमला करता है। वेटलिफ्टिंग वर्कआउट्स, जैसे कि स्क्वाट्स, लेग लिफ्ट्स, और रिब्स, सप्ताह में एक-दो दिन अपने साइकिलिंग रिजल्ट को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए और अपने पैरों को बहुत अधिक बनाने की कोशिश करें। **यह एक कम प्रभाव विकल्प है:-** आपके शरीर पर साइकिल चलाना सरल है, जो इसे उन लोगों के लिए एक कोमल विकल्प बनाता है जो अपने जोड़ों को चोट पहुंचाए बिना एक गहन काम करना चाहते हैं। साइकिल चलाना संयुक्त समस्याओं या सामान्य कठोरता वाले लोगों के लिए एक शानदार विकल्प है, खासकर निचले शरीर में हमें उम्मीद है कि अब आप साइकिल चलाने के लाभों को समझ जाएंगे।

इन फूड्स को जल्द अपनी डाइट से करें बाहर, हेल्थ के लिए होते हैं, नुकसानदायक

कई ऐसे फूड्स होते हैं जो वास्तव में अनहेल्दी होते हैं, लेकिन लोग उन्हें हेल्दी समझकर खाते हैं। इन फूड्स के बारे में आपको सही जानकारी होनी चाहिए, हेल्दी रहने के लिए हेल्दी खाना बेहद जरूरी होता है। आज के समय में लोगों को लाइफस्टाइल को फॉलो करने से डायबिटीज, हार्ट डिजिज, हाई ब्लड प्रेशर, रिकन समस्या जैसी और भी कई बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। लोग कुछ ऐसे फूड्स भी खाते हैं जो होता अनहेल्दी है लेकिन जानकारी ना होने के कारण लोग उसे हेल्दी मान लेते हैं। यदि आपको अपने हेल्थ की परवाह है तो आपको अपने खान-पान का खास ध्यान रखने की जरूरत है। उन फूड्स के बारे में जो दिखते हेल्दी हैं लेकिन होते अनहेल्दी हैं। **● सफेद ब्रेड:-** अधिकांश कमर्शियल ब्रेड अस्वास्थ्यकर होते हैं यदि उन्हें बड़ी मात्रा में खाया जाता है, क्योंकि वे परिष्कृत गेहूं से बने होते हैं, जो फाइबर और आवश्यक पोषक तत्वों में कम होते हैं और ब्लड शुगर में तेजी से वृद्धि कर सकते हैं। **● अधिकांश फलों का रस:-** फलों का रस अक्सर स्वस्थ माना जाता है। जबकि रस में कुछ एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी होते हैं लेकिन साथ ही यह उच्च मात्रा में तखल चीनी भी कटेन करता है। वास्तव में, फलों का रस कोक या पेप्सी जैसे शर्करा वाले पेय के रूप में बस चीनी के रूप में होता है और कभी-कभी इससे भी अधिक। **● नाश्ते में मीठा अनाज:-** नाश्ता में अनाज जैसे कि गेहूं, जई, चावल और मक्का संसाधित होते हैं। वे विशेष

रूप से बच्चों के बीच लोकप्रिय होते हैं और अक्सर दूध के साथ खाए जाते हैं। अक्सर लोग इसे स्वादिष्ट बनाने के लिए चीनी शामिल करते हैं। कुछ इतने मीठे होते हैं कि उनकी तुलना कैंडी से भी की जा सकती है। लोगों को लगता है कि यह हेल्दी है लेकिन ऐसा वास्तव में यह आपके ब्लड शुगर को बढ़ाता है यह फिर मोटापे में भी वृद्धि करता है। **● लो-फैट योगर्ट:-** दही अविश्वसनीय रूप से स्वस्थ हो सकता है। लेकिन दुकानों में मिलने वाले दही हेल्दी के लिए खराब होते हैं। वे फैट में अक्सर कम होते हैं, लेकिन फैट को कम्पेन्सट करने के लिए उसमें चीनी शामिल किया जाता है। सीधे शब्दों में कहें, अधिकांश दही में एक अस्वास्थ्यकर घटक के साथ प्रतिस्थापित स्वस्थ, प्राकृतिक वसा होता है। इसके अतिरिक्त, कई योगर्ट प्रोबायोटिक बैक्टीरिया प्रदान नहीं करते हैं जैसा कि आमतौर पर माना जाता है। वे अक्सर पास्चुरीकृत होते हैं, जो उनके अधिकांश जीवाणुओं को मारता है। **● सलाद:-** सिर्फ इसलिए कि सलाद है तो वह हेल्दी ही ऐसा बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। रेस्तरां में मिलने वाले सलाद आमतौर पर अनहेल्दी होते हैं क्योंकि उनमें बहुत सी चीजें मिली हुई होती हैं। पेनरो ब्रेड और केल सलाद में 600 कैलोरी और 40 ग्राम चीनी होती है, जो कि पाँच लोगों की लिटिल चीजबर्गर से अधिक है।

Top 10 Advantages of Couple Workout- How Sweating Together Helps!

Workout for Couples- 10 Incredible Benefits of Exercising Together!

Hitting the gym or planning a walk daily at the park might be a monotonous regime for many! Most people try to follow a fitness schedule, but they find it dull to exercise alone. How about running on a treadmill or going for a jog with your partner? When you workout as a couple, the chances of developing a better bond increases all the more. It also recharges the couple-competitive spirit that helps you to keep going. Many fitness and health experts have also termed couple workout as a fitness hack to help people discover their better version. It has several physical as well as emotional advantages. When your best buddy or soul mate follows you for the yoga

ner can be the reason for your faster progress and better concentration in fitness. It is a new way to showing love to each other where you care for each other's health and make all attempts to grow stronger and healthier together. Push your limits and go off the couch to show your determination!

Helps in Bonding- It might sound notorious but exercising together often helps to get fitter and healthier every day. You can plan an excellent session for yourself and your partner on your lawn with yoga mats and water bottles. It helps develop a better bond with your partner, and you can cherish some great memories together.

Satisfactory results- A combined research was carried out of couples working out together, and 87% of

that partners develop a special connection towards each other. If that romantic touch is lacking in your relationship for long, then try some workout sessions together. Sweating with your partner increases the connectivity and boosts up endorphin levels that leads to enhanced attraction. A joint workout is a great way to avail physical response from your soul mate.

Common fitness goals- A healthy couple could stay happy and active together! It is a blessing to go for adventurous hikes or scuba diving together. Many lethargic people miss this fun and often regret it late in their lives. So, make the most of this opportunity to enjoy exercising together. Setting common fitness goals develops a competitive spirit that further persuades you to achieve them. Cheering and supporting each other throughout the journey often serves as a beautiful way to stay fit and set an example to others.

Healthier emotional well-being- Next benefit of a couple workout is that you and your partner can experience a higher emotional contact that might be missing for a long time. Many scientists have also proved that when couples exercise together, they tend to develop a non-verbal pattern of togetherness, increasing an emotional connection. Developing sync of movements such as weightlifting or running leads to creating a subconscious bond between the two. Many couples also expressed that they feel more connected to each other during their morning workout hours!

Quality Time- You might have heard this term several times. Spending quality time with your partner is still a dream for many. In today's scenario, where men and women both have stringent work commitments, it isn't easy to find time for each other. A dedicated fitness routine together ensures that you discuss all your concerns with each other and kill the communication gap that's hampering your relationship.

Explore new passions- Have you ever thought of exploring a new hobby together? Maybe no, as there is no time left when you can indulge in something of your routine task. Picking new hobbies and trying to find your partner's passion could be an exhilarating experience for your both. In this process, you can also try some new activities and sculpt out your inner artist. Adapting to new things maintains a pliable body condition and helps in immersing back into the love pond!

Savings- Have you heard of family membership discounts at gyms? It is a great way to motivate yourself or the partner to buck up their shoes and get ready for a gym session. Trying out a new fitness endeavour is not just exciting but also promotes a good health message and importance to other people. On a practical note, it also deducts the gas expenses that you have to bear for driving to the gym classes separately.

Ready for A Healthy Couple Workout?

The tips mentioned above clearly indicates that exercising, yoga, meditation, gym or any form of workout with your partner is the best thing to do! It could prove to be the best decisions of your life. Good health and emotional compatibility is a rare combination, but together, you can hit on it.

Are you still thinking about it? Follow the above tips and give a one-week trial if this regime works well for your partner and you or not. You will indeed witness a significant change. It would be interesting to listen to your personal experiences of a couple of workouts in the comments below!

We can't spell Success without 'u'

plusindia

BUSINESS EXCELLENCE AWARDS FOR PHARMA & HEALTHCARE
7th August 2018
Business Leadership Awards, New Delhi

*** GMP and SCHEDULE M Certified Unit**
*** WHO MANUFACTURING PLANT**
*** ISO 9001:2015 Certification**

PLUSINDIA Group one among 5000 Best MSME IN 2017 & Business Excellence Award Winner in 2018.

BACIPLUS	Each 5 ml oral suspension contains : Bacillus Clausii Spores (UBBC-07) 2 billion spores. Susp
BIONORM	Thyroxine Sodium 12.5/25/50/75/100/125 mg.
FLOCAD	Calcium Dobesilate Monohydrate 500mg Cap
PEREZ-100 SR	Nitrofurantoin 100mg Tab.
RIF 200/400	Rifaximin 200/400mg Tab.

Beulah Biomedics **GENX MEDICA** (A DIVISION OF PLUSINDIA) **LIFE CARE** HERITAGE FORMULATIONS (P) LTD. **grace PHARMA**

Web site : www.plusindia.in Ph: 9440894154/9885500050
E-mail : plusindia2003@yahoo.co.in, plusindia2003@gmail.com

or exercises session, it generates more positive vibes. Besides, people tend to avail themselves of a higher level of motivation and support.

This is also a great way to pump up romance and intimacy in your relationships that might be missing due to hectic work routines. Let's explore many other benefits of opting for a collaborative workout with your partner.

Why Couple Workout is a Great Idea?

Are you excited about the concept of couple workouts? Do you want to learn more about how it helps strengthen the emotional chords amongst the partners? Then check out below.

Better Concentration- If you have someone to uplift you constantly, the body charges up and stretches its limits all the more. A good gym part-

ners claimed to derive satisfactory results from it. When couples help each other is stretching or forming yoga poses together, a unique level of balancing develops that help in achieving timely goals. Meeting fitness goals together fosters better communication and integrates a higher level of satisfaction in the couples.

Better Performance- It is human psychology that when you tend to perform exercises or yoga with someone, it is natural to achieve higher performance levels. The person's athletic calibre boosts up, leading to shedding of higher calories and gaining a better body shape as a result. With this, there is a scope for the overall emotional and physical development of you and your partner both.

Surge in Attraction- Another advantage of a couple workout is

COMPANY PROFILE

Medito Pharmaceutical



Incepted in the year 1992, at Ghaziabad (Uttar Pradesh, India), we, "Medito Pharmaceutical Company," are engaged in manufacturing and supplying Ayurvedic Medicine. In our range, we offer our clients Tablets, Syrup, Natural Ras, Churna, Vati and Guggal. . We formulate our entire

range using supreme quality ingredients that are sourced from reliable vendors. Further, we follow strict quality control measures and develop our entire range using advanced machines and latest technology. Further, we are also facilitated with a hi-tech quality testing unit that assists us to process our offered range of medicines in compliance with set medical standards. We are bestowed with a squad of medical professionals who, with their immense knowledge and experience, assist us to offer the finest range of offered medicines. Further, our team of quality experts strictly inspect our entire range on predetermined parameters. Assisted by the incredible features, like high effectiveness, longer shelf life and superior quality, our offered range is in huge demand among the clients. Owing to our customization facility, we offer our entire range as per the needs of clients. In addition, our ethical trade policies, easy payment modes and timely delivery of consignment have made us the most preferable name for clients. Under the supervision of our mentor, Mr. Rafeeq Ahmad, we have achieved the newer heights of success in the domain. He is well-informed regarding quality parameters and always motivates us to provide the best products to our customers in timely manner. We are successfully ranked amongst the top manufacturers and suppliers of various types of Ayurvedic Medicines. The offered medicines are formulated using optimum quality ingredients that are sourced from reliable vendors. Further, we stringently inspect our entire range on precise quality parameters. Our medicines are extensively acknowledged due to their high effectiveness, purity, reliability and longer shelf life. Backed with skilled and talented team, we are able to supply an excellent range of medicines within the stipulated time frame. These medicines are in compliance with medical quality standards and are available at affordable rates. **Our Products:-** Ayurvedic Tablets • Ayurvedic Syrup • Ayurvedic Churn • Natural Ras • Tablet • Vati and Guggal • amla aloe vera juice • Jeevan Shakti Granules ETC. **Mob:- 8377800852.**

Arogya Kendra



Based on ancient and proven Ayurvedic expositions Kairali Ayurvedic Group has been for last 25 years encouraging and establishing various treatment centers, Aryogya Shalas, Arogya Kendras , Spas and resorts in India and overseas . A traditional family of Ayurvedic practitioners, who are into the manufacture, production and practice of Ayurveda for over 8 decades , and with more than 35 locations all over India and the world, Kairali is one of the premium and fastest growing Ayurveda service brand. Arogya Kendra is an endeavour to make the Kairali Ayurvedic treatments, therapies and massages accessible and affordable. At every Arogya Kendra one can easily avail ayurvedic treatments and distinctive Kairali ayurvedic medicines and products. Kairali Ayurvedic Group the pioneers in promoting ayurvedic Spas, Centres & Resorts in India & Abroad, now introduces a new concept by introducing the Kerala's famous Panchakarma treatments to the practicing doctors in their own clinic. The new brand name of this concept is 'AROGYA KENDRA'. The complete range of Kairali Ayurvedic Products Private Limited's products like Ayurveda Medicines, Tonics, Organic Products and Equipment are available at all Arogya Kendras. All the products of Kairali Ayurvedic Products Private Limited are manufactured with the help of natural and organic ingredients at state of art modern factories where the highest standards of quality control are followed. This enables us to provide with the finest of traditional formulas, immunity boosters, beauty care products, health tonic and Ayurveda equipment. The complete range of Kairali's ayurvedic products is available online also to retail customers globally. Also all the products can be purchased from our Ayurvedic spas and treatment centres worldwide. **Mob:- 6260777789.**

Sidh Ayurveda



Our company, Sidh Ayurveda, holds vast years of experience in the field of herbal products manufacturing. Since our inception in 2006, we are aiming to cater the needs of the clients with premium quality products. We are known to be one of the renowned Manufacturers and Suppliers of the industry. Our constant focus is on maintaining highest standards of quality in our Ayurvedic Products, Herbal Ras, Ayurvedic Medicine and Herbal Oil. These are formulated under the guidance of expert professionals by using high quality ingredients. Our products are 100% herbal, pure, and have unmatched effectiveness. We have committed ourselves to meet highest quality standards in our products and services. Our years of experience and in-depth market know how enable us to provide accurately composed Herbal Products in order to satisfy clients needs. Moreover, we make use of best of ingredients which are sourced from reputed vendors of the market. We have employed well-trained and qualified professionals who closely monitor all the activities and make sure that quality is not com-

promised at any level. The manufactured products are tested on the basis of their:- Effectiveness • Purity And Fragrance • No Side Effects • Economical • Longer Shelf Life • Pleasant Fragrance & Aroma **Infrastructure:-** We have a sound manufacturing unit that is fully equipped with necessary machinery to prepare safe and pure range of Ayurvedic Products long with protecting the medicinal properties of the herbs, in order to achieve the best possible results. This unit is managed by experienced personnel having years of domain expertise. This help us to cater to the requirements of various clients based in many parts of the world. **Why Choose Us?:-** Wide range of herbal products to serve varied client requirements • Use of superior quality ingredients • State-of-the-art infrastructure • Stringent checks to ensure high quality • Sound research & development department • Highly proficient team members • Tamper proof packaging options for safe transit. **Mob. :- 08037303641.**



health through ayurveda | since 1908

Kairali Ayurvedic

Kairali Ayurvedic Group is headed by joint Managing Directors Mrs. Gita Ramesh and Mr. K.V. Ramesh, both of whom hail from a long family lineage of traditional Ayurvedic doctors. Kairali has been helping amalgamate Ancient Ayurveda with contemporary wellness needs and healing mankind holistically worldwide for decades. The pharmaceutical manufacturing division of Kairali Group - Kairali Ayurvedic Products Private Limited (KAPPL) is a dependable and well established name involved in manufacturing, exporting and supplying an extensive collection of Ayurvedic Products and Herbal Medicines and has been strengthening the ancient tradition of Ayurveda through continuous Research and Development (R & D) of

available online to retail customers globally. Also all the products can be purchased from our Ayurvedic spas and treatment centres worldwide. See our Ayurvedic Medicine part for full details of over a hundred Ayurvedic products. Kairali Ayurvedic Group, a company that manufactures ayurvedic drugs, operates various resorts, spas and treatment centres and also runs institutes of Ayurveda is a leading Ayurvedic group of India. Kairali Ayurvedic Group is headed by joint Managing Directors Mrs. Gita Ramesh and Mr. K.V. Ramesh, both of whom hail from a long family lineage of traditional Ayurvedic doctors. Blessed with a legacy of expertise emanating from renowned physicians as the late Dr. Sankunni Vaidiar (grandfather of Mr. K. V. Ramesh) and the Dr. K. S. Vasudevan (father of Mr. K. V. Ramesh), Kairali Ayurvedic Group stands on a solid ground of Ayurveda knowledge and research. **Mob:- 9555156156.**

Dharmani Herbs India



Dharmani Herbs India
An ISO 9001 : 2015 & GMP Certified Co.

Ayurveda. The company has evolved as a prominent name in the industry by

Manufacturing and Supplying an assortment of Herbal / Ayurvedic Products such as Vitality Enhancer, Personal Care Products, Gynecological Products, Joint Care Products, Brain Tonic, Skino Skin Care Products, UTI & BPH Medicine, Digestive Medicine,, Cardiac Medicine and Anti Cold Medicine. The company believes in the fact that customer satisfaction is the vital force which determines the establishment of any organization. The foundation stone of the company was laid in the year 2005. The company was started in with the aim of establishing itself as a reputed Ayurvedic Products Manufacturer and Supplier. Under the futurist leadership of Dr. K. K. Aggarwal, the Director of the company, we have been able to establish a name of repute in the industry. **Infrastructure:-** The company boasts of a G.M.P certified sophisticated manufacturing unit, used for the production of a wide range of patented Ayurvedic Products. The production team is equipped with superior technologies that can produce qualitative products. The manufacturing specialists and production experts work relentlessly for producing continuous and proper remedies in conformity to the requirement of the health care sector. **Assured Quality:-** We ensure that our Ayurvedic Products are processed using ultra-modern technology under the supervision of pharmaceutical experts. Also, the Ayurvedic Products are packaged using high grade materials to ensure hygienic and safe shipment. We are assisted by a team of highly experienced Ayurvedic Doctors, who check every product sample for quality control analysis, thus ensuring the best Ayurvedic Products are sent to the market. **Network:-** Through persistent hard work we have been triumphant in building a well-recognized business network that is spread across India. The presence of the business network has facilitated the timely and proficient circulation of the Ayurvedic Products in the market. Dharmani Herbs India has positioned itself as one of the fastest growing Ayurvedic Products Manufacturers and Suppliers. Our remarkable range of Ayurvedic Products is inclusive of Vitality Enhancer, Skino Skin Care Products, Personal Care Products, Gynecological Products, Joint Care Products, Brain Tonic, ENT Medicine, Cardiac Medicine, Antidiabetic Medicine and Anti Cold Medicine. Our entire range is formulated by using the high-quality herbs and other ingredients. Moreover, we have never compromised on the quality and effectiveness of Ayurvedic Products. We also offer excellent packaging of the Ayurvedic Products gaining maximum customer satisfaction. **Mob:- 9990066036, 9999938354.**

Entiqa



Import of medical equipment & Supplies Ltd.

Entiqa is a young and dynamic company specializing in importing medical

equipment (www.entiqa.ly), consumables and supplies and it's a part of a group of companies under the name of: "ZEDSS GROUP" specializing in construction, medical and medicines trading, electromechanical and mechanical engineering in Libya. Entiqa established as an independent company in 2013 with capital 3,000,000 L.D about 2,300,000 USD after successful experience started from 2008 as a partner with another Libyan company. From 2013 Entiqa is supplying medical equipment and consumables for private and public sectors, about (50 private clinics, 5 public polyclinics), provide the full equipment for operation theater and intensive care unit and laboratories. Entiqa had corporate with global company from different countries like (china "homecare, Foyomed, Runsun, Bs cotton" – India "Lars Medicare, Disposafe, Net Care, Appasemy" – Turkey "Isik kardesheler , Sumer, Atese , Medsone, Novamedtek" – Poland "Infirmed" USA "DRE"). Entiqa co. have about 117 employees (equipment department 19 employees, consumable department 36 employees, pharmaceutical department 15 employees), administration department 42 employees, service department 5 employee. The company have a 11,000 m2 warehouse in Tripoli, Libya (covered area about 3000 m2) with international standard, dealing with a company in Dubai under MJKA General Trading name and MED Clinic company in Malta (www.med.com.mt). Medical equipment such as radiology ICU equipments, operation room assembly, nursery...etc. • Healthcare, medical items and devices. • Medical consumables such as syringes, cannula and needles...etc. • Medical Laboratories and blood banking devices, reagents, consumables...etc. • Pharmaceutical: distributing and impelling pharmaceutical products, cosmetic products and health consuming products. **Ph.:- 0218-7256700.**

Leader of Animal Healthcare
Wanted Business Associates All Over India Nepal & Bhutan

etmed biotech
SCO No. 6, Genrater House, Opp. City Look Hotel, Sai Road, Baddi-173205 (H.P.)
E-mail: puremedbiotech@gmail.com
Contact Number: +91-9882011313 +91-9736701313

PETCARE PRODUCTS

VIAL	IVOMED VIAL MEDITRAX-500 VET VIAL MEDITRAX TAZO VET MOKIMED FORT 200MG SCARBON VIAL K-SAFE-250/500 MG XYLOMED VIAL	Ivermectin 10 mg - 1 ml with dispo Ceftriaxone -500mg Ceftriaxone -500 mg + Tazobactam 62.5mg Amoxicillin -200mg + Sulbactam - 100mg Syrup: 1PM, 2mg + Benzyl Benzoate 1P, 0.2gm + Lidocaine Base U.S.P -250MG Ceftiofur - 250/500 mg Xylazine -2%
Tab.	IVOMED-20 TAB. WORMLOK-150 TAB FLYACT SPRAY PUREKLEEN HERBAL SPRAY GERMITICK SPRAY	Ivermectin 20 mg Fenbendazole 150mg Ceftiofur CR 100MG + Cefprozil CR 150MG + Neom CR 10 MG + Nig. CR 10 MG Syrup CR 10 MG + Neom CR 10 MG + Nig. CR 10 MG + Nig. CR 10 MG Permethrin 2% Spray
Spray	FRESH-N-KLEEN SOAP SCARBON DOG SOAP PET QUICK DRY BATH PUREKLEEN HERBAL SOFTPET Shampoo/Conditioner TICKS ALL OUT SHAMPOO	Neom E-Acetic - 0.25% + Neom Base - 0.5% + Tea Tree Oil - 0.25% + Neom Extract - 2% Aloes - 0.5% w/w + Permethrin - 1% w/w + Coaltar - 0.5% w/w Dry Washing With Power Of Aloe Vera And Neom (Dry Bath For Dog & Cat) Triclosan, + Neemoil, + Aloe Vera [Dog Shampoo] For Soft + Smooth + Shining Fur Cypermethrin 1% Ectoparasiticide
Shampoo	IVOMED PLUS SYRUP CALCIPET SYRUP/TAB IRO-SHINE SYR. KOF-VET SYR. REALVIT-H SYRUP SUPER STAR PET	Albendazole 25 mg + Ivermectin 1mg. Calcium 80mg + Phosphorus -40 mg + Vitamin D3 -400 IU + Vitamin E 10 -50 mg IRON TONIC (Ferric Ammonium Citrate, Folic Acid With Enzyme) Herbal Formula For Cough And Respiratory Problems VIA + V8 D3 + V8 E + V8 H + V8 C + V8 B12 + Elemental Selenium -8mg Amino Acid + Multivitamin Syrup / Tab. EPA-135 Mg + DHA - 90 Mg, Alpha Lipoic Acid 0.2 Mg, Linoleic Acid 52 Mg, Gamma Linoleic Acid 22 Mg, Vit A, Vit D3, Vit. E & Biotin 36 Mg
Syrups / Tab/Supplement	SUPERCOAT SYRUP MEDINURON PLUS PET SYR. MALTOPELOL SYP PROTI-PET POWDER	Mecobalamin Vitamins & Mineral Syrup For Dog Multi-base Vitamins Iron Copper & Calcium Supplements Whey Protein, Vitamins, Supplement (for Dogs)

Visit at..... www.puremedbiotech.in

new Ayurvedic products and medicines to suit modern life style. KAPPL manufactures and exports authentic Ayurvedic medicine in a state of art modern manufacturing facilities under strict quality control and with utmost care. Kairali has built its reputation of being one of the best in India by following very high standards while handling, procuring and manufacturing its herbal products. All the Kairali ayurvedic products are manufactured with raw materials that are Sourced locally and environmentally safe. The ingredients are not only organically grown but they are picked at the right season with utmost care for maximum potency and effectiveness. Kairali Ayurvedic Products Private Limited calls upon four generations of expertise in Ayurvedic medicine manufacture to formulate authentic herbal products and medicines using the best natural ingredients and produces authentic traditional Ayurvedic medicines as well as proprietary remedies suitable for a host of modern health conditions. Modern equipment and the highest standards of quality control allow us to give our retail customers, partners and distributors effective therapeutic Ayurvedic products and medicine. Kairali Ayurvedic Products Private Limited knows and understands that some modern conditions call for contemporary solutions that cannot be found in the ancient texts and thus have fashioned a amazing range of patented remedies, originally derived from the organic Ayurvedic herb farm in Kerala, and have expertly and judiciously combined the modern remedy and Ayurveda to produce powerful healing tonics. Kairali's range of skin care and body products is perfectly adapted from traditional Ayurvedic skin healing methods to nourish the skin and make you feel rejuvenated while enhancing your natural beauty from within. All the products of Kairali The complete range of Kairali's ayurvedic products is

निखिल गोयल 8386018396 नवनील गोयल 9413631699

तिरुपति मेडिकल्स

हमारे यहाँ पर अंग्रेजी देशी व पशुओं की सभी दवाईयाँ उचित रेट पर मिलती है।
नोट - हमारे यहाँ प्रॉपर्टी का सभी सामान मिलता है।
मैन चौक, PWD के सामने, चहरोड़ (अलवर) राज.

प्रो. राकेश वर्मा 9828891475 9782264154 महेश 9928417664

+ प्रिंस मेडिकल हॉल +

हमारे यहाँ पर अंग्रेजी देशी एवं पशुओं की दवाई उचित रेट पर मिलती है।
पता - नया बस स्टैंड के पास, मध्यावत समिति के सामने चहरोड़ (अलवर) राज.

Rajender M.: 9828315301 Amit M.: 9414490207 M.: 7737618486

जनहित मेडिकल हॉल

अंग्रेजी, देशी व पशुओं की दवाओं के थोक व खुदरा विक्रेता
पुराना बस स्टैंड, चहरोड़ (अलवर)
E-mail: amitjmh@gmail.com

Rakesh Garg Narendra Garg

Agarwal

MEDICAL AGENCIES
Deals in: All Generic & OTC Medicines

15, Shri J. Mention, Dawa Bazar, Lakhandawala Kuan, Alwar
M: 9026864950, 9460576335 Ph.: 0144-2703203

श्री गोपाल मेडिकल हॉल

दूकान संख्या : 2, लेक व्यू अपार्टमेंट, सेवा सदन पथ अपर बाजार, रीची - 834001 (झारखण्ड)
दूकान बंद रहने पर इमरजेंसी में कृपया इस नम्बर पर सम्पर्क करें : 9204753498
हमारे यहाँ सभी दवाईयाँ उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं।

Oriental Medical Store Agencies

Pharmaceuticals Distributor

Vaibhav Anand 9639999992, 0121-2522153
e-mail: oriental_2013@yahoo.com
147, Khair Nagar Bazar, Meerut - 250002

Dr. Deep Chand M. 9932671407

Deep Chand Clinic

Specialist in: Allergy, Pathry, Infertility (बांझपन)
Tajikara Bypass, Karampur Road, Tamsara, Alwar

Pankaj Jain 9414016669 Dheeraj Jain 9414680866

Chanda Medical

Tijara, Alwar, Rajasthan Ph.: 01469-262527
Email: jaipankaj1969@gmail.com

Kumud Goyal 0144-2701165 (O) 9928812865 (M)

Goyal Agencies

Wholesale Distributor of Pharma & Surgical
Shop No. 1, Dawa Bazar, Lakhanda Wala Kuan, Alwar (Raj.)
e-mail: goyal.alwar712@gmail.com

Rambabu Mittal 9414811810 Nitish Mittal 8233959595

Mittal Medicals

Wholesale Chemist & Druggists
16, Shri J. Mention, Lakhandawala Kuan, Alwar
Ph.: 0144-2331320, 2331321
nitishmittal4035@gmail.com

Mob.: 9413735410

गोपालिया मेडिकल्स

अंग्रेजी दवाईयों के विक्रेता
पुष्पल जलपुर के बगल, मिनावत पथ के चौक, बल्लर

Anil Gupta 9414811810 Yashpal Gupta 9414811810

Anil Medical & General Store

Wholesale & Retailer Chemist
Shop No. 4, Dawa Bazar, Lakhandawala Kuan, ALWAR
Ph.: 0144-2703606 (Shop)

ASHOKA MEDICAL HALL

7891747382 9166524126

Rishabh Agarwal Bhavesh Agarwal

Near government ladies hospital, Ram ganj bazar, Station Road, Alwar

प्रो. तनवीर गाजी 9719848842 8868814948

+ गाजी मेडिकल स्टोर +

हमारे यहाँ अंग्रेजी, आयुर्वेदिक एवं जानवरों की दवाईयाँ उचित मूल्य पर मिलती है।
मैन रोड, मिनावर, वदार्थ।

प्रो. लीकेश कर्करा 9927482290

मोहित मेडिकल स्टोर

हमारे यहाँ पर सभी अंग्रेजी दवाईयाँ एवं सौन्दर्य प्रसाधन या सामान उचित मूल्य पर मिलता है।
पता : 760/8, जागृति विहार, (मेरठ)

9759880880 8218937236

रजत मेडिकल स्टोर

हमारे यहाँ अंग्रेजी आयुर्वेदिक घृणाजी व जानवरों की दवाईयाँ मिलती है।
मथुरिया रोड कोतवाली रोड चौधरी सराय वदार्थ

Ph: 0657-2292101

SHANKAR MEDICALS

CHEMIST & DRUGGIST
Main Road - Jugsalai, Jamshedpur - 831006

Abhishek Mishra 91-9837182406

Ratna Medical Store

82, Dilli, Meerkala, Lal Kuti, Kani Bazar, Meerut Cantt.
Contact No.: 0121-2641265
email: abhishekgoel714@yahoo.co.in

J.K. Duggal 09219288200 Suresh Chhabra 09897808703 Shop: 0121-2511100

New Aarti

Medical Agencies
Wholesale Chemists & Druggists
Shop No. 10, Jain Boring House, Railway Road, Meerut City-250002

Anil Vij 9837339382 Vineet Vij 9927038849 Rajar Vij 0121-2421791

Royal Medical Store

227/A, Khajur Nagar Bazar, Meerut (U.P.)
email: royalmedical11@gmail.com

TIN No. 0967657475 UEN No. MRT-208-1002014 MRT-208-1002014

Shree Jee Medicare

0121-4059051 9897036370
E-mail: medicare.sj@gmail.com
Address: 206, Pooja Arcade, Opp. NAS college, Meerut

CHEMIST 25th June 2021 987084447

Rajdhani
MEDICAL AGENCIES

100% RELIABLE

Wholesale Distributors

8-12, Sarvni Plaza, Sakinaka, Ahmedabad
987084447, 987084447, 987084447

8533829940
9528939495
9761420790

+ MI मेडीकल स्टोर +

हमारे यहाँ पर अंग्रेजी व आयुर्वेदिक दवाइयों उचित रेट पर मिलती है।

98- 100 ककर (20 मिटर 20 मिटर) दुर्गा (गुजरा)

9125411957

अनिल मेडिकल स्टोर

अंग्रेजी व आयुर्वेदिक दवाओं के विक्रेता

98- 100 ककर (20 मिटर 20 मिटर) दुर्गा (गुजरा)

9409218109

AMBICA
MEDICAL & PROVISION STORES

Shop No. 10/804, Girdhamagar Bridge Corner, Shahibaug, Ahmedabad.

987084447

Sachcha Sauda
Medical Agencies

Distributor's
IVES FLUIDS GLASS & PLASTIC BOTTLES

DEALS IN : ALL GENERIC & AYURVEDIC MEDICINES.

OLD DUSSEHRA GROUND, MOGA-140901

987084447

M.M.A

MEHANDI RATTI MEDICAL AGENCY
WHOLESALE CHEMIST & DRUGS

Opp. Civil Hospital, Shop No. 41, Railway Road Bhawan-127021

Hirubhai Patel
M.9824268095 26761950
98242 26800 48010444

Nagraj
Medical Store

Free Home Delivery

Medicines Surgical Cosmetics Provisions

6, Sonal Complex, Opp. Sanjivani Hospital, Nr. Vastapur Lake, Ahmedabad-15.

Rudrap Thakkar
9824268095, 9824268095

LABH
MEDICAL STORES

4, Sushila Complex, Nr. Vasupur Bus Stop, Opp. Datta House, Vasupur, Ahmedabad-380051. E-mail: labh.thakkar@gmail.com

Amarjeet Singh Sethi 9824268095
Indrapreet Singh Sethi 9824268095

Free Home Delivery

Baba Medical Store
A House of Life Saving Drugs

32, BEGUM BRIDGE, NEAR CANTT. HOSPITAL DELHI ROAD, MEERUT CANTT.

HR

हरि रतन मेडिकल सेन्टर

24x7 इमर्जेंसी

9824268095, 9824268095

9756707212

Maha Laxmi Medicose

HLL (Moods), Nilife, Surgical & General Goods In Wholesale

16, Star City Complex, Khair Nagar Bazar Meerut - 250002

S.K. Gupta
Kshiti Gupta

9897194299
0121-2647354

GUPTA
MEDICINE STORE

115, Civil Lines, Sushila Jaswant Rai Hospital, Meerut
E-mail: guptakshiti76@yahoo.in

Getwell Medilinks
Complete Life Saving Solution

Vishal M. Saxena

F-12, First Floor, New Krishna Plaza, 5/5 Jyoti, Vihar, Near Connaught Place, Meerut

+91 9760293366
Email: getwellmedilinks@yahoo.com

Dr. Kuldeep Vashishtha, Veterinary Consultant

Vashishtha Pet Care

8 Breeding Males

Ex-Army 17 Yrs Experience & Diploma Holder In Veterinary

987084447, 987084447

PANKAJ GOYAL

9412454586

PANKAJ MEDICAL STORE

15, BHAGWATI COMPLEX, OPP. NANDAN CINEMA, GARH ROAD, MEERUT. 250002

Anil Agarwal
Mob: 9835791484
Kamal Agarwal
Mob: 9708587528

AGARWAL MEDICALS
CHEMISTS & DRUGGISTS
"GEETA NIVAS"
82, Straight Mile Road, Sakchi Jamshedpur - 831 001 (Jharkhand)
Phone: 0657-2434252, 9308122081
E-mail: agarwalmedicals2000@gmail.com

S.K. Gupta
Kshiti Gupta

9897194299
0121-2647354

GUPTA
MEDICINE STORE

115, Civil Lines, Sushila Jaswant Rai Hospital, Meerut
E-mail: guptakshiti76@yahoo.in

9997009256
8273378468

कृष्णा मेडीकल स्टोर

टेबलेट - 10%
इंजेक्शन - 10%-50%
सर्जिकल - 20%-50%

सर्जिकल व दवाइयों पर भारी छूट।

प्रो. भरत कुमार (दाव) 7230835111
Resi. M: 7665932932

+ सागर मेडिकल स्टोर +

अंग्रेजी, देशी एवं पशुओं की दवाइयों उचित रेट पर मिलती है।

मुन्सिफ कोर्ट के पास, फिरोजपुर रोड, तिजारा (अलवर) राज.

Sumer Singh Saini
Mob: 9667670535
9929735171

+ SAINI MEDICINE +
MEDICINE, GENERAL & COSMETIC

Shri Market, Gaurav Path, Near HDFC ATM Helram Chowk, Bhawadi-301019, Dist. Alwar (Raj.)
E-mail: sainimedicoes77@gmail.com

HOME DELIVERY ALSO AVAILABLE

Mob: 9660688877

+ OM +
MEDICAL & GENERAL STORE
CHEMIST & DRUGIST

Allopathic Drugs & Cosmetic

101, Red Wall Gali, Old Bus Stand, Bhiwani (Haryana) (Raj.)



SSBL PHARMA

थकान, तनाव, घटते जोश, स्टेमिना, शीघ्रपतन, धातुरोग

आदि कमजोरी को दूर करने के लिए
यह किट शुद्ध आयुर्वेदिक औषधियों द्वारा बनाई गए है।

यह किट एक अत्यन्त उत्तम बाजीकरण व रसायनिक योग है। यह सफेद मूसली, अश्वगंधा, कौंचबीज, केसर, शुद्ध शिलाजीत जैसे अत्यन्त महत्वपूर्ण चुनी हुई जड़ी बूटियों का एक उत्तम प्रभावशाली योग है।

ANSH VARDHAK

Indication

- Erectile Dysfunction
- Premature Ejaculation
- Sexual Enhancer
- Low Sperm Count

Inc. My Gold Jeevan Cap, Madanand Tila Oil, Dhātu paushtik Churn For Men Virility Enhancement

Contact : 9528644370
ssblpharma@gmail.com | www.ssblpharma.com

5 टिप्स जब आप रक्तदान करें

रक्तदान एक महान कारण है, इसके लिए एक दूसरा विचार कभी नहीं हो सकता है। लेकिन कुछ चीजें हैं जिन्हें ध्यान में रखते हुए याद रखने की जरूरत है कि क्या आप पहली बार रक्तदान कर रहे हैं या एक नियमित दाता। इस अच्छे कार्य में संलग्न रहते हुए अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट बुनियादी टिप्स हमेशा आवश्यक हैं। रक्तदान मानवता की सबसे अच्छी सेवा है। इसके साथ, आप किसी भी स्वार्थी उद्देश्य के बिना जीवन को बचाना सुनिश्चित करते हैं। रक्तदान करते समय खुद का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। आपकी अगली रक्तदान यात्रा से पहले याद रखने के लिए टिप्स निम्नानुसार हैं:

- 1. रक्तदान पात्रता:-** आवश्यक दिशानिर्देशों के अनुसार, रक्तदान के लिए कम से कम 17 वर्ष की आयु होनी चाहिए, लेकिन कुछ राज्य 16 साल की उम्र में भी सहमति से अनुमति दे सकते हैं। इसके अलावा, बुनियादी न्यूनतम रक्त गणना अनिवार्य है और गर्भवती महिलाएं रक्तदान नहीं कर सकती हैं। रक्त देने से पहले अपने रक्त प्रकार को जानना भी अत्यधिक महत्व का है। प्रारंभिक स्वास्थ्य परीक्षण या चेक-अप के माध्यम से जाना इस उद्देश्य के लिए आवश्यक है। रक्तदान के लिए जाने से पहले हीमोग्लोबिन के स्तर और रक्तचाप की जाँच की जानी चाहिए। पल्स दर और तापमान को भी पहले से जाँचना आवश्यक है। यदि आप रेड क्रॉस दिशानिर्देशों के साथ मापदंड से मेल खाते हैं तो रक्तदान हो सकता है। अगली यात्रा से पहले उनके बारे में अच्छी तरह जान लें।
- 2. रक्तदान से पहले क्या खाएं-पिएं?:-** एक बार जब आप रक्तदान के लिए स्वास्थ्य परीक्षण मानदंड पारित कर लेते हैं, तो अगला महत्वपूर्ण कदम स्वयं की देखभाल है। आप किसी को तभी बचा सकते हैं जब आप स्वस्थ हों। रक्त दान करने की योजना बनाने से पहले एक भोजन पोषण मूल्य में मजबूत और उच्च होना चाहिए। आलस आहार से चावल और आलू जैसे वसायुक्त खाद्य पदार्थों को हटा दें। इससे

आपके रक्त की गुणवत्ता बिगड़ सकती है। हाइड्रेटेड रहने के लिए बहुत सारे तरल पदार्थ जैसे पानी और जूस पिएं। दान से पहले न्यूनतम 16-औंस पानी पीना महत्वपूर्ण है।
- 3. रक्तदान के बाद क्या खाएं या पिएं?:-** रक्तदान के बाद भी सक्रिय और ऊर्जावान बने रहना आपके स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह सही भोजन खाने, आराम करने और बहुत सारा पानी पीने से किया जा सकता है। इसके अलावा, रक्त दान करने के बाद अपने आहार में मछली, बीन्स, पालक, अनाज और किशमिश जैसे आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें। यह लाल रक्त कोशिकाओं को बढ़ावा दे सकता है, और आप किसी भी थकान या बेचौनी का सामना नहीं करेंगे।
- 4. विश्राम आहार के साथ महत्वपूर्ण है:-** सुनिश्चित करें कि आपको कोई भी कठोर गतिविधि नहीं करनी चाहिए जो आपके लिए व्यस्त हो सकती है। भारी वजन उठाना या उच्च शक्ति वाले व्यायाम आपको कमजोर महसूस करवा सकते हैं। रक्तदान से ठीक पहले और बाद में खुद को ढीला छोड़ना महत्वपूर्ण है। यह अन्यथा आपको चक्कर आना शुरू कर देगा या बेहोश हो जाएंगे क्योंकि बड़ी मात्रा में स्वस्थ परिसंचारी रक्त दान किया जा रहा है। बस कुछ दिन बाकी हैं, और आप ज़िम में रॉक करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं!
- 5. जब कोई रक्तदान दोहरा सकता है:-** दो दान सत्रों के बीच कम से कम आठ सप्ताह का अंतर होना चाहिए। आपकी लाल रक्त कोशिकाएं फिर से भर जाएंगी, और नए तब तक उत्पन्न हो जाएंगे। बस इन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर एक नजर डालें और मानवता के लिए एक शानदार सेवा के लिए आगे बढ़ें।

सिप्ला ने स्थायी भविष्य के लिए 'टेरा कार्टा' का समर्थन किया

मुंबई: सिप्ला लिमिटेड ने आज 'सिप्ला' के रूप में संदर्भित किया कि उसने घोषणा की है कि उसने 'टेरा कार्टा' को समर्थन दिया है, जो एक लैंडमार्क चार्टर है जिसे निजी क्षेत्र के दिल में स्थिरता लाने के लिए तैयार किया गया है। चार्टर एचआरएच द प्रिंस ऑफ वेल्स के सप्टेम्बर मार्केट्स पहल का हिस्सा है जिसे 2020 में दावोस में लॉन्च किया गया था, जिसमें संस्थापक भागीदार जैसे बैंक ऑफ अमेरिका शामिल हैं। एचएसबीसी, बीपी, और अन्य लोगों के बीच नेटवर्क। जनवरी 2021 में इसकी शुरुआत के बाद से, इस पहल को 223 निजी क्षेत्र के संगठनों और 21 पेशेवर संगठनों से समर्थन मिला है। सिप्ला पांच भारतीय कंपनियों में से एक है और इसमें भाग लेने वाली एकमात्र भारतीय दवा कंपनी है। अपने स्वयं के पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन (ईएसजी) लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जारी रखने के दौरान, सिप्ला के पास इस क्षेत्र में और एक क्षेत्रीय स्तर पर ईएसजी प्रवचन को चलाने का अवसर होगा। इसी समय, इस पहल से प्रतिभागी संगठन एक दूसरे से क्रॉस-लर्निंग सीख सकेंगे। श्री उमंग वोहरा, एमडी और ग्लोबल सीईओ, सिप्ला कहा हुआ प्स्थायी और समान विकास हासिल करना इस सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों और जरूरतों में से एक है। महामारी ने दिखाया है कि सामूहिकता की शक्ति से क्या हासिल किया जा सकता है, और स्वास्थ्य सेवा और फार्मा क्षेत्र इसमें सबसे आगे रहा है। मैं टेरा कार्टा

का नेतृत्व करने और एजेंडा 2030 पर एक साथ व्यापार जगत के नेताओं को लाने के लिए एचआरएच प्रिंस ऑफ वेल्स की सराहना करता हूँ। हम इन लक्ष्यों में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अन्य क्षेत्रों और व्यापारिक नेताओं के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। सिप्ला भविष्य के लिए एक समग्र स्थिरता रोड मैप विकसित करने की दिशा में अपने ईएसजी एजेंडे को तैयार कर रहा है। FY19 के बाद से, सिप्ला ने विभिन्न पहल के माध्यम से 48 मेगावाट सौर ऊर्जा पोर्टफोलियो को जोड़ा है जैसे कि RESCO मॉडल के तहत ऑन-साइट रूफटॉप या ग्राउंड-माउंटेड सोलर, एक तृतीय-पक्ष सौर ओपन-एक्सेस पावर खरीद समझौता, और एक समूह कैप्टिव सोलर ओपन पहुँच परियोजना। कंपनी ने हाल ही में महाराष्ट्र के तुलजापुर में 30 एकड़ में फैले 11 मेगावाट के सौर समूह बंदी परियोजना की स्थापना की है, जो एक कॉर्पोरेट द्वारा स्थापित राज्य में सबसे बड़ी सौर खुली पहुँच परियोजनाओं में से एक है। 2025 तक, सिप्ला ने कार्बन और पानी की टटस्थता, जीरोफिल को जीरो-वेस्ट, एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस स्टीवर्डशिप, और ग्रीन केमिस्ट्री को प्राप्त करने की योजना बनाई है।

आया कोरोना

देखो देखो आया कोरोना
देखो देखो आया कोरोना
दुनिया भर में छाया कोरोना
बहुत बुरी है ये बीमारी
इसने बढ़ाई सबकी दुश्चारी
सारी दुनिया इससे हारी
करने ना दी कोरोना को मनमानी
बात मैंने बड़ों की मानी
सैनिटाइजर मास्क मैंने लगाया
कोरोना को दूर भगाया
आप लोग भी मास्क लगाओ
कोरोना को दूर भगाओ
देखो देखो आया कोरोना
दुनिया भर में छाया कोरोना।



Veeral Ruhela
Class 4th-E,
Renaissance school,
Bulandshahr,
9410016267

Creating New Possibilities for Healthy Life

WIDE RANGE OF Soft Gelatin

Your Inquires are welcome for **FRANCHISEE / PCD**
For Marketing & Distribution with Monopoly Rights

- GMP Certified Products
- Competitive Rates
- No Deposits Required
- Full Promotional Material Support

With A Wide Range of

- Tablets / Capsules / Softgels
- Liquids / Dry Syrup
- Injectables
- Herbal Preparations
- Ointments & Lotions

For further information visit www.capripharma.com

Capri PHARMACEUTICALS

651/2B; Punjab Mata Nagar, Near Canal Petrol Pump, Ludhiana-141002

Just SMS
(Your Name & Address to 099141-34854)
Fax : 0161-2561953; (O) 0161-2561950
Mobile : 098157-34854, 099141-34854
e-mail : info@capripharma.com

गर्भावस्था में विटामिन ए की कमी बच्चे में अल्जाइमर का जोखिम बढ़ाती है

टोरंटो:- गर्भावस्था के दौरान माँ द्वारा पर्याप्त विटामिन ए नहीं लेने से बच्चे को भविष्य में अल्जाइमर होने का खतरा बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि यह संज्ञात्मक विकार बच्चे में गर्भावस्था के दौरान या जन्म के ठीक बाद शुरू हो सकता है। यह शोध उस चुड़िया पर किया गया जिसमें आनुवांशिक परिवर्तन किए गए थे। इसमें चुड़िया के हाल ही में जन्मे बच्चों को विटामिन ए के कम स्तर वाले पूरक दिए गए और पाया कि यह मस्तिष्क विकार की प्रक्रिया को धीमा करने में प्रभावी है। कनाडा में यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया में प्रोफेसर वेहांग सांग ने कहा, “हमारा शोध बताता है कि विटामिन ए की गंभीर कमी, यहाँ तक कि गर्भावस्था के दौरान, भी मस्तिष्क के विकास पर खराब प्रभाव डालती है और इसके दीर्घकालीन प्रभाव आगे जाकर अल्जाइमर रोग का जोखिम पैदा कर सकते हैं।

आम है। इसके अतिरिक्त कुछ इंफेक्शन भी कभी-कभी सिरदर्द की वजह बन जाते हैं। **महिलाएँ रखें ध्यान:-** अक्सर महिलाओं को तेज सिरदर्द या अक्सर लेकिन नियमित क्रम में सिरदर्द की समस्या होती है, जिसे वह नजरअंदाज करती हैं। डॉ॰ बंसल कहते हैं कि महिलाओं में सिरदर्द कई कारणों से हो सकता है। मसलन, अगर कोई महिला कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स या हार्मोनल पिल्स का सेवन कर रही है या फिर किसी महिला की डिलीवरी या अबार्शन हुआ हो और उसे सिरदर्द की शिकायत हो तो उसे कोरटिकल वीनस थ्रोम्बोसिस हो सकता है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें सेरेब्रल नस में ब्लड क्लॉट्स बनने शुरू हो जाते हैं। यह नस मुख्य रूप से दिमाग से रक्त को वापिस लाने का कार्य करती है। इस तरह के सिरदर्द को बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, अगर इसे जल्दी डायग्नोसिस नहीं किया जाता तो सिरदर्द के साथ-साथ दौरे आना, व्यक्ति का कोमा में जाना या फिर व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। वहीं पुरुषों की बात हो तो उन्हें भी कोरटिकल

वीनस थ्रोम्बोसिस या सेरेब्रल वीनस थ्रोम्बोसिस हो सकता है, हालांकि उन्हें अपेक्षाकृत यह समस्या कम होती है। पुरुषों में सीवीटी अर्थात् कोरटिकल वीनस थ्रोम्बोसिस का मुख्य कारण निर्जलीकरण व विभिन्न प्रकार के प्रोटीन की कमी होता है। **कहीं लिबाईल हाइपरटेंशन तो नहीं:-** कुछ लोगों को भले ही ब्लड प्रेशर की शिकायत न हो लेकिन अगर फिर भी कभी-कभी अगर ब्लड प्रेशर एकदम से बहुत ज्यादा हो जाए तो व्यक्ति को तेज सिरदर्द का अनुभव होता है। इसे आमतौर पर, लिबाईल हाइपरटेंशन के नाम से जाना जाता है। इसलिए अगर व्यक्ति को बार-बार सिरदर्द हो तो बीच-बीच में व बारंबार ब्लड प्रेशर मॉनिटर करते रहना चाहिए और अगर ब्लड प्रेशर उच्च हो तो डॉक्टर की सलाह पर दवाई का सेवन किया जा सकता है। लिबाईल हाइपरटेंशन की पहचान करना आसान नहीं होता क्योंकि इसमें एक बार ब्लड प्रेशर के बहुत अधिक बढ़ जाने के बाद वापिस लौट आता है। ऐसे में ब्लड प्रेशर की मॉनिटरिंग ही इसकी पहचान का एकमात्र तरीका है। आमतौर पर लिबाईल हाइपरटेंशन का मुख्य कारण तनाव व चिंता होता है और दवाईयों के अतिरिक्त, धूम्रपान छोड़कर, कैफीन, नमक व अल्कोहल का सेवन सीमित करके इससे बचा जा सकता है। **अगर हो मधुमेह:-** अगर किसी व्यक्ति को पहले से ही मधुमेह है और उसे लगातार सिरदर्द की समस्या व आई प्रॉब्लम हो रही है तो यह संकेत है कि उसके रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ गया है। इसलिए ऐसे व्यक्ति को हेडके होने पर ब्लड शुगर की जाँच अवश्य करवानी चाहिए। **ब्रेन ट्यूमर का संकेत:-** आपको शायद पता न हो लेकिन बार-बार और तेजी से होने वाला सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर का प्रमुख लक्षण है। सुबह-सुबह होने वाला सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर का संकेत देता है। दरअसल, इंटराक्रैनियल प्रेशर; आईआईसीपीडू के लगातार बढ़ने से मस्तिष्क पर दबाव की मात्रा काफी बढ़ जाती है और इससे अत्यधिक तरल पैदा होता है। मस्तिष्क में सूजन आती है या एक गाँठ बन जाती है। जो ब्रेन ट्यूमर का कारण हो सकता है। ब्रेन ट्यूमर होने पर सिरदर्द के साथ चक्कर आना व आँखों के सामने धुंधला भी दिखाई देता है। **गिरने को न करें नजरअंदाज:-** डॉ॰ बंसल के अनुसार, अगर कोई वृद्ध व्यक्ति कहीं गिर जाता है या चोटिल हो जाता है और उसे सिरदर्द होता है तो उसे गंभीरता से लिया जाना बेहद आवश्यक है। दरअसल, इस स्थिति में उसे सबड्यूरल हिमेटोमा नाम ब्रेन इंजरी होने की संभावना बढ़ जाती है। कभी-कभी ऐसा होता है कि व्यक्ति चोट लगने के बाद सीटी स्कैन कराता है और उसमें सब कुछ सामान्य आता है लेकिन कुछ दिन बाद सिरदर्द शुरू हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि चोट लगने के पश्चात मस्तिष्क में से ब्लड का रिसाव शुरू हो जाता है, जो धीरे-धीरे इकट्ठा होता है। सबड्यूरल हिमेटोमा में, रक्त मस्तिष्क के चारों ओर उतकों के परतों के बीच एकत्र होता है। यह स्थान खोपड़ी के नीचे और मस्तिष्क के बाहर होता है। जैसे ही रक्त जमा होता है, मस्तिष्क पर दबाव बढ़ने लगता है। जिससे व्यक्ति को सिरदर्द का अहसास होता है। इसलिए अगर चोट लगने के बाद सिरदर्द लगातार बना रहे तो एकबार सीटी स्कैन अवश्य करवा लेना चाहिए। इसे नजरअंदाज करने पर व्यक्ति को पैरालिसिस, दौरे पड़ने, बेहोशी या मनुष्य की मृत्यु भी हो सकती है।

जैसा मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर दूसरे नये वस्त्रों को ग्रहण करता है,

वैसे ही आत्मा पुराने तथा वृद्ध शरीर को त्यागकर नये शरीर को प्राप्त करती है.

Monopoly Business Right In Your Location

For PCD FRANCHISE

TABLETS CAPSULES LOTIONS POWDERS SACHETS INJECTABLES SYRUPS

8218578798, 0121-4304410

Marketed by : **Spa Biological Labs®**

Sale Depot : 4/1, Jwalapuri, Delhi Road, Mrt.

A.O.: E-401, Lloyds Estates, Wadala, Mumbai - 400037

आपकी बीमारियाँ भी बन सकती हैं, सिरदर्द का कारण, जार्ने लक्षण और समाधान

आज की बिजी लाइफ में सिरदर्द की समस्या बेहद आम हो गई है। ऐसे लोग बेहद कम ही होंगे, जो सिरदर्द की समस्या को गंभीरता से लेते हों। अमूमन लोग खुद से दवाई का सेवन कर लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बार-बार एक ही जगह होने वाला सिरदर्द एक संकेत है कि आपको अन्य भी कुछ गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं। तो चलिए जानते हैं **सिरदर्द देता है संकेत:-** सरोज सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के एचओडी व सीनियर कंसल्टेंट डॉ॰ जयदीप बंसल कहते हैं कि बार-बार होने वाला सिरदर्द कई तरह के संकेत देता है। अगर इस पर समय रहते गंभीरता से ध्यान दिया जाए तो मनुष्य अन्य कई गंभीर बीमारियों से आसानी से बच सकता है। विशेष तौर पर, सिर के एक हिस्से पर या विशेष भाग में सिरदर्द होने का कारण अन्य बीमारी भी हो सकती है और अगर उस बीमारी को पहचानकर उसका इलाज कर दिया जाए तो सिरदर्द की समस्या खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है। **आँखों की समस्या:-** अगर किसी व्यक्ति को सीरियस हेडके, सेंटल हेडके या आँखों के ठीक उपर दर्द होता है या फिर किसी व्यक्ति को विजन में भी प्रॉब्लम होती है तो हो सकता है कि उस व्यक्ति को नेत्र संबंधी बीमारी जैसे ग्लूकोमा आदि हो। इसके अतिरिक्त जिन लोगों को चश्मा लगा होता है, उसका नंबर चेंज होने पर या आर्थराइटिस की समस्या होने पर भी व्यक्ति को सिरदर्द की शिकायत होती है। **हो सकता है साइनसिस:-** अगर किसी को सिरदर्द के साथ-साथ माथे, आँख या गालों में दर्द का अनुभव हो तो यह साइनस के कारण हो सकता है। इस तरह की समस्या होने पर सिरदर्द की शिकायत होना आम है। इसके अतिरिक्त कुछ इंफेक्शन भी कभी-कभी सिरदर्द की वजह बन जाते हैं। **महिलाएँ रखें ध्यान:-** अक्सर महिलाओं को तेज सिरदर्द या अक्सर लेकिन नियमित क्रम में सिरदर्द की समस्या होती है, जिसे वह नजरअंदाज करती हैं। डॉ॰ बंसल कहते हैं कि महिलाओं में सिरदर्द कई कारणों से हो सकता है। मसलन, अगर कोई महिला कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स या हार्मोनल पिल्स का सेवन कर रही है या फिर किसी महिला की डिलीवरी या अबार्शन हुआ हो और उसे सिरदर्द की शिकायत हो तो उसे कोरटिकल वीनस थ्रोम्बोसिस हो सकता है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें सेरेब्रल नस में ब्लड क्लॉट्स बनने शुरू हो जाते हैं। यह नस मुख्य रूप से दिमाग से रक्त को वापिस लाने का कार्य करती है। इस तरह के सिरदर्द को बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, अगर इसे जल्दी डायग्नोसिस नहीं किया जाता तो सिरदर्द के साथ-साथ दौरे आना, व्यक्ति का कोमा में जाना या फिर व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। वहीं पुरुषों की बात हो तो उन्हें भी कोरटिकल

CARDIAMRIT

For a healthy Heart

● कोलेस्ट्रॉल स्तर को नियंत्रित करने में सहायक।
● हृदय धमनी की स्थिति में लाभकारी।
● हृदय रोगियों के लिए विशेष रूप से प्रभावशाली।
● हृदय के विकारों में जैसे- उच्च या निम्न रक्तचाप, दिल धड़काना, अचानक दिल की धड़कन कम या ज्यादा होना, सांस फूलना, हृदय रोग के कारण शरीर में सूजन आना आदि में लाभकारी।
● हृदय की परेशानियाँ और धमनी का रक्तवरोध (आर्टिरियल ब्लॉकेज) आदि में पर्याप्त लाभ होगा।

NATURE'S WAY TO STAY HEALTHY

LEMON, DALCHINI, ALSI, ARJUNA, LASUNA, ASHWAGANDHA, GINGER, TIL, PUNARNAVA, HARIDRA, ACV, HONEY

Ayurvedic Syrup for COUGH & THROAT infection
जल्दी ON, खर्च GONE

Ayurvedic PAIN OIL for joints
GIVE PAIN A GOODBYE

For any kind of trade inquiry/Loan Licensing/
Third party Manufacturing Call
☎ : +91-7007143933 | +91-7991665555
✉ : support@vaidyamrit.in | www.vaidyamrit.in

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK

Location	Party Name	Contact No.
Agra	Satish Book Enterprises	9997877123
Ahmedabad	Bharat Medical Book House	9824013920
Akola	Book Emporium	9422861751
Aligarh	Rama Book Store	9319275252
Allahabad	Chetana Medical Books	9307978423
Amritsar	City Book Shop	0183-2571591
Amritsar	Medical Books & Surgicals Centre	0183-2422729
Aurangabad	Arihant Excel Medical Book House	9822259681
Aurangabad	Shri Samarth Book Depot	9822034577
Belgaun	Shri Ganesh Book Stall	8312461258
Berhampur	Book World	9861015189
Bhagalpur	Kora Kagaz	9771511779
Bhopal	Lyall Book Depot	0755-2543624
Bhubaneswar	Annapurna Medical Book Shop	9861243882
Bikaner	Academy Book Centre	9414138998
Burla	Bharat Book Emporium	9337335744
Calicut	Ramdas Sotes & Books	0495-2358398
Chennai	Chennai Medical Book Centre	044-66246369
Chennai	Shah Medical Books	9444829937
Coimbatore	Arasu Medical Book House	9444308567
Coimbatore	Balaji Medical Books	0422-6725292
Coimbatore	Dass Medical Book Shop	9443958620
Cuttack	Scientific Book Depot	9437020414
Delhi	Mirza Book Depot	9958723206
Delhi	Pawan Book Service	9810202316
Delhi	R.S.Book Store	9810546759
Delhi	Sagar Book Depot	9811680722
Delhi	University Book Store	9818357577
Dhulea	Koshal Book Shop	9423916592
Gorakhpur	Medical Book Centre	9450884543
Gwalior	Anand Pustak Sadan	9425114555
Indore	New Jain Book Stall	9926636333
Indore	Scientific Literature Company	9826299744
Jabalpur	Lords Book Sellers	9425155125
Jabalpur	Akash Pustak Sadan	9826563047
Jaipur	Kumar Medical Book Store	9829610430
Jammu	Bhartiya Pustakalaya	9796636000
Jammu	Narend Book Depot	9419114398
Jamnagar	Jay Medical Book Centre	9925236982
Jodhpur	Book World	9829088088
Jorhat	Naveen Pustakalaya	9435514204
Kolhapur	Ajab Pustakalaya	9881424434
Kolkata	Raj Book House	9432550891
Kota	R.K.Stationers	9829087574
Koti Hyderabad	Osmani Medical Book House	040-64644253
Koti Hyderabad	Paras Medical Books Pvt Ltd.	040-24600869
Koti Hyderabad	Sharp Medical Book Centre	040-65544303
Lucknow	Aditya Medical Books Pvt Ltd.	0522-2611724
Lucknow	Arora Book Agencies	0522-4046778
Ludhiana	Verma Book Depot	9872202530
Madurai	Medical Books & International	9344101063
Meerut	City Book Centre	0121-4056292
Meerut	Menakshi Prakashan	0121-2645498
Meerut	R LAL Book Depot	0121-2666235
Mumbai	The National Book Depot	022-24131362
Mumbai	Vikas Medical Book House Pvt Ltd.	022-23010441
Mumbai	Bhalani Medical Book House	022-24171660
Nagpur	New Medical Book Shop	9822225591
Nagpur	Book Source	9850943011
Patna	Current Book Service	9431077745
Pune	J D Granth Bhandar	020-24492832
Raipur	S.K.Medical Book House	9329637397
Raipur	Sristhi Book Stationery Mart	9300855027
Rajkot	Jay Books Medical Book	9925236984
Ranchi	Student Book Depot	0651-2221907
Saharanpur	Hans Pustak Bhandar	9457449388
Sangli	Tanavade & Sons	9823049499
Sri Nagar	Doctors Dotkom	9086454647
Tirupati	Shri Venkateswar Book Depot	9885479105
Trivandram	Professional Book House	9495951506
Varanasi	Atithi Medical Books	9307978423
Varanasi	Current Book Agency	9335015235
Visakhapatnam	Andhra Medical Book Centre	9985716032
Visakhapatnam	World Medical Book Centre	9849022192

COMPANY PROFILE

MEROVEN PHARMACEUTICALS

MEROVEN is specialized in medical, pharmaceutical, OTC and other healthcare products. MEROVEN's has regional representative sales offices throughout the world including Europe, South East Asia, MENA and in particular the GCC. MEROVEN's scope of business includes the following commercial activities:-

- MANUFACTURING PHARMACEUTICALS
- MANUFACTURING HEALTHCARE PRODUCTS
- TRADING IN MEDICAL DEVICES, DURABLE MEDICAL GOODS AND CONSUMABLES.

MEROVEN has established strategic international partnerships with other leading companies in healthcare to support its vision. These partnerships span from USA, Canada, EU and the GCC. MEROVEN offers its clients western quality generic medicines that fill a niche, gap and/or offer innovative technologies for delivery.

Mission:- Living a healthy life. Our basic task is to enable people to lead a healthy, good quality life. This we achieve through our rich range of products and services – with prescription pharmaceuticals, self-medication products, with cosmetic and animal health products, and with our health-resort services, with investment in people and the environment, and through sponsorship and donations.

Vision:- We are continually consolidating our position as one of the leading generic pharmaceutical companies worldwide. We are achieving this on our own by strengthening the long-term business connections and by establishing partnerships in the fields of development, product supply and marketing.

Values:- Speed and flexibility Our knowledge, our abilities, our capability to innovate, our productivity and our ingenuity enable us to be fast. We want to be first. Not just in sales, but in discovering the markets' new needs. We can do this by successfully shortening the development process, swift acquisition of registration documentation and our harmonised production and distribution. With our responsiveness and the ability to adapt we overcome the obstacles in our path, be they of a marketing or legislative nature. We can cope with any and all challenges – regardless of the size and the site of the project. Using flexible solutions, we make sure our partners can rely on us. info@meroven.com

Ahlawat Pharmacy

Ahlawat Pharmacy established in the year 2003 with a vision to be a Leading International Ayurvedic Healthcare Company, improving Quality of Life. The mission of Ahlawat Pharmacy is to provide standardized and researched Ayurvedic healthcare products and services for consumer wellbeing. It is one of the few facilities which blend modern production technology and advanced quality measures into the area of Ayurvedic products and herbal health care medicines.

Our Mission:- "To support a healthy & active lifestyle through our broad portfolio of Pharma, OTC & FMCG products."

Our Vision:- "To be amongst the top pharmaceutical companies of India by 2020-21"

Benefits of Ayurveda:- Ayurveda is not only treatment, it is a way of life. ● Has no side effects ● Gives happy, healthy disease free long life ● Makes you tension free ● Relaxes mind ● Provides knowledge about life ● Tells about good and bad dietary effects to life ● Tells the way for moksha, with keeping good health status ● Helps to achieve - dharma, arth, kama, moksha

- Mob:- 09412025125

ahlawatpharmacy@gmail.com

Multani Pharmaceuticals Ltd.

M/s. Multani Pharmaceuticals Ltd. Company is fully managed by highly qualified and experienced team of professionals. The Team comprises of Chartered Accountants, M.D Drs, Scientists, R&D, Marketing & Production Experts and others. Multani Pharmaceuticals Ltd. is growing day by day. Company has maintained the good ranking in top Ayurvedic, Unani and Herbal Medicines manufactures. Now Multani Pharmaceuticals Ltd. has spread its business internationally with high quality and efficacy. Our Company product has two manufacturing units in Roorkee & Delhi with HO at OKHLA PHASE-2 New Delhi. The success of the company is the effort of hundreds of team members working in various departments.

Multani is committed on providing excellent quality products to our customers at updated price. The results of our policies and initiatives speak for themselves.

- Leading Ayurvedic & Unani products Company with Multi Crore turnover
- 3 Major strategic business units: Ayurvedic-OTC Division, Unani business division
- 2 Ultra-Modern manufacturing plants in India (Roorkee & Delhi)
- Products marketed Internationally
- Deep market penetration with over more than 1000 Distributors and with coverage in

over Five lakhs stores all over India ● Multani Research Foundation and Drug Testing Laboratory have also been set up in the Uttarakhand Plant of the Co. Here Drug Testing & R&D activities are also carried on. **Products Manufacturing:-** Kuka, Chyawanprash ● kuka Tablet etc. ● Along with OTC products ● patent products like Muliv ● Sunderi jeevak ● Sugaralo ● Panchmeena Tonik ● Mulfair Syrup ● Asthamin ● Hypnox ● Rhumed Strong Capsule ● Shukra Shakti ● Swapna Roghar etc. We also manufacture Grantha products & follow grantha processing procedure e.g. ● Asav ● Ras Rasayan etc Dr's & prescribing fraternity which is paying the Company excellent dividends.

- Mob:- 7290003591, support@multani.org

TULSI AYURVED SEWA SANSTHAN



Located in Delhi and active since 2016, we, Tulsi Ayurved Sewa Sansthan, aims to emerge as the prime choice of customers to have the business deals. We supply items like Khadi Herbal Face Wash, Ayurveda Juice, Khadi Herbal Soap, Saffron Bath Soap, Khadi Herbal Body Lotion, Khadi Herbal Shampoo, Khadi Herbal Hair Conditioner, Herbal Mehendi and much more that are prepared from finest grade ingredients. We own a state-of-the-art production house that has the capacity to meet even the bulk requirements in the minimal time frame. In our business operations, we are supported by diligent squad of experts who work all day long to present an effective product range. Our company aims to deliver the items that give effective results to the user without causing any side-effect.

- Mob:- 08010447567.

GARY PHARMACEUTICALS



Gary Pharmaceutical, one profound and robust specialty pharmaceutical manufacturer & exporter company and ISO 9001:2015 & cGMP certified dedicated to dermatology and cosmetology. Our diversified products that cover all type of range like Anti Acne, Anti Allergic, Anti Fungal, Anti Scabitic, Anti Seborrhea, Melanizing Agents, Steroids & Steroids Combinations, Skin Vasculature & Alopecia, Emollients, Keratolytics & Cleansers, Anti Infective, Sunscreens and Demelanizing Agents and many more in the form of Tablets, Capsules, Creams, Lotions, Gels, Soaps, Shampoos. Our company developed medicines and products with a vision of catering better solutions at most affordability. Our company offers comprehensive pharmacy manufacturing (third party or contract manufacturing) and PCD pharma franchise opportunities for Derma range across India.

Mob:- 81469-94993, +91-81469-94996, 95927-88478.

India's Biological E. to produce Johnson & Johnson's Covid-19 vaccine

The infrastructure and plants are completely separate for both the products and we will be producing both independent of each other," Biological E's managing director Mahima Datla said. India's Biological E. will produce the Johnson & Johnson Covid-19 vaccine alongside its own candidate, its managing director told Reuters on Tuesday, which could boost the country's overall supplies amid a shortage. "The infrastructure and plants are completely separate for both the products and we will be producing both independent of each other," Biological E's managing director Mahima Datla said in a text message, declining to give any timeline or other details. She told Reuters in February that Biological E. was looking to contract-manufacture about 600 million doses of the J&J vaccine annually. India's government, however, did not factor in any production of J&J this year in the country in a list of likely vaccine output released last week. J&J confirmed to Reuters it was working with Biological E. on manufacturing its vaccine. "We believe Biological E. will be an important part of our global Covid-19 vaccine supply network, where multiple manufacturing sites are involved in the production of our vaccine across different facilities, sometimes in different countries and continents, before the vaccine can be distributed," a J&J India spokesperson said in an email. J&J said last month it had sought permission to conduct a local clinical trial in India for its single-dose vaccine. Biological E., based in the southern Indian city of Hyderabad, also plans to produce 75 million to 80 million doses of its own vaccine a month from August. The drug has been developed with Baylor College of Medicine in Houston and Dynavax Technologies Corp. The United States said in March it would finance Biological E.'s efforts to produce at least 1 billion doses of Covid-19 vaccines by the end of 2022. Reuters reported on Tuesday that India was unlikely to resume major exports of Covid-19 vaccines until at least October as it diverts shots for domestic use, a longer-than-expected delay set to worsen supply shortages from the global COVAX initiative.



तनाव और वजन को कम करने में बेहद असरदार है तुलसी, जानें ये शानदार लाभ!

तुलसी को हिंदू धर्म में पूजनीय माना जाता है। लेकिन आपको बता दें कि तुलसी सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। तुलसी को आयुर्वेद में औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी के सेवन से कई बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। हर भारतीय हिंदू घर में आसानी से आपको तुलसी का पौधा मिल जाएगा। क्योंकि तुलसी को हिंदू धर्म में पूजनीय माना जाता है। लेकिन आपको बता दें कि तुलसी सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। तुलसी को जीवन के लिए अमृत समान माना जाता है। इसमें कई औषधिय गुण भी होते हैं। तुलसी के स्वास्थ्य लाभों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तुलसी को आयुर्वेद में औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी के सेवन से कई बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। तुलसी के बीज पत्ते सभी स्वास्थ्य लाभों से भरे होते हैं। तुलसी में

एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-फ्लू, एंटी-बायोटिक, एंटी-इफ्लेमेन्ट्री के गुण पाए जाते हैं। तुलसी को वायरल फ्लू से बचाने के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। तुलसी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए भी लाभदायक मानी जाती है। तुलसी सर्दी-खांसी से लेकर कई बड़ी और गंभीर बीमारियों में भी एक कारगर औषधि है। तुलसी को रोजाना पानी में मिला कर पीने से शरीर को कई लाभ मिल सकते हैं। आज हम आपको बताते हैं तुलसी से मिलने वाले लाभों के बारे में। **तुलसी के फायदे:-** 1. **वजन घटाने:-** तुलसी को वजन घटाने के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। ये सुपर हेल्दी ड्रिंक आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने के साथ कमर को भी पतला करने में मदद करता है। तुलसी में प्राकृतिक कैल्सिकल्स होते हैं, जो वजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। 2. **मुंह की बदबू:-** तुलसी

को मुंह की बदबू को दूर करने के लिए लाभदायक माना जाता है। अगर आपके मुंह से बदबू आ रही है, तो तुलसी के कुछ पत्तों को चबा लें। ऐसा करने से दुर्गंध चली जाती है। और कोई साइडइफेक्ट भी नहीं होते इसलिए आप मुंह की बदबू को दूर करने के लिए तुलसी का इस्तेमाल कर सकते हैं। 3. **तनाव:-** कई अध्ययनों का मानना है कि तुलसी के पानी का नियमित सेवन, तनाव जैसी समस्याओं को कम करने में मदद कर सकता है। ये एक एंटीडोट के रूप में काम करता है और दिमाग को शांत कर तनाव को दूर करने में मददगार हो सकता है। 4. **पिंपल्स:-** तुलसी पिंपल्स की समस्या से छुटकारा दिलाने में मददगार हो सकती है। तुलसी की पत्तियों का सेवन कर कील-मुहांसे की समस्या को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा ये आपके चेहरे को चमकदार बनाने में भी मदद कर सकती है।

संक्रमित व्यक्ति के एरोसोल हवा के जरिए 10 मीटर तक की दूरी तय कर सकते हैं

नई दिल्ली: प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय ने गुरुवार को कहा कि एक कोविड सकारात्मक व्यक्ति के एरोसोल हवा के माध्यम से 10 मीटर तक की यात्रा कर सकते हैं। उचित वेंटिलेशन संचरण की संभावना को कम कर सकता है। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय ने अपनी एडवाइजरी श्रृंखला द ट्रांसमिशन, क्रश द पैन्डेमिक-मास्क, डिस्टेंस, सेनिटाइजेशन, और वेंटिलेशन में अपनी सलाह में कहा है कि अच्छी तरह हवादार जगह संक्रमित हवा के कोविड -2 वायरल लोड को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे में संचरण के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं। एडवाइजरी में कहा गया है, श्लार और नाक से निकलने वाली बूंदों और एरोसोल के रूप में स्राव एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में वायरस ले जाते हैं। बड़े आकार की बूंदें जमीन पर और सतहों पर गिरती हैं, और छोटे एरोसोल कण हवा में अधिक दूरी तक ले जाते हैं। 'इसमें कहा गया है कि एक बिना हवादार बंद कमरे में, बूंदें और एरोसोल तेजी से केंद्रित हो जाते हैं और कमरे में मौजूद लोगों में संचरण की संभावना को बढ़ाते हैं। इसमें बताया गया, एक संक्रमित व्यक्ति के 2 मीटर के भीतर बूंदें गिरती हैं और एरोसोल को 10 मीटर तक हवा में ले जाया जा सकता है। वायरस को फैलने से रोकने के लिए पहले छह फीट (1.8 मीटर) का अंतर बनाए रखना अनिवार्य किया गया था। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस बात को लेकर चिंता जाहिर की है कि बिना किसी बाहरी व्यक्ति से मिले वे कैसे संक्रमित हो गए। साल के पहले भाग में, सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (CCMB), हैदराबाद और इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी (IMTech), चंडीगढ़ ने कहा कि संक्रमण हवा से हुआ था। वैज्ञानिकों ने यह देखने के लिए कई अस्पतालों के साथ समन्वय किया है कि क्या अस्पतालों के वाडों में हवा के नमूनों में वायरस के कण दिखाई दे रहे थे। अपनी सलाह में, पीएसए के कार्यालय ने कहा कि वेंटिलेशन एक सामुदायिक सुरक्षा के रूप में कार्य करता है और घर या काम पर हमारी सुरक्षा करता है। एडवाइजरी उस महत्वपूर्ण भूमिका की ओर इशारा करती है जो बिना हवादार कमरों में संक्रमित

हवा के वायरल लोड को कम करने में हवादार स्थान निभाते हैं। इसने कहा, 'वेंटिलेशन एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे में संचरण के जोखिम को कम कर सकता है।' जिस तरह खुली खिड़कियां, दरवाजे और निकास प्रणाली हवा से गंध को कम करती है, उसी तरह बेहतर दिशात्मक वायु प्रवाह के साथ वेंटिलेटर हवा में संचित वायरल भूमि को कम करते हैं, जबकि संचरण की संभावना को कम करते हैं, सलाहकार के अनुसार। वेंटिलेशन एक सामुदायिक सुरक्षा है जो घर या काम पर हम सभी की सुरक्षा करती है। कार्यालयों, घरों और बड़े सार्वजनिक स्थानों में बाहरी हवा का परिचय देने की सलाह दी जाती है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में समान रूप से इन स्थानों में वेंटिलेशन में सुधार के उपाय तत्काल प्राथमिकता पर किए जाने चाहिए, झोपड़ियों, घरों, कार्यालयों और बड़े केंद्रीकृत भवनों के लिए सिफारिशें दी गई हैं। पंखे, खुली खिड़कियां और दरवाजे, यहां तक कि थोड़ी खुली खिड़कियां भी बाहरी हवा को पेश कर सकती हैं और अंदर की हवा की गुणवत्ता में सुधार कर सकती हैं। इसमें कहा गया है कि क्रॉस वेंटिलेशन और एजॉस्ट फैन वायरस के प्रसार को कम करने में मदद करेंगे। जब बाहरी वायु वितरण विकल्प सीमित होते हैं, तो केंद्रीय वायु-प्रबंधन प्रणालियां काम आती हैं। इसने कहा कि कार्यालयों, सभागारों और शॉपिंग मॉल में गैबल फैन सिस्टम, रूप वेंटिलेटर आवश्यक हैं। इसे बार-बार सफाई और फिल्टर बदलने की भी आवश्यकता होती है। साँस छोड़ने, बात करने, बोलने, गाने, हंसने, खांसने या छींकने के दौरान एक संक्रमित व्यक्ति की लार और नाक से बूंदें और एरोसोल के रूप में स्राव संचरण का मुख्य तरीका है। एक स्पर्शोन्मुख व्यक्ति भी वायरस संचारित कर सकता है। इसकी एडवाइजरी में बिना लक्षण वाले लोग भी वायरस फैला सकते हैं। लोगों को मास्क, डबल मास्क या एन95 मास्क के इस्तेमाल से परहेज नहीं करना चाहिए। यह निष्कर्ष निकाला कि SARS&CoV-2 वायरस मानव मेजबान को कई से ही संक्रमित करता है। यह मेजबान को बिना जीवित नहीं रह सकता। अगर संचरण के तरीके को रोक दिया जाए तो संक्रमण की दर को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

अनलॉक शीघ्र होगा

आगरा से आशीष शर्मा जी द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार भारत में आई कोरोना की दूसरी लहर पर काबू पाने के बाद अब केंद्र और राज्य सरकारें अनलॉक की तरफ कदम बढ़ाने का मन बना चुकी हैं। कोरोना की दूसरी लहर बेहद घातक साबित हुई है। इसकी रोकथाम के लिए राज्य स्तर पर लॉकडाउन लगाने का फैसला लिया गया था। लेकिन अब जबकि कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट का असर देखा जा रहा है कि और विशेषज्ञ भी इस बात को कह चुके हैं कि दूसरी लहर का पीक निकल चुका है तो अब सरकार का ध्यान अनलॉक प्रक्रिया की तरफ है। इस लॉकडाउन के दौरान कई तरह की आर्थिक गतिविधियां बंद होने की वजह से छोटे व्यापारियों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। गौरतलब है कि देश के कई राज्यों में इस माह के अंत तक के लिए लॉकडाउन जारी है। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान महाराष्ट्र, कर्नाटक, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक मामले सामने आए थे। ये पूरे भारत से आने वाले मामलों की तुलना में करीब 36 फीसद थे। अब इनमें तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। हालांकि अब तमिलनाडु, केरल, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में सबसे अधिक मामले सामने आ रहे हैं। इन राज्यों का देश की जीडीपी में करीब 25 फीसद का योगदान है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बात की घोषणा कर चुके हैं कि 31 मई से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। लेकिन ये तभी होगा जब कोरोना से आने वाले नए मामलों में गिरावट का रुख जारी रहेगा। दिल्ली के उप राज्यपाल, मुख्यमंत्री और दिल्ली डिजिस्ट्रार मैनेजमेंट ऑथरिटी की बैठक के बाद ये निर्णय लिया गया है। हालांकि अनलॉक की प्रक्रिया कैसी होगी अभी इसका कोई खुलासा नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि पहले की ही तरह चरणबद्ध तरीके से अनलॉक को अंजाम दिया जाएगा। शुरुआत में कंस्ट्रक्शन और फैक्ट्रियों को खोला जाएगा। शुरुआत में दिल्ली के मुख्यमंत्री के मुताबिक उन्होंने बैठक के दौरान इसकी सलाह भी दी है। यहां पर सरकार कोविड प्रोटोकॉल के साथ दिल्ली मेट्रो को शुरू करने की इजाजत दे सकती है। इसके अलावा कुछ बाजारों को एहतियात के साथ खोला जा सकता है। सीमित संख्या के तहत शादी समारोह को भी छूट दी जा सकती है। लेकिन इन सभी जगहों पर कोविड-19 के लिए बनाए गए सभी प्रोटोकॉल का पालन कड़ाई से करना होगा। नियमों के तहत सरकारी दफ्तरों को भी खोला जा सकता है। ऐसा भी मुमकिन है कि शुरुआत में दफ्तर में आने वाले कर्मियों की सीमित संख्या और फिर धीरे-धीरे इसको बढ़ाया जाए। मध्य प्रदेश भी अनलॉक प्रक्रिया के शुरू करने की घोषणा कर चुका है। इस प्रक्रिया के तहत 1 जून से चरणबद्ध तरीके से पारबंदियां हटाई जाएंगी। राज्य के पांच जिलों में कोरोना के नए मामलों में आई गिरावट को देखते हुए कुछ ढील पहले ही दे दी गई है। यहां पर 1 जून से सरकारी दफ्तरों को सीमित कर्मचारियों के साथ खोला जा सकता है। हालांकि सिनेमाघर, मॉल, कोचिंग संस्थान को बाद में खोला जाएगा। महाराष्ट्र में 1 जून से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। इसके तहत अलग अलग चरणों में दुकानों, शॉपिंग माल स, ऑफिसों और अन्य चीजों को खोला जा सकता है। माना ये भी जा रहा है कि होटल, रेस्तरां,

बार, शराब बिक्री की दुकानों और धार्मिक स्थलों को अंतिम चरण में खोलने की अनुमति मिल सकती है। आपको बता दें कि कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान महाराष्ट्र देश के सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक था। उत्तर प्रदेश सरकार में कोविड के मामले कम हुए हैं लेकिन ब्लैक फंगस लगातार अपने पांव पसार रहा है। हालांकि इसके बावजूद यहां पर लॉकडाउन को बढ़ाए जाने की उम्मीद कम ही दिखाई दे रही है। माना जा रहा है कि सरकार 1 जून से बाजार पर लगी पारबंदियों को हटा सकती है और दफ्तरों को भी सीमित संख्या के साथ खोल सकती है। बिहार, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा में यूं तो 1 जून तक लॉकडाउन को लागू किया है लेकिन यहां पर अनलॉक किए जाने की उम्मीद कम दिखाई दे रही है। हरियाणा स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज भी इसका संकेत दे चुके हैं। वहीं कर्नाटक में 7 जून की सुबह 6 बजे तक के लिए लॉकडाउन लगाया गया है। राज्य स्थान में लॉकडाउन की समय सीमा को 8 जून तक रखा गया है। केरल में लॉकडाउन तो 30 मई तक ही है लेकिन इसके 1 जून से खुलने के आसार काफी कम ही दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह से तमिलनाडु में भी अनलॉक की शुरुआत अभी मुश्किल ही दिखाई दे रही है।

—आशीष शर्मा, मो० 9837279162

THIRD PARTY MANUFACTURING & PCD PHARMA FRANCHISE AYURVEDIC MEDICINE FOR DOMESTIC & INTERNATIONALS MARKET

PHARMACEUTICALS/NUTRACEUTICALS

ENQUIRES ARE WELCOME FOR THIRD PARTY CONTRACT MANUFACTURING

Contact us:
E-mail : kiamalifesciences@gmail.com
Call: 09878892113, 07707828113

WIDE RANGE WITH:-

Tablets

Capsules

Herbals

Oral Liquid

Ointment Lotion & Nasal Spray

Food & Feed Supplement

Small & Bulk Batch For Available Veterinary Products & We Invited For Export Third Party Manufacturing

KIAMA LIFESCIENCES
(An ISO 9001:2015 CERTIFIED CO.)

SCF NO. 4, 2ND FLOOR, SECTOR-2, PANCHKULA (HRY.)-134112

Manufactured:

KIAMA NUTRACEUTICALS PVT. LTD.

Plot No: 197, HSIIDC, Industrial Area, Alipur, Barwala, Panchkula, (Haryana)-134118, India.
E-mail: kiamanutraceuticals@gmail.com

THIRD PARTY MANUFACTURING FACILITIES AVAILABLE

EXPORT ENQUIRIES ARE SOLICITED MORE THAN 200 COPS AVAILABLE

WHO GMP, GLP Certified Quality Assured Products Available in:-

- Softgel Capsules : Drug & Food Compositions
- Hardgel Capsules : Non-Betadactam
- Oral Liquids
- External Applications : Ointments, Creams, Lotions, Dusting Powders.
- Soaps : Medicated Soaps
- Tablets : Non-Betadactam
- Dry Syrups : Non-Betadactam
- Sachets : Drug Formulations
- Protein Powder : Drug Formulations
- Dental Range : Toothgel, Mouth Wash & Gum Paint

FOR MARKETING ENQUIRY, PLEASE CONTACT

ANVIT BIOTECH

1405, HSIIDC, Rai, Distt Sonapat-131029 (Hr.)
 Phone No : 001155248116, 0921574618 & 09872024816
 E-mail : anvitbiotech@yahoo.co.in, info@anvitbiotech.com
 www.anvitbiotech.com

ADSILA ORGANICS Pvt. Ltd.

Luxpur Road, VII, Bahagpur-131021,
 Distt Sonapat (Haryana)
 E-mail : adsila211@gmail.com, adsila2adiv@gmail.com,
 adsilaadiv@gmail.com
 www.adsilorganics.com
 Ph : +91 9518665615, +91 9034048816, +9254324816

सुपर-स्निफर डॉग कोरोनावायरस का पता लगा सकते हैं

यूके के एक अध्ययन के अनुसार, कोविड-सूँघने वाले कुत्ते हवाई अड्डों के प्रवेश द्वार पर कोरोनावायरस की उपस्थिति का पता लगा सकते हैं, इस प्रकार परीक्षण लाइनों पर लंबी कतार को कम कर सकते हैं और वायरस के प्रसार में सहायता कर सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के वैज्ञानिकों ने सोमवार को शोध में बताया कि कुत्तों का एक जोड़ा आधे घंटे में 300 यात्रियों को सूक्ष्मता से स्कैन कर सकता है। उसके बाद, केवल जिन्हें कुत्ते चुनते हैं उन्हें पीसीआर परीक्षण के लिए जाना होगा। जिस तरह एक कुत्ता बम, ड्रग्स या अन्य बीमारियों की पहचान करता है, उसी तरह वे भी कोविड संक्रमित लोगों को सूँघ सकते हैं। रोगजनक अद्वितीय वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों को जन्म देते हैं जो संक्रमित कोशिकाओं को छोड़ते हैं। शुक्रवार को, लंदन में रोग नियंत्रण विभाग के प्रमुख, जेम्स लोगान ने कहा, “कोविड के परीक्षण के मौजूदा तरीके बड़ी संख्या में लोगों की तेजी से जांच के लिए उपयुक्त नहीं हैं, जैसे कि हवाई अड्डों या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पाए जाने वाले लोग जहाँ आपके पास है। बहुत से लोगों को बहुत जल्दी स्क्रीन करने के लिए मिला। भविष्य में अन्य बीमारियों के प्रकोप के लिए, हमें लगता है कि कुत्तों को लोगों के लिए जल्दी से तैनात किया जा सकता है और जब यह पहली बार शुरू होता है तो प्रकोप को रोकने में मदद करता है। मोजे और टी-शर्ट अध्ययन में कहा गया है कि कुत्ते बिना लक्षण वाले रोगियों और कम वायरल लोड के साथ-साथ दो अलग-अलग उपभेदों वाले लोगों का भी पता लगाने में सक्षम थे। वैज्ञानिकों के अनुसार, कुत्ते के चयन की प्रक्रिया और फिर पीसीआर परीक्षण से 91 फीसदी मामलों का सफलतापूर्वक पता चल जाएगा। इस तरह का शोध पहली बार किया गया है और इसमें रोगसूचक के साथ-साथ स्पर्शोन्मुख भी शामिल हैं। कुत्तों ने मास्क, मोजे और टी-शर्ट पर शरीर की गंध के नमूनों का उपयोग करके कोविड की पहचान के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि इसे वास्तविक दुनिया में लागू किया जा सकता है। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन ने चौरिटी मेडिकल डिटेक्शन डॉग्स और डरहम यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर यह ट्रायल किया। यूके के स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल विभाग ने इसे आंशिक रूप से वित्त पोषित किया। परीक्षण ने 3,5000 से अधिक गंध के नमूनों का उपयोग किया जो जनता और एनएचएस कर्मचारियों ने दान किया था।

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK

Location	Party Name	Contact No.
Agra	Satish Book Enterprises	9997877123
Ahmedabad	Bharat Medical Book House	9824013920
Akola	Book Emporium	9422861751
Aligarh	Rama Book Store	9319275252
Allahabad	Chetana Medical Books	9307978423
Amritsar	City Book Shop	0183-2571591
Amritsar	Medical Books & Surgicals Centre	0183-2422729
Aurangabad	Arihant Excel Medical Book House	9822259681
Aurangabad	Shri Samarth Book Depot	9822034577
Belgaun	Shri Ganesh Book Stall	8312461258
Berhampur	Book World	9861015189
Bhagalpur	Kora Kagaz	9771511779
Bhopal	Lyal Book Depot	0755-2543624
Bhubaneswar	Annapurna Medical Book Shop	9861243882
Bikaner	Academy Book Centre	9414138998
Burla	Bharat Book Emporium	9337335744
Calicut	Ramdas Sotes & Books	0495-2358398
Chennai	Chennai Medical Book Centre	044-66246369
Chennai	Shah Medical Books	9444829937
Coimbatore	Arasu Medical Book House	9444308567
Coimbatore	Balaji Medical Books	0422-6725292
Coimbatore	Dass Medical Book Shop	9443958620
Cuttack	Scientific Book Depot	9437020414
Delhi	Mirza Book Depot	9958723206
Delhi	Pawan Book Service	9810202316
Delhi	R.S.Book Store	9810546759
Delhi	Sagar Book Depot	9811680722
Delhi	University Book Store	9818357577
Dhulea	Koshal Book Shop	9423916592
Gorakhpur	Medical Book Centre	9450884543
Gwalior	Anand Pustak Sadan	9425114555
Indore	New Jain Book Stall	9926636333
Indore	Scientific Literature Company	9826299744
Jabalpur	Lords Book Sellers	9425155125
Jabalpur	Akash Pustak Sadan	9826563047
Jaipur	Kumar Medical Book Store	9829610430
Jammu	Bhartiya Pustakalaya	9796636000
Jammu	Narend Book Depot	9419114398
Jamnagar	Jay Medical Book Centre	9925236982
Jodhpur	Book World	9829088088
Jorhat	Naveen Pustakalaya	9435514204
Kolhapur	Ajab Pustakalaya	9881424434
Kolkata	Raj Book House	9432550891
Kota	R.K.Stationers	9829087574
Koti Hyderabad	Osmani Medical Book House	040-64644253
Koti Hyderabad	Paras Medical Books Pvt Ltd.	040-24600869
Koti Hyderabad	Sharp Medical Book Centre	040-65544303
Lucknow	Aditya Medical Books Pvt Ltd.	0522-2611724
Lucknow	Arora Book Agencies	0522-4046778
Ludhiana	Verma Book Depot	9872202530
Madurai	Medical Books & International	9344101063
Meerut	City Book Centre	0121-4056292
Meerut	Menakshi Prakashan	0121-2645498
Meerut	R LAL Book Depot	0121-2666235
Mumbai	The National Book Depot	022-24131362
Mumbai	Vikas Medical Book House Pvt Ltd.	022-23010441
Mumbai	Bhalani Medical Book House	022-24171660
Nagpur	New Medical Book Shop	9822225591
Nagpur	Book Source	9850943011
Patna	Current Book Service	9431077745
Pune	J D Granth Bhandar	020-24492832
Raipur	S.K.Medical Book House	9329637397
Raipur	Sristhi Book Stationery Mart	9300855027
Rajkot	Jay Books Medical Book	9925236984
Ranchi	Student Book Depot	0651-2221907
Saharanpur	Hans Pustak Bhandar	9457449388
Sangli	Tanavade & Sons	9823049499
Sri Nagar	Doctors Dotkom	9086454647
Tirupati	Shri Venkateswar Book Depot	9885479105
Trivandram	Professional Book House	9495951506
Varanasi	Atithi Medical Books	9307978423
Varanasi	Current Book Agency	9335015235
Visakhapatnam	Andhra Medical Book Centre	9985716032
Visakhapatnam	World Medical Book Centre	9849022192

"कर्म ही पूजा है"

Brejesh Garg's

Medical Darpan Media House • www.medicaldarpan.in



Record Holder : Limca Book of Records
 • India Book of Records • Records Holders Republic
 • World Records India • Unique World Records

Search in Google
Biggest Soap Collection
Biggest Business (Visiting) Cards Collection

Member








B.N. Medical Complex, Bulandshahr-203001, U.P., India
Mob.: 09045029158, 09410434811
E-mail : bgarg29158gmail.com, Web.: www.medicaldarpan.com

120 दिन अतिरिक्त मिलेंगे

कानपुर से उत्तर प्रदेश कैमिस्ट एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के संजय मल्होत्रा, मो० 9839114889, राजेंद्र सैनी, मो० 9838776616, नंदकिशोर, मो० 9839102047 ने सूचित किया कि उत्तर प्रदेश के कैमिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन द्वारा समस्त दवा निर्माता कम्पनियों को पत्र भेजकर कोरोना संक्रमण काल में लॉकडाउन के चलते लीकेज / डैमेज / एक्सपायर दवाओं की वापसी न भेज पाने एवं इसके चलते हमारे सदस्य दवा व्यापारियों की आर्थिक हानि होने के कारण ऐसे स्टॉक की वापसी में 120 दिनों का अतिरिक्त समय देने का आग्रह किया था। जिसमें अधिकांश दवा निर्माता कंपनी ने हमारी इस मांग को मान लिया है तथा अपने स्वीकृति पत्र भी भेज दिए हैं। अब समस्त दवा व्यापारियों को इस कार्य हेतु 120 दिन अतिरिक्त मिलेंगे। यह भी बताया कि संस्था का शहर के समस्त थोक दवा व्यापारियों से आग्रह है कि सभी फुटकर दवा व्यापारी जनवरी 2021 एवं उसके बाद की लीकेज / डैमेज / एक्सपायर दवाओं की वापसी स्वीकार करें।

—**सुमित पावा, मो० 7084000070.**

Creating
New Possibilities
for Healthy Life



With A Wide Range of

- Tablets / Capsules / Softgels
- Liquids / Dry Syrup
- Injectables
- Herbal Preparations
- Ointments & Lotions

Capri PHARMACEUTICALS

651/2B, Punjab Mata Nagar, Near Canal Petrol Pump, Ludhiana-141002

Just SMS
(Your Name & Address to 099141-34854)
 Fax : 0161-2561953; (O) 0161-2561950
 Mobile : 098157-34854, 099141-34854
 e-mail : info@capripharma.com

1st Time In India

● **Manmade Pharmaceuticals**
Mob:- 9758463215 ने Gut Health Digestion Process Immune Support Lactose Tolerance में उपयोगी उत्पाद Gutman Sachet (Enriched 3-prebiotic formula & Zinc) MRP. 14.90/Sachet दवा बाजार में प्रस्तुत किया है। कम्पनी अनुसार उनका यह उत्पाद 1st Mouth Melting Technology First Time In India है।

● देश की अग्रणी दवा निर्माता कम्पनी **Geno Pharmaceuticals Pvt. Ltd.** की **Div. Clean Care Ph.:- 0832-2257216** ने बालों की समस्या में उपयोगी उत्पाद ● **Xfolia-LF Men Hair**

Xpert Especially For Men (Soya Protein Hydrolysate Multivitamin, Multimineral, Biotin With Extract Of Pyrus Malus, Bambusa Arundinacea, Grape Seed And Borage Oil Tab. MRP 19.90/Tab. ● **Xfolia LF EVA Hair Xpert Especially For Women** (Whey Protein Isoaltes, Multivitamin, Multimineral, Biotin With Extract Of Pyrus Malus, Bambusa Arundinacea, Grape Seed & Borage Oil Tab. MRP 19.90 में भारतीय दवा बाजार में उपलब्ध करायी कम्पनी अनुसार यह दवा 1st Time In India है।

बायोवेट प्राइवेट लिमिटेड ने वैक्सीन के उत्पादन में एक कदम उठाया

एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, भारत बायोटेक की सहयोगी फर्म, बायोवेट प्राइवेट लिमिटेड, मंजरी, पुणे में श्रुती तरह कार्यात्मक संयंत्र को अगस्त के अंत तक वैक्सीन उत्पादन इकाई में बदलने के लिए सभी प्रयास कर रही है। हैदराबाद की भारत बायोटेक कोवैक्सिन का निर्माता है, जो एक वैक्सीन है जिसका इस्तेमाल पूरे देश में लोगों को टीका लगाने के लिए किया जाता है। पुणे के संभागीय आयुक्त सौरभ राव और जिला कलेक्टर राजेश देशमुख ने बुधवार को इस संयंत्र का दौरा किया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने देर से बायोवेट को रेडी-टू-यूज वैक्सीन निर्माण संयंत्र का उपयोग करने की अनुमति दी, जो कि कोवैक्सिन के उत्पादन के लिए पुणे के मंजरी में 12 हेक्टेयर के भूखंड पर बनाया गया है। राव ने गुरुवार को कहा, संयंत्र के पास तैयार बुनियादी ढांचा है। कंपनी की एक और ताकत यह है कि यह बहुत सक्षम है और इसकी एक समर्पित टीम है ... मुझे नहीं लगता कि उत्पादन शुरू करने के लिए कोई बुनियादी ढांचा बनाने की आवश्यकता है। सब कुछ जगह पर है। ” उन्होंने कहा कि बायोवेट के अधिकारी अभी भी संयंत्र के बुनियादी ढांचे की जांच कर रहे हैं। ‘चूँकि वैक्सीन निर्माण एक बहुत ही परिष्कृत और संवेदनशील विषय है और

प्रक्रिया बिल्कुल वैज्ञानिक है, इसलिए वे कोई मौका नहीं ले सकते।’ ‘कमिशनर ने कहा, फ़सलिए वे पूरी मैन्युफैक्चरिंग लाइन और अन्य मशीनरी का आकलन कर रहे हैं।’ उन्होंने आगे कहा कि एक सप्ताह की अवधि के भीतर, बायोवेट के अधिकारियों को मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी करने की उम्मीद है। राव ने कहा, प्लाइसेंस, अनुमति, नियामक निर्णय आदि के बारे में केंद्र और महाराष्ट्र सरकार से फर्म को जिस तरह के प्रोत्साहन और समर्थन मिल रहा है, वे अगस्त के अंत तक संयंत्र को पूरी तरह से चालू करने और पहले रोल आउट करने के लिए आश्वस्त हैं। वैक्सीन का बैच।” हाल के दिनों में उच्च न्यायालय ने बायोवेट को वैक्सीन निर्माण संयंत्र का कार्यभार सभालने की अनुमति दे दी है। कर्नाटक के बायोवेट को उच्च न्यायालय से हरी झंडी मिली, जबकि महाराष्ट्र सरकार को संपत्ति सौंपने के लिए कहा। थजे उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि वर्तमान परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारी संपत्ति को बायोवेट को सौंप दें। इंटरवेट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अमेरिका की एक बहु-राष्ट्रीय फार्मा कंपनी, मर्क एंड कंपनी की एक सहायक कंपनी, संयंत्र के मालिक के रूप में थी। इसने उस जमीन का इस्तेमाल किया जो उसे 1973 में पैर और मुंह की बीमारी के टीके के निर्माण के लिए मिली थी। इंटरवेट का बायोवेट के साथ जमीन और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बोइवेट को सौंपने का समझौता था।

कोरोना से भयभीत ना हों

अमेरिका में एक कैदी को जब फांसी की सजा सुनाई ,तब वहा के कुछ वैज्ञानिकों ने विचार किया की इस कैदी पर कुछ प्रयोग किये जाये. उसके सामने एक बड़ा विषधर सांप लाया तथा कैदी को आँखो पर पट्टी बांध कर कुर्सी पर बाँध दिया गया. उसे साँप से ना डसवा कर सेफ्टी पिन चुभाई गई. आश्चर्य की कैदी की २ सेकंड में मौत हो गई. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कैदी के शरीर में व्हेनम सदृश्य विष मिला. ये विष कहाँ से आया जिससे कैदी की मृत्यु हुई ? ये विष कैदी के शरीर में मानसिक धक्के की वजह से उसने ही उत्पन्न किया था. तात्पर्य ये है कि हमारी अपनी मानसिक स्थिति के अनुसार Positive अथवा Negative एनर्जी उत्पन्न होती है तदनुसार ही हमारे शरीर में HORMONES पैदा होते हैं. 90% बीमारी का मूल कारण नकारात्मक विचार उर्जा का उत्पन्न होना है. मेरे मतानुसार कोरोना को मन से ना लगाओ. 5 वर्ष से लेकर 100 वर्ष तक के लोग भी ठीक हो गये हैं. मृत्यु पाने वाले केवल कोरोना की वजह से नही बल्कि उन्हे अन्य बीमारियां भी थी, जिसका मुकाबला वे कर नही सके. — **राजेश कुमार, मो०: 98378302436.**

कैंसर के लिये अच्छी दवा है काली चाय

चाय तो सभी लोग पसंद के साथ पीते हैं. चाय भी अलग-अलग प्रकार की होती हैं. और हर चाय के अपने-अपने फायदे होते हैं. इन्हीं चायों में से एक है काली चाय, काली चाय आपको कई बीमारियों से दूर रखने में मददगार साबित हो सकती है. ● काली चाय दिल के लिए फायदेमंद साबित होती हैं. इसमें मौजूद फ्लेवोनॉयड्स एलडीएल होता है जो हृदय की धमनियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है. ● अगर काली चाय को आप रोजाना अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो ऐसे में आप कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से बच सकते हैं. काली चाय शरीर में कैंसर को शिकाओं को खत्म करती है. ● यह आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करती है, जिससे आपका वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है. इसके अलावा इसमें फैट बहुत कम मात्रा में होता है, जो मोटापा नहीं बढ़ाता और वजन कम करने में भी आपकी मदद करता है. ● काली चाय का सेवन करने से यह आपकी त्वचा को संक्रमण से बचाती है और चेहरे की झुर्रियां को भी दूर करती हैं. ● दिन में लगभग 4 कप काली चाय का सेवन तनाव को कम करने में सहायक है. यह दिमाग को तेज करती है और याददाश्त को भी बढ़ाती है. ● रोजाना काली चाय पीने का एक बेहतरीन फायदा यह भी है कि इसे पीने से आप अधिक ऊर्जा महसूस करेंगे.

मस्तिष्क के लिए बहुत खराब हैं ये 5 फूड्स, अल्जाइमर और डिमेंशिया का बढ़ता है खतरा

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मस्तिष्क शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि शरीर के अन्य अंग भी एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए बहुत जरूरी हैं, लेकिन यदि मस्तिष्क से तुलना की जाए तो यह हमारे शरीर का एक ऐसा अंग है जो पूरी बॉडी का संचालन करता है और सभी अंगों को नियंत्रित करता है। यह न केवल आपके दिल की धड़कन और आपके फेफड़े को हर समय साँस दिलाता है बल्कि यह उन सभी चीजों का भंडार है जो आपको जीने के लिए आगे बढ़ाता है। आपके दिमाग में चलने वाले सभी विचार, यादें, बातें और नई बातों का उत्पन्न होना मस्तिष्क यानि कि दिमाग की ही देन है। ऐसे में जाहिर है कि इन सबसे महत्वपूर्ण अंग को हर स्थिति में खुश और स्वस्थ रखना महत्वपूर्ण है, इसके लिए जरूरी है कि हम उचित पोषण लें। उचित पोषण से तात्पर्य है कि ऐसा भोजन जिसके सभी पोषक तत्व होने के साथ ही दिमाग को शांति और सकारात्मकता भी दी जाए, स्वस्थ भोजन उम्र बढ़ने से संबंधित संज्ञातात्मक गिरावट की दर को धीमा कर देता है और मनोभ्रंश के विकास के जोखिम को कम करता है। दूसरी तरफ, कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ भी हैं जो आपके मस्तिष्क के लिए सबसे खराब हैं। बहुत बार कम हो जाता है और आपको भ्रम, कम मनोदशा और धीमी प्रतिक्रिया समय का अनुभव होगा। यदि आप जानते हैं कि आपके पास कुछ बुरी आदतें हैं, तो यह उन्हें सही करने का उचित समय है। आपका मस्तिष्क एक बार में एक बड़े पैमाने पर आहार ओवरहाल की तरह नहीं है, और भले ही आप इसे सही विकल्प जानते हों, आप इसे बनाए रखने के लिए संघर्ष करेंगे। आज हम आपको कुछ फूड्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें शायद आप अपनी डाइट में लेते हों, जबकि यह आपके स्वास्थ्य और मस्तिष्क के लिए बिल्कुल भी नहीं है। ऐसे फूड्स को जितनी जल्दी हो अपनी डाइट से हटा दें।

● **ट्रांस फैट:-** ऐसा नहीं है कि सभी तरह के फैट्स आपके स्वास्थ्य के लिए खराब होते हैं लेकिन यह सच है कि ट्रांस फैट का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। ट्रांस फैट नामक एक विशेष प्रकार का वसा मस्तिष्क पर हानिक। एक प्रभाव डालता है। ट्रांस वसा स्वाभाविक रूप से मौस और डेयरी सहित पशु उत्पादों में पाए जाते हैं, लेकिन यहाँ तक कि ये उतने समस्याग्रस्त नहीं हैं जितना कि औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस वसा जो सभी प्रकार के पैक किए गए खाद्य पदार्थों में पंप होते हैं। इसके अलावा यह हाइड्रोजनीकृत तेल के रूप में भी जाना जाता है। जो लोग मार्जरीन, स्टोर-खरीदा बेकड सामान, चिप्स और पटाखे, जमे हुए और डिब्बाबंद भोजन का अधिक सेवन करते हैं उनके शरीर में ट्रांस वसा अधिक जमा होता है। यह अल्जाइमर और डिमेंशिया के लिए जिम्मेदार होता है।

● **शुगर ड्रिंक्स:-** शुगर ड्रिंक्स यानि कि मीठे पेय पदार्थ जैसे सोडा, स्पोर्ट्स ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक और यहाँ तक कि फलों के जूस में पोषक तत्वों की मात्रा कम होती है। शर्करा युक्त पेय के नियमित सेवन से शारीरिक दुर्बलताएं हो सकती हैं, जिसमें टाइप 2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल और अल्जाइमर रोग के साथ मनोभ्रंश भी शामिल हैं। फल शर्करा का एक उच्च सेवन, एक मेगा-केंद्रित स्वीटनर जो कई शर्करा पेय में पाया जाता है जो सीखने की क्षमता, स्मृति, समग्र मस्तिष्क समारोह और मस्तिष्क में नए न्यूरॉन्स के गठन को कम करता है। इससे मस्तिष्क में सूजन भी बढ़ सकती है, जो सभी प्रकार के मस्तिष्क कार्यों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

● **रिफाईंड कार्बोहाइड्रेट:-** रिफाईंड कार्बोहाइड्रेट प्रोसेस्ड अनाज के साथ बनाए गए उत्पाद हैं। भले ही यह उतने मीठे नहीं है लेकिन ये आपके शरीर में बहुत मीठा कर देते हैं। दरअसल रिफाईनिंग प्रक्रिया में फाइबर अनाज से पूरी तरह से बाहर हो जाता है। परिष्कृत कार्ब्स से भरपूर भोजन एक उच्च ग्लाइसेमिक लोड का प्रतिनिधित्व करता है जो आपके रक्त शर्करा को बढ़ाता है। यह सभी समान मुद्दों का कारण बनता है जैसे कि आपने सीधे चीनी खाई थी, जिसमें स्मृति हानि, सूजन, और डिमेंशिया विकसित होने का अधिक जोखिम था। अध्ययनों से पता चला है कि जो बच्चे परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट में उच्च आहार लेते हैं वे अशाब्दिक बुद्धि परीक्षणों पर कम स्कोर करते हैं। और बजुर्ग लोग जो परिष्कृत कार्ब्स में अपने दैनिक कैलरी का 58% से अधिक लेते हैं, उन लोगों की तुलना में मान. सिक कमजोरी और मनोभ्रंश का जोखिम दोगुना होता है जो अधिक साबुत अनाज, फल और सब्जियाँ खाते हैं।

● **एल्कोहल:-** यह शायद कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अल्कोहल मस्तिष्क को नुकसान पहुँचा सकती है। शराब के लगातार सेवन से मस्तिष्क सिकुड़ जाता है और न्यूरोट्रॉप्मीटर को बाधित करता है जिसका उपयोग आपका मस्तिष्क संवाद करने के लिए करता है। शराबियों को भी अक्सर विटामिन बी 1 की कमी का अनुभव होता है, जो कोर्साकोफ सिंड्रोम के विकास को जन्म दे सकता है। यह सिंड्रोम गंभीर मस्तिष्क क्षति के लिए जिम्मेदार है जो स्मृति हानि, भ्रम, अस्थिरता और आँखों की रोशनी के रुक-रुक कर नुकसान का कारण बनता है।

● **एस्पार्टेम:-** दुर्भाग्य से, कृत्रिम स्वीटनर के साथ इसे प्रतिस्थापित करके बहुत अधिक चीनी के नुकसान से बचना संभव नहीं है- विशेष रूप से एस्पार्टेम नहीं। जबकि इस चीनी विकल्प के निर्माता यह दावा करते हैं कि यह सुरक्षित है, कई अध्ययनों ने एस्पार्टेम को व्यवहारिक और संज्ञातात्मक समस्याओं से जोड़ा है। एक रासायनिक तनाव के रूप में, यह भावनाओं को सीखने और विनियमित करने की क्षमता पर घातक प्रभाव पैदा कर सकता है। एक अध्ययन में, उच्च-एस्पार्टेम आहार के सिर्फ 8 दिन प्रतिभागियों के मानसिक परीक्षणों पर कम स्कोर करते हैं और बूट के लिए अधिक चिड़चिड़ा और उदास महसूस करते हैं। एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि जो लोग बहुत सारे शीतल पेय पीते हैं, जो चीनी को कृत्रिम स्वीटनर से बदलते हैं, उनमें मनोभ्रंश या स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। अभी के लिए, एफडीए का कहना है कि एस्पार्टेम सुरक्षित है, लेकिन इसमें शामिल उत्पादों पर चेतावनी लेबल को भी अनिवार्य करता है।

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद स्वास्थ्य की अपर्याप्त निगरानी घातक हो सकती है

नागपुर: डॉक्टरों के मुताबिक अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अगर उनके स्वास्थ्य की ठीक से निगरानी नहीं की गई तो उनकी मौत हो सकती है। रिहा होने के 10-12 दिनों के बाद भी ऑक्सीजन के स्तर, मधुमेह और फेफड़ों की फिजियोथेरेपी में देखभाल के अभाव में लोगों की मौत हो रही है। आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, उचित देखभाल के कारण लगभग 10% -20% लोगों की मृत्यु हो गई क्योंकि उन्होंने मान लिया था कि वे पूरी तरह से ठीक हो गए हैं। आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. मनोज पुरोहित ने कहा, “डिस्चार्ज हो जाना इलाज का अंत नहीं है। मरीजों के इलाज के बाद ऐसे मरीजों में ऑक्सीजन का स्तर 90-93 के बीच रहता है। 95% से ऊपर ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर एक अच्छा संकेत है। इन रोगियों का निदान लगभग 100-110 की हृदय गति में वृद्धि के साथ किया जाता है। उन्होंने आगे कहा, ‘यह इससे आगे नहीं जाना चाहिए, और अगर यह 120 तक पहुँच जाता है, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।’ छाती चिकित्सक डॉ विनीत निरंजने ने कहा कि व्यवहार में अस्थिरता किसी भी रिकॉर्ड में सुविधा नहीं देती है। उन्होंने कहा, ‘कोई डेटा नहीं है, लेकिन पोस्ट-कोविड मृत्यु दर कम है। इलाज के दौरान कई कोविड मरीजों को अलग-अलग अस्पतालों में शिफ्ट किया जाता है। जब वे आरटी-पीसीआर नकारात्मक परीक्षण करते हैं, तो उन्हें गैर-कोविड माना जाता है, भले ही वे संक्रमण के दौरान वेंटिलेटर पर थे। अगर कोई मरीज बाहर आता है तो उसे ठीक माना जाता है। आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ मोहन

थायराइड-छोटी ग्रंथि बड़ा असर! समय पर कराएं इलाज नहीं तो बिगड़ सकते हैं लक्षण

जीवन में छोटी-छोटी चीजों की बहुत अधिक भूमिका होती है, जैसे कि हमारी थायरॉयड ग्रंथि। यह तितली के आकार की आकार का अंग होता है, जो थायराइड हार्मोन की निश्चित मात्रा का उत्पादन करता है। यह हार्मोन कई शारीरिक कार्यों को नियंत्रित करता है। इसमें असंतुलन होने के कारण हमारे शरीर में कई तरह के लक्षण पैदा हो सकते हैं। इन हार्मोन के अधिक उत्पादन से हाइपरथायरॉयडिज्म होता है और कम उत्पादन से हाइपोथायरॉयडिज्म होता है। भारत में हाइपोथायरॉयडिज्म का होना बहुत आम बात है। वास्तव में 11% वयस्क हाइपोथायरॉयडिज्म से और 8% सब-क्लीनिकल हाइपोथायरॉयडिज्म-4 से पीड़ित हैं।

हाइपोथायरॉयडिज्म:- जैसा कि पहले बताया गया है, यह तब होता है, जब थायरॉयड ग्रंथि पर्याप्त थायरॉयड हार्मोन नहीं बना पाती है। इससे हमारे मेटाबोलिज्म सहित कई शारीरिक कार्यों की गति मंद हो जाती है। सब-क्लीनिकल हाइपोथायरॉयडिज्म की स्थिति में ब्लड में थायरॉयड हार्मोन का स्तर सामान्य से थोड़ा कम होता है। हाइपरथायरॉयडिज्म के विपरीत इसके लक्षण स्पष्ट रूप से प्रकट नहीं होते। ऐसे मामलों में हो सकता है कि किसी व्यक्ति को इस समस्या के बारे में पता भी न चले।

हाइपोथायरॉयडिज्म के लक्षण:- आम तौर पर लोग इसे कोई और समस्या समझकर हाइपोथायरॉयडिज्म के लक्षणों की अनदेखी करने की गलती कर बैठते हैं। हालांकि, यह जानना जरूरी है कि ये लक्षण धीरे-धीरे विक. सित होते हैं और कई बार इसमें वर्षों लग जाते हैं। थकान, वजन बढ़ना, खिन्नता या उदास महसूस करना, भारीपन और मासिक धर्म का बार-बार होना, बांझपन, यौन रोग, बाल का अधिक झड़ना, अधिक नींद की आवश्यकता हाइपोथायरॉयडिज्म के कुछ सामान्य लक्षण हैं।

महिलाओं में हाइपोथायरॉयडिज्म का खतरा अधिक:- हां, यह सच है कि हाइपोथायरॉयडिज्म का खतरा महिलाओं में अधिक होता है। महिलाओं में इसके होने की आशंका पुरुषों की तुलना में 5 से 10 गुना अधिक होती है। वास्तव में यह अंतः स्त्रावी विकार (ग्रंथियों से संबंधित विकार) का दूसरा सबसे आम प्रकार है, जो प्रजनन की आयु वाली महिलाओं को प्रभावित करता है।

यह सिर्फ इन्हें ही नहीं, बल्कि सभी आयु वर्ग की महिलाओं को प्रभावित कर सकता है। बढ़ती उम्र, गर्भावस्था, प्रसव के बाद और रजो. निवृत्ति के साथ महिलाओं में हाइपोथायरॉयडिज्म के होने की संभावना बढ़ जाती है।

सभी उम्र की महिलाओं को खतरा रहता है:- हाइपोथायरॉयडिज्म/सब-क्लीनिकल हाइपोथायरॉयडिज्म, महिलाओं में कई तरह की जटिलताओं का कारण बनता है। स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य समस्याओं के अलावा यह उनके प्रजनन संबंधी कार्यों को भी प्रभावित कर सकता है। महिला की उम्र और अवस्था के आधार पर इन जटिलताओं की गंभीरता भिन्न हो सकती है। किए गए कई अध्ययनों में कई परिणाम सामने आए हैं...

● **किशोर लड़कियों में** यह देरी से जवान होने या स्तनों और जननांगों के अपूर्ण विकास का कारण बन सकता है।

● **72.5 फीसदी से अधिक युवा महिलाओं में** भारी/लंबे समय तक रक्तस्राव हो सकता है। साथ ही कई महिलाओं में अनियमित मासिक धर्म के साथ-साथ मुँहासे, चेहरे पर बाल के आने और डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

● इसकी वजह से 10 में से 3 वयस्क महिलाओं में बांझपन की समस्या हो सकती है। अगर आप गर्भवती हैं तो इसके कारण गर्भपात, समय से पहले बच्चे का जन्म और गर्भाशय के अंदर शिशु की मृत्यु हो सकती है। हाइपोथायरॉयडिज्म से 13% से अधिक गर्भवती महिलाएं पीड़ित होती हैं।

● यही नहीं, 86% बुजुर्ग महिलाओं में डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। इस वजह से 60% रोगियों में ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और 33% रोगियों के ब्लड में लिपिड का स्तर बढ़ जाता है।

● इन सबके अलावा हाइपोथायरॉयडिज्म के निदान में 60% से अधिक महिलाओं में अवसादग्रस्तता के लक्षण पाए गए। दुनिया भर में चिकित्सा संघों और दिशानिर्देशों द्वारा जल्द से जल्द हाइपोथायरॉयडिज्म का पता लगाने और उसके उपचार के लिए, थायरॉयड फंक्शन (थायरॉयड हार्मोन के स्तर) का सही से और समय पर परीक्षण/जांच कराने की सलाह दी जाती है।

जांच किसे करानी चाहिए:-

● महिला जिसकी उम्र 35 साल हो। इसके बाद उसे हर 5 साल में इसकी जांच करानी चाहिए।

● बांझपन का उपचार कराने वाली सभी महिलाएं।

● सभी गर्भवती महिलाएं।

● ऐसी महिलाएं जिनकी रजोनिवृत्त हो गई है या होने वाली है।

● डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर के रोगी।

● उपचार शुरू करने से पहले, लिपिड विकार (रक्त में वसा) वाले मरीज। हाइपोथायरॉयडिज्म के लक्षण न तो स्थिर होते हैं और न ही विशिष्ट होते हैं। लेकिन अगर समय पर इनका इलाज न किया जाए, तो लक्षण बिगड़ सकते हैं और बाद में कई तरह की जटिलताओं का कारण भी बन सकते हैं। इस समस्या से जुड़े किसी भी संदेह को दूर करने के लिए हर महिला को एक साधारण ब्लड टेस्ट की मदद से खुद की जांच कराना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

- डॉ॰ अरुण कुमार पांडे.

राजधानी में काले फंगस के मामले बढ़ रहे हैं

नई दिल्ली: मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को घोषणा की कि दिल्ली में काले कवक के मामलों की संख्या में वृद्धि के साथ इलाज के लिए दवाओं की कमी है। दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ देश के कई हिस्सों में म्यूकोमिकोसिस के मामलों की संख्या में वृद्धि ने इस कवक के इलाज में इस्तेमाल होने वाली मूल दवा एम्फोटेरेसिन बी इंजेक्शन की मांग भी बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने पहले कहा था कि केंद्र काले कवक के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है और इसे राज्यों के निर्दिष्ट कोटे के अनुसार वितरित कर रहा है। बुधवार को, केजरीवाल ने वेगास मॉल, द्वारका में शहर के पहले ड्राइव-थ्रू टीकाकरण केंद्र का शुभारंभ करते हुए कहा, “परसों और कल से एक दिन पहले, हमें लगभग 400 खुराक मिलीं, जबकि एक दिन में, अकेले एक मरीज को प्रशासित करने की आवश्यकता होती है। दवा के कम से कम छह इंजेक्शन। इसलिए, यदि ६०० रोगी हैं, तो हमें ३,५०० इंजेक्शन प्रतिदिन चाहिए, लेकिन केवल ४०० ही प्राप्त हो रहे हैं, जिससे इसके उपचार में भारी समस्याएं आ रही हैं। एक संवाददाता सम्मेलन में, जैन ने कहा कि रविवार को 200 से अधिक मामले देखे गए, लेकिन सोमवार और मंगलवार को 100 से कम नए मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि 600 संक्रमित मरीजों में लगभग एक तिहाई राजधानी के बाहर के हैं। जैन ने

कहा, ‘दिल्ली को आवंटित दवा का कोटा पर्याप्त नहीं है, मरीजों की संख्या बहुत अधिक है। दवा की भारी कमी है और हम अपील करते हैं कि दिल्ली को और दवाएं दी जाएं।’ मंत्री ने कहा कि 400 से अधिक खुराक का मतलब है कि 50-70 से अधिक रोगियों को इंजेक्शन मिल सकता है। प्सबसे बड़ी समस्या यह है कि इंजेक्शन बिल्कुल उपलब्ध नहीं है। जैन ने कहा कि इन रोगियों ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ी है, और कई मधुमेह रोगी थे जिन्हें कोविड के इलाज के लिए स्टैरॉयड दिए गए थे, इसका मतलब यह नहीं है कि वे सभी इन तीनों बीमारियों से प्रभावित थे। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि काले कवक से पीड़ित सभी रोगियों को स्टैरॉयड निर्धारित नहीं किया गया था, लेकिन वे कोविड -19 से पीड़ित थे और उन्हें उच्च मधुमेह था। उन्होंने कहा कि उच्च मधुमेह और कम प्रतिरक्षा इस काले कवक के लिए जिम्मेदार थे और इसलिए कोविड -19 रोगियों के लिए रक्त शर्करा को नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है। मंत्री ने कहा, ‘स्टैरॉयड प्रतिरक्षा को कम करते हैं और ज्यादातर मामले उन लोगों के होते हैं जिन्हें स्टैरॉयड भी दिया गया है।’ कोविड प्रबंधन के बाद काला कवक वास्तव में एक जीवन के लिए खतरा है और इसलिए केंद्र राज्यों को महामारी रोग इन्सिपम के तहत इसे एक उल्लेखनीय बीमारी घोषित करने के लिए कहने के लिए बाध्य है।

कोरोना

● देश भर में फैली क्या बीमारी है, कोरोना ये तो महामारी है? ● डंगू मलेरिया बुखार टायफाइड, ये इन सब पर भारी है। ● साबुन से धोएं हाथ सभी, शारीरिक दूरी बनानी है। ● मास्क पहनकर निकलो घर से, बात सभी को बतानी है।

- प्रियांशु जोशी, कक्षा 6, ग्रेस जूनियर हाईस्कूल, रानीधारा, अल्मोड़ा.

इस अचार में है कुछ स्वास...
क्योंकि ये है दादी नानी के हाथों का स्वाद...

सम्पूर्ण भारत में कोरियर द्वारा उपलब्ध
आर्डर करने के लिये सम्पर्क करें- 6398 095 492
Visit: neerukitchen.com

नेरकर ने कहा कि अस्पताल के अधिकारी यह सुनिश्चित करते हैं कि मरीजों के साथ-साथ उनके रिश्तेदार भी इन जोखिम कारकों पर ठीक से शिक्षित हों। उन्होंने कहा, “हमें बहुत सारे रेफरल मरीज मिल रहे हैं और जिनका इलाज अन्य जगहों पर किया जा रहा है, लेकिन कोविड के बाद की जटिलताओं के साथ फिर से भर्ती होने की जरूरत है, विशेष रूप से जिन्हें लंबे समय तक रहने की जरूरत है, उन्हें मधुमेह, गर्भवती होने या गुर्दे की समस्या होने के अलावा O2 और वेंटिलेटर की आवश्यकता है।” डॉ नेरकर ने बताया कि वे ठीक हो चुके मरीजों को रोजाना शुगर लेवल की जांच करने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने बताया, “मेरी टीम मरीजों की काउंसलिंग करती रहती है। यदि रोगियों को घर पर O2 की आवश्यकता होती है, तो हम उन्हें आसुत जल को ह्यूमिडिफायर के रूप में उपयोग करने के लिए कहते हैं।”

डॉ निरंजने ने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग कोविड निमो. निया से पीड़ित हैं, उनमें उच्च स्तर की चिंता और मृत्यु का भय है। ऐसे रोगियों के ऑक्सीजन स्तर को सामान्य स्तर पर वापस आने में कुछ महीने लगते हैं।

डायबिटीज के लिए असरदार हो सकती हैं हर्बल दवाइयां

डायबिटीज खानपान की गलत आदतों और खराब लाइफ स्टाइल के कारण होती है। ऐसे में डायबिटीज के लक्षण पहचान कर इससे बचने के लिए डाइबिटीज डाइट को फोलो करना चाहिए। डायबिटीज की बीमारी लगातार बढ़ती ही जा रही है। डायबिटीज खानपान की गलत आदतों और खराब लाइफ स्टाइल के कारण होती है। ऐसे में डायबिटीज के लक्षण पहचान कर इससे बचने के लिए डाइबिटीज डाइट को फोलो करना चाहिए। डायबिटीज की बीमारी लगातार बढ़ती ही जा रही है। केंद्र सरकार का मानना है कि देश में मधुमेह इतनी तेजी से फैल रहा है कि आने वाले 5 सालों में मधुमेह रोगियों की संख्या में 266 फीसदी बढ़ सकती है। आयुष्य राज्यमंत्री श्रीपद येसो नाईक ने शुक्रवार को लोकसभा में डाइबिटीज पर पूछे गए एक सवाल का उत्तर देते हुए कहा, भारत में साल 2025 तक डायबिटीज रोगियों की तादाद 6.99 करोड़ तक पहुँच सकती है।

INTRA LIFE SUPER SPECIALITY RANGE

FLUDOX-200/400 TABLETS
Favipiravir 200mg / 400mg

INTRAPAM-F 200/300SR
Favipiravir 200mg / 300mg (SR)

DAPASUG-5/10 TABLETS
Dapagliflozin 5mg & 10mg

CAPELLE FLUTOFIX
Osetamivir 75mg

DAPASUG-M-500 TABLETS
Metformin 500mg (Extended Release)

DISP. TABLETS MUCOBAT
Acetylcysteine 500mg

TELMIWAL-AP TABLETS
Azelirdipine 8mg & Telmisartan 40mg

DOXOFINE-KIT TABLETS
Zinc Acetate 50 mg + Doxycycline 100 mg + Zymectin 12 mg Dispersible Tablets

BREEMAX-L RESPULSES
Budesonide 0.5 mg + Levosalbutamol 1.25 mg

VORITIME TABLETS
Voriconazole 200 mg

BREEMAX-F RESPULSES
Budesonide 0.5mg + Formoterol 20mg

INTRAPAM-CV TABLETS
Favipiravir 200mg + Clevastatin acid 125mg

VISCOWIN-IL RESPULSES
Ipratropium Bromide 500mcg + Levosalbutamol sulphate 1.25mg In an Isotonic Solution

Call @ 9831149528 | 9353077060
Just SMS or Whatsapp (Your Name & Address to 9353077060)
Email: info@intralifeindia.com | www.intralifeindia.com

Corporate House : #61/C, 6th Main Road, 4th Phase, 7th Block, B.S.K. 3rd Stage, Bangalore - 560 085.

रंग-रंग में जोश जगाए, रोम-रोम में ताकत लाए
पुरुषों की पहली पसंद
जोशअप गोल्ड कैप्सूल
एवं
जोशअप बलवर्धक चूर्ण (ग्रेन्युल्स)
 शीघ्र परिणाम के लिए जोशअप गोल्ड कैप्सूल के साथ
 जोशअप बलवर्धक चूर्ण का प्रयोग लाभकारी रहेगा।

नहीं झेलना पड़ेगा जोड़ों का दर्द
पुराने से पुराना क्योंकि अब आ गया है
अर्थोक्रैक कैप्सूल व तेल
 जोड़ों एवं मांसपेशियों के दर्द की प्रभावी औषधि आयुर्वेदिक औषधि

करेला जामुन पाउडर
 नीम युक्त
 करेला जामुन पाउडर (ग्रेन्युल्स) नीम पाउडर के साथ मिश्रण से तैयार किया गया है। यह मधुमेह को नियंत्रित करता है, रक्तदाब जैसे-यन्त्र, मुहसे आदि में लाभ देता है एवं एंटी-ऑक्सीडेंट के रूप में भी काम करता है।

अर्थगुल कैप्सूल
 (Arshgul Capsule)
 खूनी एवं बारी बबारी के लिए
 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के सही मिश्रण से तैयार औषधि। पुरानी सी पुरानी दर्दनाक खूनी एवं बारी बबारी में लाभदायक है।

All UP, SS-Sharma Medical Store, Kanpur : 9793282828
Meerut : 9219021024, 9528888880 **Modi Nagar :** 9359616355 **Aligarh :** 8445359884
Agra : 9457003100 **Mathura :** 9259161616 **Rampur :** 9997400254 **Mainpuri :** 8923411589
Prayagraj : 9415214472 **Varanasi :** 9415871932 **Mau :** 7275615220
Delhi-Nourth : 9315486576 **Central :** 9211711088 **West :** 9871175074 **East :** 9315486576, 8010447567
Gzd : 7065311924 **Khora :** 9013915531 **Ballaigarh :** 8851944644, 9873235167 **Faridabad :** 8285642433
Gurugram : 9910120154, 9818388460 **Palwal :** 9812262360 **Modi Nagar :** 9359616355

दिल्ली/यू.पी. एवं हरियाणा के लिए अनुभवी
ASM एवं सभी एरिया के लिए SO चाहिए
तुलसी आयुर्वेद सेवा संस्थान
 Email : tulsiayurvedss19@gmail.com Mob : **Customer Care**
8595345059 8285001781
 Web : www.tulsiayurvedss.com

फ्रेंचाइजी बेसिस पर माल बेचने के लिए सम्पर्क करें
वितरक रहित क्षेत्रों में वितरक की आवश्यकता है

A.I.O.C.D. मुम्बई ने मुख्यमंत्री दिल्ली को निम्न पत्र लिखा है

All india organisation of chemists and druggists association an apex body of 9.40 lac Chemists of the country thank you very much for launching an "On Line Portal" application by delhi govt. To provide Remdisivir and to all needy patients. Sir, please go through this on line portal in details in which there are so many short comings in the application. System of the portal is working properly, but needy patients are not getting medicine on time, the main purpose should be to deliver the Remdisivir to all needy patients,

but with this cumbersome process of "on Line Portal" it is very difficult to use this portal, it should be informative only and the distribution to the hospital and institutions should be done with the help of a drug department from the distributor and the data for the day can be uploaded on the portal not patients wise upload. Hope that in the larger interest of the public you will accept our request to change the process of portal urgently.

-Nileswani, Mumbai, Mob.: 8691071055

www.medicaldarpan.com

Professionally Managed Pharma Company
Looking For Franchise & Pcd State/ District Wise
All Over India We Offer Quality medicine With Full Marketing Support
A COMPLETE RANGE OF :
 TABLETS INJECTIONS ORAL LIQUIDS OINTMENTS EAR/EYE DROPS
 CAPSULES DRY SYRUP IV FLUIDS MOUTH WASH PROTEIN POWDER

We also have OTC range for distributor district wise

3RD PARTY ALSO AVAILABLE

Complete Ortho, Cardio-Diabetic, Gynae, Paed., General, Gastro, Derma Range Available

R.O. -SCF-394, 2nd Floor, Motor Market, Manimajra (U.T.) Chandigarh 160101
www.dhcriticalcare.com, Email : dhbiotech2017@gmail.com
Ph. No. 017224731211, Toll Free No. 18008893916
Contact Miss Priyanka for PCD & 3rd Party Manufacturing 6283287838,

कोविड-19 के उपचार में जड़ी-बूटियाँ और आयुर्वेदिक दवाएँ

अहमदाबाद: वैज्ञानिक रूप से यह देखा गया है कि जड़ी-बूटियाँ और आयुर्वेदिक दवाएँ जैसे यष्टिमधु और (लिकोरिस/जेठीमध) और हरदे (हरितकी) एलोपैथी दवाओं के साथ मिलकर कोविड-19 के इलाज में कारगर हो सकती हैं। गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर (GBRC) और गुजरात स्टेट बायोटेक्नोलॉजी मिशन (GSBTM) के वैज्ञानिक बताते हैं कि यष्टिमधु और हाईड्रोक्वार्टीन एंटीवायरल के साथ कोविड-19 वायरस के साथ अच्छी तरह से बंधे हैं। अध्ययन "हर्बल फॉर्मूलेशन का पुनः उपयोग: आणविक डॉकिंग और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन अध्ययन SARS-CoV-2 प्रोटीन के खिलाफ फाइटोकेंपाउंड्स की प्रभावकारिता को मान्य करने के लिए जर्नल ऑफ बायोमोलेकुलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स में प्रकाशित किया जाना है। पेपर में कहा गया है, 'वर्तमान अध्ययन के अनुसार, इस अध्ययन में परीक्षण किए गए योगों में उनके SARS-CoV-2 लक्ष्यों के मुकाबले काफी अधिक बाध्यकारी प्रभावकारिता थी। इन-सिलिको परिणामों से पता चलता है कि ये फॉर्मूलेशन SARS-CoV-2 के स्पाइक ग्लाइकोप्रोटीन, आरएनए-निर्भर आरएनए पोलिमेरेज, प्रोटीज के लिए अपने बंधन के माध्यम से प्रभावी अवरोधक हो सकते हैं, जिसका आगे इन विट्रो में अध्ययन किया जा सकता है। एक शोधकर्ता ने कहा, 'साधारण भाषा में, हमने कंप्यूटर सिमुलेशन में कोविड प्रोटीन के खिलाफ एलोपैथिक दवाओं और कई लोकप्रिय जड़ी-बूटियों के आधार योगों के बंधन संबंध की जाँच की। रेमडेसिविर का औसत स्कोर -7.3 और फेविपिराविर का -5.4 था। यष्टिमधु ने -1.3.6 और हाईड्रो -1.3 का स्कोर दिया। यहाँ निम्न मान उच्च बंधन दिखाते हैं। इस प्रकार, सिद्धांत रूप में, यह मानव को. शिकाओं के लिए वायरल लगाव और मानव शरीर में प्रतिकृति दोनों को रोक सकता है।' शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि वे कोविड संक्रमण के इलाज के लिए इन जड़ी-बूटियों के अकेले उपयोग पर जोर नहीं दे रहे हैं। जीवोआरसी के वैज्ञानिकों ने कहा, अध्ययन का मकसद कोविड के इलाज में प्रमुखता से कुछ जड़ी-बूटियों के इस्तेमाल के वैज्ञानिक आधार का आकलन करना था। रोगी की सहमति के आधार पर, शहर के कुछ अस्पताल आयुर्वेदिक उपचार को एक विकल्प के रूप में प्रदान कर रहे हैं जिसमें मूल रूप से आयुष -64 जैसी दवाएँ और पथ्यादि क्वाथ जैसी दवाएँ शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में 4,000 से अधिक रोगियों ने सहायक चिकित्सा के रूप में आयुर्वेदिक उपचार प्राप्त किया। कोविड वाई में आयुर्वेदिक उपचार के लिए सिविल अस्पताल से जुड़े अखंडानंद आयुर्वेदिक कॉलेज के एक फैंकल्टी वीडो राम शुक्ला ने कहा कि यष्टिमधु और हाईड्रो का उपयोग लंबे समय से गले के संक्रमण और गैस्ट्रिक परेशानी के इलाज में किया जाता है। उन्होंने बताया, "उदाहरण के लिए, जेठीमध कोविड रोगियों में लगातार खांसी को कम कर सकता है। बेशक, गंभीर लक्षणों वाले रोगियों के लिए आयुर्वेद लागू नहीं है और इसे एक विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, लेकिन हमने पिछले एक साल में हल्के से मध्यम रोगियों के बीच सहायक चिकित्सा के अच्छे परिणाम देखे हैं।" एसजीवीपी अस्पताल में आयुर्वेदिक विभाग के प्रमुख वीडो भवदीप गनात्रा ने कहा कि एलोपैथी का उद्देश्य बीमारियों पर है जबकि आयुर्वेद का लक्ष्य मानव शरीर है। उन्होंने कहा, "वायरस कल बदल सकता है, लेकिन मानव शरीर के बारे में हमारी समझ ने हमें प्रतिरक्षा में सुधार करने में मदद की है। कोविड के बाद रिकवरी में हमें अच्छे परिणाम मिले हैं। लेकिन इसका अभ्यास स्वयं नहीं करना चाहिए और विशेषज्ञ पर्यवेक्षण के तहत किया जाना चाहिए।"

ईडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) गुजरात चौपटर के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र पटेल ने कहा कि वे शिक्स्पोथीस का समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, 'हम यह नहीं कह सकते कि आयुर्वेदिक शंखनाद को एलोपैथिक उपचार के साथ लिया जाना चाहिए।'

दवा खरीदते वक्त जरूर लें बिल

नकली दवाओं और एक्सपायरी दवाओं की खेल उजागर होने के बाद पब्लिक में खौफ है कि वे जो दवा खा रहे हैं, वह नकली दवा तो नहीं है। ड्रग इंस्पेक्टर नरेश मोहन दीपक जी ने बताया कि आप दवा खरीदते हैं तो उसका बिल भी जरूर लें। आप दवा का बिल लेते हैं तो वह 99.99% दवा नकली ना होने के चांस हैं। महानगर कैमिस्ट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट आशीष शर्मा मो. 9837279162 जी कहते हैं कि हमने अपने एसोसिएशन के सभी मेंबर्स को कह दिया है कि बिना बिल के कोई भी दवा ना बेचे और ना ही बिना बिल के खरीदें, उन्होंने कहा कि हम कस्टमर से भी यही अपील करते हैं कि बिना बिल के कोई भी दवा ना खरीदी जाए।

- ड्रग इंस्पेक्टर नरेश मोहन दीपक, मो. 8005107100.

Events Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
Events Corporation
 ★★★★★
 (Ambala)
 (WHO, GMP, ISO CERTIFIED PRODUCTS)
Pharma & Veterinary
 ★ PCD / FRANCHISE
 ★ THIRD PARTY
 ★ VETERINARY GOVT. BUSSINESS
 ★ VETERINARY ECTOPARASITES (CYPER, DELTA, AMITRTAZ ETC.)
 ★ AYURVEDIC
 ★ FEED SUPPLEMENTS & COSMETICS
 ★ POULTRY PRODUCTS
 Contact : (M) 99960-10004, 94160-23262
EVENTS PHARMACEUTICALS PVT. LTD.
 Unit - **EVENTS CORPORATION UNIT-II**
 Ogli, Nahar Road, Kala Amb, Distt. Sirmour (H.P.)-173030
 Corporate Office - First Floor, Bank Of Baroda Opp. Reliance Trend, Prem Nagar Ambala City
 Web Site : www.events.org.in Email : eventspharma@gmail.com

PAX
रहतोत इतोहतह

Your enquiries are welcome for pharma franchise / 3rd party mfg for ayurvedic & herbal products

For Bus. Enquiry: **9216325808**
www.paxvedicscience.com

LIFECURE "we care for life"
N95 Medical Use Approved
PROTECTIVE MASK
 HIGH FILTRATION EFFICIENCY
 Formaldehyde protection
 Industrial dust prevention
 Fog and flame prevention

Three dimensional cutting design
 High elastic loop

Material Composition

Manufactured By : **REXON LABORATORIES LTD.**
 D-5, Sports & Surgical Complex
 Kapurthala Road, JALANDHAR-144 021
 E-mail : info@rexonlaboratories.com
 Website : www.rexonlaboratories.com

For Dealership Queries: **+91-98149-67777**

Be Wise Be Safe

95% Filtration Efficiency